आरोग्य पथ

मासिक ई-पत्रिका

वर्ष-3, अंक-04 मार्च, 2024

भारतीय लोकतंत्र एवं मताधिकार जागरूकता

भारत में लोकतांत्रिक सरकार सबसे बड़ी है। भारत में लोकतांत्रिक व्यवस्था की शुरुआत तब हुई जब 26 जनवरी 1950 को भारत का संविधान लागू हुआ। लोकतांत्रिक भारत से पता चलता है कि चुनाव के माध्यम से प्रतिनिधियों को चुनने के लिए, भारत के प्रत्येक नागरिक को किसी भी पंथ के बावजूद, बिना किसी भेदभाव के वोट देने का अधिकार है। जाति, धर्म, क्षेत्र और लिंग। भारत की लोकतांत्रिक सरकार जिन सिद्धांतों पर आधारित है वे हैं स्वतंत्रता, समानता, बंधुत्व और न्याय। भारत में, एक राज्य सरकार और एक केंद्र सरकार है जिसका अर्थ है कि यह सरकार का एक संघीय रूप है। सरकार यानी केंद्र और राज्य में क्रमशः लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई सरकार और संसद के दोनों सदनों-राज्यसभा और लोकसभा का अनुसरण करती है। देश के राष्ट्रपति (आधिकारिक प्रमुख) को दो सरकारों यानी केंद्र और राज्य द्वारा चुना जाता है। लोकतांत्रिक व्यवस्था की शुरुआत तब हुई जब पहली बार चुनाव हुए, आर्थिक स्पष्ट रूप से कहें तो जब पहली सरकार लोगों के वोट से बनाई गई थी। पहली बार भारत में हुए चुनाव को विश्व के लोकतंत्र के सबसे बड़े प्रयोगों में से एक माना गया। सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार के आधार पर चुनाव आयोजित किए गए, सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार के अनुसार, भारत के नागरिक जो 18 वर्ष या 18 वर्ष से अधिक हैं, उन्हें अपने धर्म, संस्कृति, पंथ, लिंग, क्षेत्र की परवाह किए बिना वोट देने और सरकार बनाने का अधिकार है और जाति चूँकि यह भारत में लोकतांत्रिक व्यवस्था की शुरुआत थी, इसलिए चुनाव की प्रक्रिया नागरिकों के साथ-साथ इसे संचालित करने वालों के लिए भी नई थी। चुनाव प्रक्रिया लगभग चार महीनों तक चली जो 25 अक्टूबर 1951 से 21 फरवरी 1952 तक थी। चुनाव में क्षेत्रीय दलों (63) के साथ 14 राष्ट्रीय दलों ने चुनाव लड़ा था और कई उम्मीदवार स्वतंत्र थे। सर्वाधिक वोट और अधिकांश सीटें प्राप्त करके नेशनल कांग्रेस पार्टी ने भारत में पहली बार चुनाव जीता।

भारत में लोकतांत्रिक सरकार की विशेषताएं: भारत में लोकतांत्रिक व्यवस्था के आरंभ से लेकर भारत में लोकतांत्रिक सरकार की विशेषताएं इस प्रकार हैं -

सामूहिक जिम्मेदारी: भारत में लोकतांत्रिक सरकार में केंद्र और राज्य दोनों, मंत्रिपरिषद से लेकर अपने-अपने विधानमंडल सामूहिक रूप से जिम्मेदार होते हैं। सरकार के किसी भी कृत्य के लिए कोई एक मंत्री नहीं बल्कि परिषद के सभी मंत्री जिम्मेदार होते हैं।

बहुमत नियम: बहुमत का शासन भारतीय लोकतंत्र की प्रमुख विशेषताओं में से एक है। सरकार बनाने वाली पार्टी को चुनाव में बहुमत प्राप्त करना आवश्यक होता है। यह बहुमत का नियम है और देश के प्रत्येक नागरिक को उस सरकार का समर्थन करना और स्वीकार करना चाहिए जिसे नागरिकों से बहुमत वोट मिले।

अल्पसंख्यकों की राय का सम्मान किया जाता है: यद्यपि भारतीय लोकतंत्र में बहुमत के नियमों की विशेषता है, लेकिन अल्पसंख्यकों की राय पर भी विचार किया जाता है। अल्पसंख्यकों से भी किसी क्षेत्र पर अपनी राय देने को कहा जाता है, चूँकि भारत सरकार का एक लोकतांत्रिक स्वरूप है इसलिए सकारात्मक और नकारात्मक दोनों तरह की आलोचनाओं को ध्यान में रखा जाता है और अल्पसंख्यकों की राय को बहुमत द्वारा सहन किया जाना चाहिए।

अधिकारों के लिए प्रावधान: भारतीय लोकतांत्रिक सरकार व्यक्ति को अनेक अधिकार प्रदान करती है। इन अधिकारों में शिक्षा का अधिकार, भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, संघ या संघ बनाने का अधिकार आदि शामिल हैं।

समझौता करने वाली सरकार: भारतीय लोकतंत्र सरकार का एक रूप है जो सत्तारूढ़ दल के साथ-साथ अन्य दलों की राय पर भी विचार करता है। यह एक प्रकार की सरकार है जो समझौता और समायोजन करती है।

स्वतंत्र न्यायपालिका: स्वतंत्र न्यायपालिका लोकतांत्रिक सरकार की एक और विशेषता है। स्वतंत्र न्यायपालिका का अर्थ है कि सरकार के लोकतांत्रिक स्वरूप में न्यायपालिका को विधायिका या कार्यपालिका पर निर्भर रहने की आवश्यकता नहीं है।

राजनीतिक समानता: भारतीय लोकतंत्र राजनीतिक समानता पर आधारित है, जिसका अर्थ है कि भारत का प्रत्येक नागरिक कानून के समक्ष समान है और उसे वर्ग, पंथ, जाति, नस्ल, लिंग और धर्म के बावजूद मतदान करने का अधिकार है।

मतदान लोकतंत्र का अभिन्न अंग है और लोगों के लिए अपनी बात रखना जरूरी है। सभी को वोट देने का अधिकार है, जिसका अर्थ है कि सभी भारतीय अपनी पसंद के प्रधान मंत्री के लिए वोट कर सकते हैं। मतदान करके, आप बदलाव ला सकते हैं और अपने समुदाय में बदलाव ला सकते हैं। मतदान करना इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि आप किसी कानून को तभी निरस्त कर सकते हैं जब अधिकांश नागरिक उससे सहमत हों।

मार्च माह विशेष

होली

होली, भारतीय समाज का एक प्रमुख और प्रसिद्ध त्योहार है जो रंग, उत्सव, और खुशियों का प्रतीक है। यह उत्सव हर साल फागुन महीने के पूर्णिमा तिथि को मनाया जाता है। होली का अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान है भारतीय संस्कृति और इतिहास में यह सामाजिक और सांस्कृतिक एकता के एक प्रमुख स्रोत के रूप में भी जाना जाता है।

होली का इतिहास भारतीय संस्कृति में वैदिक काल में प्रारंभ होता है, जब लोग ऋतुराज वसंत का स्वागत करने के रूप में इसे मनाया करते थे। प्राचीन काल में, होली को प्रेम और भक्ति के पर्व के रूप में मनाया जाता था, जिसका उल्लेख भगवान श्रीकृष्ण और राधा के प्रेम कथाओं में मिलता है। होली की पूर्व संध्या में कि जाने वाली होलिका दहन भक्ति और भक्त के प्रति भगवान के वात्सल्य का भी प्रतीक है।

होली के उत्सव की विविधता और प्रसिद्ध आयोजन भी अत्यंत उल्लेखनीय है। मथुरा और वृंदावन में होली का उत्सव विशेष रूप से प्रसिद्ध है, जहां भगवान कृष्ण के जन्मस्थलों पर उत्सवी रंगों का खेल होता है। बरसाने की लठमार होली में पुरुषों द्वारा महिलाओं पर रंग डालने पर महिलाओं का उन्हें लाठियों से मारना, मथुरा और वृंदावन में 15 दिनों की होली, हरियाणा में भाभी द्वारा देवर को सताए जाने की प्रथा, कुमाऊँ की गीत बैठकी में शास्त्रीय संगीत की गोष्ठियाँ भारतीय सांस्कृतिक रंगमंच की झलक हैं।

बंगाल की डोल जात्रा चौतन्य महाप्रभु के जन्मदिन के रूप में मनाई जाती है। इसके अतिरिक्त महाराष्ट्र की रंग पंचमी में सूखा गुलाल खेलना, गोवा के शिमगो में जलूस, पंजाब के होला मोहल्ला में सिक्खों द्वारा शक्ति प्रदर्शन और तमिलनाडु की कमन पोडिगई होली की व्यापकता का प्रतीक है।

मणिपुर के याओसांग में योंगसांग उस नन्हीं झोंपड़ी का नाम है जो पूर्णिमा के दिन प्रत्येक नगर-ग्राम में नदी अथवा सरोवर के तट पर बनाई जाती है। दक्षिण गुजरात के आदिवासियों के लिए होली सबसे बड़ा पर्व है। छत्तीसगढ़ की होरी, मध्यप्रदेश के आदिवासी इलाकों का भगोरिया और बिहार का फगुआ होली के ही क्षेत्रीय स्वरूप हैं।

नृत्य-संगीत और रंगों से भरे इस त्योहार ने पूरे विश्व की रुचि भी आकर्षित की है। विभिन्न देशों में बसे प्रवासियों तथा धार्मिक संस्थाओं जैसे इस्कॉन या वृंदावन के बांके बिहारी मंदिर में अलग-अलग प्रकार से होली के शृंगार व उत्सव मनाने की परंपरा है।

यह त्योहार भारतीयों के मिलन-शीतलता को भी विश्व पटल पर प्रदर्शित करता है। होली एकता, अद्वितीयता और सद्भावना की भावना को बढ़ावा देता है और हमें एक-दूसरे के साथ प्रेम साझा करने का अवसर देता है। होली प्रेम और आदर का पर्व है जो समृद्ध सामाजिक और सांस्कृतिक विरासत का हिस्सा है। यह उत्सव हम सभी को विविधता का सम्मान करना सिखाता है और साथ मिलकर जीवन के रंगों का आनंद उठाने की प्रेरणा देता है। होली के उत्सव का आयोजन हमारी सांस्कृतिक विरासत को समझने और मानने का अवसर प्रदान करता है और हमें एक साथ एकत्रित कर सामाजिक समरसता की भावना को बढ़ावा देता है।

होली एक ऐसा उत्सव है जो भारतीय समाज के लिए अत्यधिक महत्वपूर्ण है। यह लोगों को एक-दूसरे के साथ मिलकर रंग, खुशियों और सहयोग का एक संगम प्रदान करता है और भारतीय समाज की विविधता और समृद्धि को प्रकट करता है।

हमारी विरासत

ॐ बृं बृहस्पतये नमः

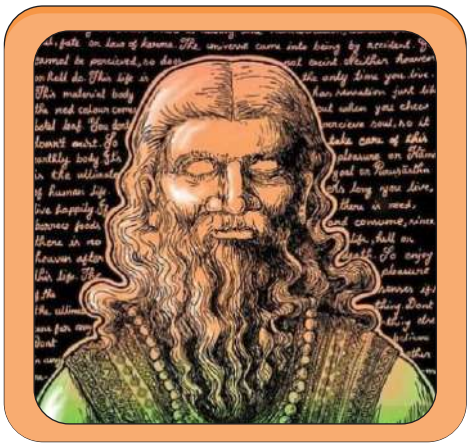

देवगुरु बृहस्पति पीत वर्ण के हैं। उनके सिर पर स्वर्णमुकुट तथा गले में सुन्दर माला हैं वे पीत वस्त्र धारण करते हैं तथा कमल के आसन पर विराजमान है। उनके चार हाथों में क्रमशः दण्ड, रुद्राक्ष की माला, पात्र और वरदमुद्रा सुशोभित है।

बृहस्पति देव विद्या, कर्म, व्यक्तित्व, धर्म, नीति के प्रतीक माने जाते हैं। ये एक तपस्वी ऋषि थे। इन्हें 'तीक्ष्णशृंग' भी कहा गया है। ये अंगिरा ऋषि की सुरूपा नाम की पत्नी से पैदा हुए थे। तारा और शुभा इनकी दो पत्नियाँ थीं। वेदोत्तर साहित्य में बृहस्पति को देवताओं का पुरोहित माना गया है। इन्हें देवताओं का आचार्यत्व और ग्रहत्व कैसे प्राप्त हुआ, इसका विस्तृत वर्णन स्कन्द पुराण में प्राप्त होता है। बृहस्पति ने प्रभास तीर्थ में जाकर भगवान शंकर की कठोर तपस्या की। उनकी तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान शंकर ने उन्हें देवगुरु का पद तथा ग्रहत्व प्राप्त करने का वर दिया। इन्हें गृह पुरोहित भी कहा गया है, इनके बिना यज्ञ सफल नहीं होते। ये अपने प्रधष्ट ज्ञान से देवताओं को उनका यज्ञ भाग या हवि प्राप्त करा देते हैं। असुर एवं दैत्य यज्ञ में विघ्न डालकर देवताओं को क्षीण कर हराने का प्रयास करते रहते हैं। इसी का उपाय देवगुरु बृहस्पति रक्षोघ्र मंत्रों का प्रयोग कर देवताओं का पोषण एवं रक्षण करने में करते हैं तथा दैत्यों से देवताओं की रक्षा करते हैं।

बार्हस्पत्य सूत्र देवगुरु बृहस्पति का ग्रन्थ है। बृहस्पति चार्वाक दर्शन के प्रणेता माने जाते हैं। यह ग्रंथ अप्राप्य माना जाता है। सर्व दर्शन संग्रह के पहले अध्याय में चार्वाक मत के सिद्धांतों का सार मिलता है। इसे लोकायत दर्शन के नाम से भी जाना जाता है। भूमि, जल, अग्नि, वायु जिनका प्रत्यक्ष अनुभव हो सकता है, इनके अतिरिक्त संसार में कुछ भी नहीं है। इन चार तत्वों के समिश्रण से ही चेतना शक्ति और बुद्धि का प्रादुर्भाव होता है। चार्वाक के अनुसार यावज्जीवेत सुखं जीवेत, ऋणं कृत्वा घृतं पिबेत। अर्थात जब तक जीवन है सुखों का उपभोग कर लेना चाहिए। भौतिक सुख को त्याज्य समझने की परंपरा को चार्वाक ने चुनौती दी। चूंकि इस लोक के अलावा और कोई दूसरा लोक नहीं है, इसलिए इस लोक का भरपूर आनंद लेना चाहिए, खूब ऐश-आराम करना चाहिए। शरीर के एक बार भस्म हो जाने पर वह पुनः वापिस लौट कर नहीं आता। ज्योतिष शास्त्र में बृहस्पति (बृहस्पति को मजबूत करने के उपाय) को सूर्य से अधिक महत्वपूर्ण माना गया है। बृहस्पति की शुभ दिशा और दशा व्यक्ति को सुख-समृद्धि का स्वामी बनाती है। बृहस्पति ने धर्मशास्त्र, नीतिशास्त्र, अर्थशास्त्र और वास्तुशास्त्र पर ग्रंथ लिखे। आजकल 80 श्लोक प्रमाण उनकी एक स्मृति (बृहस्पति स्मृति) उपलब्ध है।

आरोग्य पथ
मासिक ई-पत्रिका

अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर एवं महाराणा प्रताप महाविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित

भारत-नेपाल सांस्कृतिक अन्तर्सम्बन्धों की विकास यात्रा : अतीत से वर्तमान तक

प्रथम दिवस - उद्घाटन सत्र

उद्घाटन सत्र में सम्बोधित करते हुए प्रो. डॉ. भागवत ढकाल

उद्घाटन सत्र में वक्तव्य प्रस्तुत करते हुए प्रो. नन्द बहादुर सिंह

दिनांक 01 मार्च, 2024 गोरखपुर। भारत और नेपाल की एकता का मूल आधार दोनों देशों की साझा अध्यात्म–संस्कृति है। मयार्दा पुरुषोत्तम भगवान श्रीरामए महात्मा बुद्ध और शिवावतार महायोगी गुरु गोरखनाथ भारत–नेपाल एकता के अक्षुण्ण मूल सूत्र हैं।

ये बातें नेपाल के पूर्व गृह राज्यमंत्री देवेंद्र राज कंडेल ने कहीं। वे शुक्रवार को महाराणा प्रताप डिग्री कालेज जंगल धूसड़ में आयोजित 'भारत–नेपाल सांस्कृतिक अंतसंबंधों की विकास यात्राः अतीत से वर्तमान तक' विषयक तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सेमिनार के उद्घाटन सत्र को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय और महाराणा प्रताप महाविद्यालय जंगल धूसड़ के संयुक्त तत्वावधान में हो रहे इस सेमिनार में श्री कंडेल ने कहा कि हमें अपनी संस्कृति और धर्म के लिए राजनीति छोड़ने भी पड़े तो छोड़ देना चाहिए। 500 वर्षों के लंबे इंतजार के बाद श्रीरामलला की जन्मभूमि अयोध्या में बने भव्य मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा हुई तो उसे नेपाल में भी पर्व के रूप में मनाया गया। भगवान श्रीराम व माता सीता के चलते भारत नेपाल के आवागमन की परंपरा आज तक चली आ रही है। आज भी बिना पासपोर्ट और वीजा के लोग भारत और नेपाल की सीमाओं को पार करते हैं।यह हमारे आपसी मजबूत संबंधों को दशार्ता है। उन्होंने नेपाल पर गुरु गोरखनाथ के प्रभाव की चर्चा करते हुए बताया कि नाथ संप्रदाय के नेपाल में कई जगह–जगह भव्य मंदिर हैं। उन्होंने सांस्कृतिक अंतसंबंधों को और मजबूती के लिए दोनों देशों के शासन प्रशासन को व्यावहारिक विचारों को अपनाने पर जोर दिया। साथ ही कहा कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से हम लोगों की वार्ता हुई है, जल्द ही गोरखपुर से नेपाल के लिए भी पर्यटक बसें चलाई जाएंगी।

प्रो. सुबरन लाल उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता करते हुए लुम्बिनी बौद्ध विश्वविद्यालय, लुम्बिनी, नेपाल के कुलपति प्रो. सुबरन लाल बज्राचार्य ने कहा कि भारत और नेपाल, दोनों देशों में अन्योन्याश्रित संबंध हैं। दोनों के सह अस्तित्व से यह संबंध ऊंचाई को प्राप्त करते हैं। इस पारस्परिक संबंध का आधार हिंदुत्व है। हिंदुत्व का सम्मान करने व हिंदुत्व को बढ़ावा देने से निश्चित रूप में नेपाल और भारत के संबंधों में घनिष्ठता और मधुरता आएगी। सांस्कृतिक आयाम ही हमारे लिए सबसे शक्तिशाली हथियार है। भारत व नेपाल देश के नागरिकों का डीएनए एक प्रो. नंद बहादुर सारस्वत अतिथि के रूप में उपस्थित मध्य पश्चिम विश्वविद्यालय, सुर्खेत, नेपाल के उप कुलपति प्रो. नंद बहादुर सिंह ने कहा कि भारत और नेपाल का डीएनए एक है इसलिए दोनों के आपसी संबंध प्रगाढ़ हैं। दोनों देशों का मूल एक है। हमारे चार प्रमुख स्रोत हैं। धर्म, संस्कृति, भाषा व सभ्यता जो दोनों देशों में एक समान है। उन्होंने कहा कि बड़े भाई के रूप में नेपाल की रक्षा करना भारत का भी कर्तव्य है। नेपाल के बॉर्डर से नकली पैसों का आना जाना बंद होना चाहिए। इसके अलावा संगोष्ठी को बतौर विशिष्ट अतिथि वाल्मीकि विद्यापीठ, काठमांड, नेपाल के प्राचार्य प्रो. भागवत ढकाल, पुष्पा भुषाल, दीदउ गोरखपुर विश्वविद्यालय के प्रो. हर्ष कुमार सिन्हा तथा महाराणा प्रताप महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने संबोधित किया। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। अतिथियों ने भारत नेपाल के अंर्तसंबंधों पर आधारित स्मारिका का विमोचन भी किया।

इस अवसर पर आयोजन के संयोजक डॉ. पद्मजा सिंह और डॉ. सुबोध कुमार मिश्र, प्रो. कीर्ति पांडेय, डॉ. सुधाकर लाल श्रीवास्तव, डॉ. रामवन्त गुप्ता, डॉ. अमित उपाध्याय, डॉ. हर्षवर्धन, डॉ. उग्रसेन सिंह, डॉ. शैलेंद्र उपाध्याय, डॉ. नीरज सिंह, डॉ. नीलांबुज, नेपाल से आए विद्वतजन प्रो. नरेंद्र कुमार श्रेष्ठ, डॉ. सागर न्यौपाने, भीम पराजुली, प्रो. सुधन कुमार पौडेल, प्रो. राजराम सुवेदी, श्रीकृष्ण अनिरुद्ध गौतम, प्रो. सुबोध शुक्ला, नारायण प्रसाद ढकाल, राजन काकों, बाजिरा, बाल बहादुर पांडेय, डॉ. शिवकांत दूबे, कृष्ण हुमागाई, सुभेन्द्र यादव व विनय मिश्र समेत दोनों देशों के प्रतिभागी और विद्यार्थी उपस्थित रहें।

आरोग्य पथ
मासिक ई-पत्रिका

अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर एवं महाराणा प्रताप महाविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित

भारत-नेपाल सांस्कृतिक अन्तर्सम्बन्धों की विकास यात्रा : अतीत से वर्तमान तक

द्वितीय दिवस

शोधार्थियों को सम्बोधित करते हुई श्रीमती पुष्पा भोषाल

उद्बोधन प्रस्तुत करते हुए प्रो. सुधन पौडेल

दिनांक 02 मार्च, 2024 गोरखपुर। वाल्मीकि विद्यापीठ, काठमांडू ;नेपाल, के प्राचार्य प्रो. भागवत ढकाल ने कहा कि भारत और नेपाल भौगोलिक रूप से भले ही सीमाओं के विभक्त हैं लेकिन दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक संबंध सीमाओं से परे हैं। दोनों के आध्यात्मिक दर्शन–चिंतन का मूल विश्व शांति और चराचर जगत का कल्याण है।

प्रो. ढकाल महाराणा प्रताप महाविद्यालय जंगल धूसड़ में आयोजित 'भारत–नेपाल सांस्कृतिक अंतर्संबंधों की विकास यात्रा : अतीत से वर्तमान तक' विषयक तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सेमिनार के दूसरे दिन एक तकनीकी सत्र को संबोधित कर रहे थे। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय और महाराणा प्रताप महाविद्यालय जंगल धूसड़ के संयुक्त तत्वावधान में हो रहे इस सेमिनार में प्रो. ढकाल ने आध्यात्मिक–सांस्कृतिक अंतर्संबंधों को उदाहरणों से समझाते हुए कहा कि भारत में सर्वपूज्य गुरु गोरखनाथ नेपाल के भी आदिगुरु हैं। नेपाल के गोरखा लोगों का 'गोरखा' नाम गुरु गोरखनाथ जी के नाम से ही संबंध रखता है। इसी क्रम में मध्य पश्चिम विश्वविद्यालय, सुर्खेत, नेपाल के उप कुलपति नंद बहादुर सिंह ने कहा कि भारत और नेपाल के आपसी संबंध इतने गहरे और मजबूत हैं कि दोनों में खाई पैदा करने की कोशिश करने वाले विस्तारवादी नीतियों के पोषक देश अपनी किसी भी साजिश में सफल नहीं हो सकते।

भारत–नेपाल के संबंधों का आधार सनातन धर्म–संस्कृतिः डॉ. शिवाकांतः इस सत्र के विषय विशेषज्ञ लुंबिनी विश्वविद्यालय नेपाल के सहायक आचार्य डॉ. शिवकांत दूबे ने कहा कि भारत नेपाल का संबंध रोटी–बेटी का है। इन संबंधों का मुख्य आधार सनातन धर्म एवं संस्कृति है। वर्तमान में दोनों देशों की सरकारें अपने संबंधों को लेकर काफी सक्रिय हैं। इस सत्र की अध्यक्षता दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में कला संकाय की अध्यक्ष प्रो. कीर्ति पांडेय ने की। इसमें गोरखपुर विश्वविद्यालय के इतिहास विभाग के सेवानिवृत आचार्य प्रो. सुधाकर लाल श्रीवास्तव, चंद्रकांति रामावती देवी आर्य महिला पीजी कॉलेज में राजनीतिशास्त्र विभाग की सहायक आचार्य डॉ. प्रीति त्रिपाठी ने भी विचार व्यक्त किए। सत्र में तीन शोधार्थियों ने शोध पत्र प्रस्तुत किए जबकि संचालन डॉ. अर्चना गुप्ता ने किया।

पारस्परिक सहयोग से और मजबूत होंगे दोनों देशों के संबंध : कंडेलः इसके पूर्व एक विशिष्ट सत्र में विषय विशेषज्ञ के रूप में नेपाल के पूर्व गृह राज्यमंत्री देवेंद्र राज कंडेल ने कहा कि भारत और नेपाल, दोनों राष्ट्रों के संबंध को एक दूसरे के पारस्परिक सहयोग से और मजबूत बनाया जा सकेगा। इसका एक उदाहरण गोरक्षपीठ की भूमिका है जो इस संबंध को मजबूत बनाने में सराहनीय योगदान देती है। एक अन्य विषय विशेषज्ञ नेपाली कांग्रेस की केंद्रीय सदस्य श्रीमती पुष्पा भुषाल ने कहा कि दोनों देशों की संसदीय गठन और प्रणाली सामान आधार पर ही है। राजनीतिक तंत्र, कूटनीतिक तंत्र, आर्थिक तंत्र दोनों ही राष्ट्रों की लगभग एक समान है। ऐसे में सरल विदेश नीति से दोनों के बीच संबंध और प्रगाढ़ होंगे। विधायक कोसी प्रदेश (नेपाल) भीम पराजुली ने कहा कि भारत–नेपाल संबंध केवल राजनीतिक नहीं है बल्कि यह दोनों देशों के जनमानस का संबंध है। ग्रामीण विकास अध्ययन दांग, नेपाल के प्राध्यापक डॉ. शरद शर्मा ने कहा कि युवा शक्ति की भागीदारी से दोनों राष्ट्रों के मध्य व्यावहारिक संबंधों को मजबूती मिलेगी। नेपाल के प्रधानमंत्री के पूर्व सलाहकार कृष्णा अनिरुद्ध गौतम ने आर्थिक संबंधों की भी मजबूती पर जोर दिया। सत्र की अध्यक्षता करते हुए दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर के रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के पूर्व अध्यक्ष एवं आचार्य प्रो. हर्ष कुमार सिन्हा ने कहा कि भारत–नेपाल संबंधों की उन्नति में बहुआयामी पक्ष की जानकारी आवश्यक है। संचालन डॉ. अवंतिका पाठक ने किया।

भारत–नेपाल का संबंध हवा और पानी का भी : प्रो पौडेलः शनिवार को एक तकनीकी सत्र की अध्यक्षता करते हुए नेपाल संस्कृत विश्वविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र, नेपाल के कार्यकारी निदेशक प्रो. सुधन पौडेल ने कहा कि भारत नेपाल का संबंध हवा व पानी का भी है। हमारा पानी भारत तक आता है तो यहां की हवाएं नेपाल तक पहुंचती हैं।

विषय विशेषज्ञ नेपाल के प्रतिष्ठित साहित्यकार एवं सामाजिक कार्यकर्ता नवीन बंधु पहाड़ी ने कहा कि दोनों देश पौराणिक काल से एक संस्कृति के पोषक हैं। भगवान राम भारत में पुत्र हैं तो नेपाल में जमाता। इस सत्र में त्रिभुवन विश्वविद्यालय कीर्तिपुर, काठमांडू के सेवानिवृत्ति आचार्य प्रो. राजाराम सुवेदी, गणेश राय पीजी कॉलेज जौनपुर के सहायक आचार्य डॉ. प्रवीण कुमार त्रिपाठी ने भी विचार व्यक्त किए। संचालन डॉ. हनुमान प्रसाद उपाध्याय ने किया।

तकनीकी सत्रों की कड़ी में एक महत्वपूर्ण सत्र की अध्यक्षता करते हुए दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के प्राचीन इतिहास विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. राजवंत राव, गोरखपुर विश्वविद्यालय में प्राचीन इतिहास विभाग की सहायक आचार्य डॉ. पद्मजा सिंह, डॉ. विनोद कुमार ने भारत–नेपाल के मैत्री संबंधों की ऐतिहासिकता पर मंथन किया। संचालन इक्ष्वाकु प्रताप सिंह ने किया। एक अन्य सत्र की अध्यक्षता त्रिभुवन विश्वविद्यालय काठमांडू के संस्कृत विभाग के आचार्य प्रो. सुबोध शुक्ला ने की। इस सत्र में महायोगी गुरु श्रीगोरक्षनाथ शोधपीठ के उप निदेशक डॉ. कुशल नाथ मिश्रा, सहायक निदेशक डॉ. सोनल सिंह, गोरखपुर विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग के सहायक आचार्य प्रकाश प्रियदर्शी ने दोनों देशों के संबंधों पर चर्चा को आगे बढ़ाया। संचालन विनय कुमार सिंह ने किया। सभी सत्रों में प्रस्तुत शोध पत्रों पर विशेषज्ञों ने मार्गदर्शन किया। सभी सत्रों में अध्यक्ष, सह अध्यक्ष व विषय विशेषज्ञों का स्वागत महाराणा प्रताप महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने किया।

अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर एवं महाराणा प्रताप महाविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित

भारत-नेपाल सांस्कृतिक अन्तर्सम्बन्धों की विकास यात्रा : अतीत से वर्तमान तक

तृतीय दिवस

अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के तृतीय दिवस पर आयोजित समूह परिचर्चा के दौरान उपस्थिति अतिथिगण एवं विशेषज्ञ

दिनांक 03 मार्च, 2024 गोरखपुर। भारत और नेपाल के बीच भाव और भावना का संबंध है। ऐसा संबंध राजनीति और आर्थिकी के संबंधों से कहीं अधिक मजबूत और गहरा होता है। दोनों राष्ट्रों के संस्कार और स्वभाव एकसमान हैं। दोनों धार्मिक और आध्यात्मिक दर्शन के मजबूत डोर से बंधे हुए हैं।

यह बातें इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक, मध्य प्रदेश के कुलपति प्रो. श्रीप्रकाश मणि त्रिपाठी ने कहीं।

प्रो. त्रिपाठी रविवार को महाराणा प्रताप महाविद्यालय जंगल धूसड़ में आयोजित 'भारत–नेपाल सांस्कृतिक अंतर्संबंधों की विकास यात्रा : अतीत से वर्तमान तक' विषयक तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सेमिनार के समापन सत्र को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय और महाराणा प्रताप महाविद्यालय जंगल धूसड़ के संयुक्त तत्वावधान में हो रहे इस सेमिनार में प्रो. त्रिपाठी ने कहा कि भारत नेपाल के लिए बड़े भाई की भूमिका में है तो नेपाल, भारत के लिए कवच के समान है। दोनों अपनी इन भूमिकाओं को बखूबी समझते हैं और निर्वहन भी करते हैं। प्राचीनकाल से दोनों राष्ट्रों के बीच अन्योन्याश्रित संबंध हैं। उन्होंने कहा कि नेपाल के शालिग्राम को भारत पूजता ही रहेगा। भगवान श्रीराम और शिवावतार गुरु गोरखनाथ भारत और नेपाल में एक जैसे पूज्य हैं। दोनों देशों के बीच बहुआयामी संबंध है और इसका मूल आधार दोनों की साझी संस्कृति है।

समापन सत्र की अध्यक्षता करते हुए दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने कहा कि भारत–नेपाल के ऐतिहासिक सांस्कृतिक संबंधों को नई ऊंचाई देने के लिए युवाओं को आगे लाने की आवश्यकता है। इस दिशा में अकादमिक पहल होनी चाहिए। अकादमिक विकास में भारत नेपाल का आपसी सहयोग मील का पत्थर बन सकता है।

इसी को ध्यान में रखते हुए गोरखपुर विश्वविद्यालय और नेपाल के विश्वविद्यालयों के बीच करार किया गया है। नेपाल के युवा यहां और यहां के युवा नेपाल जाकर दोनों देशों के बीच रिश्ते को और सशक्त बनाएंगे। प्रो. टंडन ने कहा कि संस्कृति के विस्तार और मजबूती के लिए अकादमिक पक्ष को जोड़ना अपरिहार्य होता है। भारत और उत्तर प्रदेश का वर्तमान नेतृत्व नेपाल के साथ मैत्री संबंध प्रगाढ़ करने के लिए अपने संकल्प को कार्यों में परिलक्षित कर रहा है। महाराणा प्रताप महाविद्यालय की यह पहल दोनों देशों के सांस्कृतिक संबंधों को नई दिशा देने वाली साबित होगी।

युवाओं के बल पर ठीक रहेंगे भारत–नेपाल के संबंध : नारायण ढकाल : समापन सत्र के विशिष्ट अतिथि प्राज्ञीक विद्यार्थी परिषद, काठमांडू नेपाल के राष्ट्रीय संगठन मंत्री नारायण प्रसाद ढकाल ने कहा कि युवाओं के बल पर भारत.नेपाल संबंध ठीक रहेंगे। उन्होंने आह्वान किया कि नेपाल पर भारत के कुछ युवा शोध करें नेपाली भाषा भी जानें। भारत को बड़ा मन बनाकर चलना होगा, साथ ही नेपाल के मन की शंका को भी दूर करना होगा कि भारत उसकी सार्वभौमिकता सुरक्षित रखेगा। श्री ढकाल ने कहा कि नेपाल के लोग चाहते हैं कि भारत शार्क का नेतृत्व करें। विशिष्ट अतिथि नेपाल संस्कृत विश्वविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र के कार्यकारी निदेशक प्रो. सुमन पौडेल ने कहा कि दोनों देशों के मैत्री संबंधों को मजबूत करने की दिशा में यह अंतरराष्ट्रीय सेमिनार एक नए अध्याय की शुरुआत जैसा है और इसके सुखद परिणाम सामने आएंगे।

समापन सत्र को त्रिभुवन विश्वविद्यालय, काठमांडू नेपाल के संस्कृत विभाग के आचार्य डॉ. सुबोध शुक्ल और दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. हर्ष कुमार सिन्हा ने भी संबोधित किया। महाराणा प्रताप महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने अंतरराष्ट्रीय सेमिनार के सभी विद्वतजन, प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस सेमिनार से दोनों देशों के सांस्कृतिक.आध्यात्मिक संबंधों को नई ऊर्जा मिली है। दोनों देश इस सिलसिले को निरंतर आगे बढ़ाते रहेंगे।

सेमिनार का प्रतिवेदन दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में राजनीतिशास्त्र विभाग के सहायक आचार्य डॉ. अमित कुमार उपाध्याय ने प्रस्तुत किया। समापन सत्र में अतिथियों का स्वागत सेमिनार के संयोजक डॉ. पद्मजा सिंह और डॉ. सुबोध कुमार मिश्र ने किया।

भारत–नेपाल के बीच मैत्री और सहयोग को बढ़ाएगा गोरखपुर घोषणा पत्र: महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर एवं महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़ के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 'भारत नेपाल सांस्कृतिक अंतर्संबंधों की विकास यात्रा : अतीत से वर्तमान तक' विषयक तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सेमिनार में दोनों देशों के अकादमिक विशेषज्ञों, राजनेताओं विभिन्न संस्थानों एवं संगठनों के प्रतिनिधियों ने सम्यक विचार विमर्श किया। इस विमर्श से प्राप्त निष्कर्षों को आपसी सहमति से गोरखपुर घोषणा पत्र के रूप में पारित किया गया। सबने इस बात को स्वीकार किया कि गोरखपुर घोषणा पत्र भारत–नेपाल के बीच मैत्री और सहयोग को बढ़ाने में काफी कारगर होगा।

इस घोषणा पत्र में दोनों देशों के अकादमिक विशेषज्ञों, राजनेताओ, विभिन्न संस्थानों एवं संगठनों के प्रतिनिधियों ने इस बात पर पूर्ण सहमति जताई कि भारत–नेपाल संबंधों के मूल दोनों देशों के मध्य सदियों पुराने धार्मिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक संबंध हैं।

यह तय किया गया कि दोनों देशों के इस विशिष्ट संबंध को बनाये रखने के लिए दोनों देशों के नागरिकों, बौद्धिकों, राजनेताओं एवं युवाओं को इन सांस्कृतिक संबंधों को पुर्नजीवित करने तथा निरंतर प्रतिष्ठित करते रहने का कार्य करते रहना होगा। दोनों देशों के नागरिकों, विशेष रूप से शैक्षणिक क्षेत्र में कार्य करने वाले व्यक्तियों और संगठनों को नियमित रूप से ऐसे संवाद और विमर्श कार्यक्रमों का आयोजन बारी–बारी से दोनों देशों में करते रहना चाहिए जिससे संबंधों का आधार और अधिक विस्तृत और सुगम हो सके।

घोषणा पत्र के जरिये यह संकल्प भी लिया गया कि अंतरराष्ट्रीय सेमिनार के उभयदेशीय प्रतिभागी भविष्य में दोनो देशों के संबंधों को प्रगाढ़ करने के लिए नियमित रूप से प्रस्ताव एवं कार्ययोजनायें तैयार करते हुए दोनों देशों के नीति निर्धारकों के समक्ष 'जनाकांक्षाओं के प्रस्ताव' के रूप में प्रस्तुत करेंगे।

अतिथि व्याख्यान

गुरू गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस

व्याख्यान देते हुए प्रो. (डॉ.) एच.एन. डे जी एवं डॉ. धमेन्द्र प्रताप सिंह जी को स्मृति चिन्ह् भेंट करते हुए डॉ. शान्तिभूषण हांडूर एवं प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एन.एस.

दिनांक 03 मार्च, 2024 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अंतर्गत संचालित गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल (साइंसेस आयुर्वेद संकाय) में तीन अतिथि व्याख्यान आयोजित किए गए। मुख्य अतिथि के रूप पधारे प्रोफेसर डॉ. एच. एन. डे प्रिंसीपल आई. टी. एम. आयुर्वेद मेडिकल कॉलेज महराजगंज, डॉ. जय प्रकाश दुबे, सह आचार्य, बापू आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज मऊ, डॉ. धर्मेंद्र प्रताप सिंह सह आचार्य एवं जी.जी.आई.एम.एस. के प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एन. एस. ने दीप प्रज्ज्वलन एवं भगवान धन्वंतरि को पुष्पांजलि अर्पित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

आयुर्वेद संकाय के प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एन.एस. जी ने स्मृति चिन्ह् देकर समानित किया। डॉ. एच.एन. डे ने विद्यार्थियों को आयुर्वेद मे वर्णित पदार्थ विज्ञान के सिद्धान्तों को समझाया और दैनिक जीवन मे

उन सिद्धान्तों की स्वस्थ रहने के लिए उनके ज्ञान की उपयोगिता को समझाया साथ ही दिनचर्या, सदवृत, संतुलित आहार आदि की महत्ता को समझाया।

डॉ. जय प्रकाश दुबे ने अपने व्याख्यान मे कहा कि अगर कुशल वैद्य बनना है तो अपने व्यक्तित्व को सुदृण करिए अपने अंदर कफज गुण को बढ़ाये। अपने व्यक्तित्व को प्रभावशाली बनाने के लिए आयुर्वेद के साथ मॉडर्न पैथी का भी ज्ञान अर्जित करे। रोगी की प्रकृति को देख कर चिकित्सा करें।

डॉ. धर्मेंद्र प्रताप सिंह ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि अभी आप के पढ़ने का समय है इसलिए अभी बस पढ़े थ्योरेटिकल ज्ञान अतिमहत्वपूर्ण है बाद मे क्लीनिक ज्ञान प्राप्त करें। किसी एक रुचिकर विषय चुनकर उसके विशेषज्ञ बनें। ज्ञान दोनों पैथी का हो पर चिकित्सा आयुर्वेद मे करें। क्योंकि रोगी आपके पास आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति से चिकित्सा कराने आते हैं। अपनी पैथी पर अध्ययन कर विशेषज्ञ बने। कार्यक्रम के अंत में डॉ. मंजूनाथ एन. एस. ने सभी अतिथियों को आभार प्रकट कर धन्यवाद दिया।

निःशुल्क सिलाई मशीन वितरण समारोह

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

दिनांक 06 मार्च, 2024,गोरखपुर। महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के सौजन्य से महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में सात दिवसीय निःशुल्क सिलाई–कढ़ाई प्रशिक्षण एवं मुफ्त सिलाई मशीन वितरण कार्यक्रम का बुधवार को विश्वविद्यालय में शुभारंभ हुआ। नारी स्वालम्बन के दृष्टिकोण से आयोजित इस कार्यक्रम के उद्घाटन अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि पिपराइच के विधायक महेंद्रपाल सिंह ने कहा कि महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद का यह अभियान महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण योगदान देने वाला है।

विधायक श्री सिंह ने कहा इस परिषद ने पूर्वी उत्तर प्रदेश में सिर्फ शिक्षा की ही अलख नहीं जगाई है बल्कि संस्कृति, राष्ट्रीयता, चिकित्सा सेवा और स्वावलंबन की दिशा में यह प्रेरणा पुंज है। महिला प्रशिक्षार्थियों को आत्मनिर्भर बनने का संकल्प दिलाते हुए उन्होंने कहा कि आप सबको जागरूक होकर अपनी शक्ति का एहसास करना होगा। आज महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर रही हैं। सिलाई–कढ़ाई का प्रशिक्षण लेकर आप सबके घर परिवार को आर्थिक संबल देने में आगे आ सकती हैं। श्री सिंह ने कहा कि सिलाई कढ़ाई प्रशिक्षण से खुद के बनाए उत्पाद को भी बाजार में उतारा जा सकता है। इसमें काफी सफलता भी मिलेगी क्योंकि बाजार में तेजी से बदलाव हो रहा है। अब लोकल फॉर वोकल से हस्तनिर्मित सामान भी अंतराष्ट्रीय बाजार में अपनी जगह बना रहे हैं।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल वाजपेयी ने कहा कि नारी शक्ति वैदिक काल से पूज्य रही है। आज नारी शक्ति अपने हुनर को पहचान कर स्वयं के पैरो पर खड़ी हो रही है। समाज में हर क्षेत्र में नित नए कीर्तिमान रचने वाली महिलाएं

किसी भी मायने में कम नही है। कुशल नेतृत्व और प्रशिक्षण से नारी अपने भविष्य के साथ घर परिवार को भी आर्थिक संबल दे सकती है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सिलाई–कढ़ाई प्रशिक्षण शिविर में प्रशिक्षित महिलाएं टेक्सटाइल क्षेत्र में क्रांति लाएगी।

विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद प्रतिष्ठित साहित्यकार डॉ. वेद प्रकाश पाण्डेय ने महिलाओं को स्व–रोजगार के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में प्रतिभाओं की कमी नहीं है। महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद समाज के हर व्यक्ति को कौशल विकास मिशन से व्यक्ति के हुनर को निखार कर रोजगार के लिए प्रेरित करता है। सिलाई–कढ़ाई का प्रशिक्षण लेकर महिलाएं घर की डेहरी से लेकर कार्पोरेट जगत में अपने प्रोडेक्ट से खुद की पहचान स्थापित कर सकती हैं।

विजिटिंग प्रोफेसर राजेंद्र भारती ने कहा कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय समाज के हर वर्ग को सम्मान से जीने की प्रेरणा दे रहा है। इसी कड़ी में महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में यहां आयोजित निःशुल्क सिलाई–कढ़ाई प्रशिक्षण महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्यवयक डॉ. अखिलेश दूबे ने अतिथियों का स्वागत कर कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। संचालन शिवम पाण्डेय और धन्यवाद ज्ञापन राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी धनंजय पाण्डेय ने किया। आयोजन में प्रशिक्षक कमलावती प्रजापति, सुभावती शर्मा, ज्योति भारती, गुड़िया, निम्मी चौधरी, निर्मला प्रजापति, शीला ने सभी महिलाओं को सिलाई–कढ़ाई की प्राथमिक जानकारी दी।

इस मौके पर उपकुलसचिव श्रीकांत, आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एन.एस., अधिष्ठता डॉ. एस.के. सिंह, डॉ. विमल कुमार दुबे, डॉ. रोहित श्रीवास्तव, डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव, छात्र संघ पदाधिकारी अशोक कुमार चौधरी, अंजली सिंह, अमन शर्मा, विष्णु अग्रहरी, अनमोल कुमार पाण्डेय सहित शिक्षकगण, विद्यार्थी और महिला प्रशिक्षणार्थी उपस्थित रहीं।

महिला दिवस पर सीएम योगी देंगे 221 महिलाओं को सिलाई मशीन का उपहार : महाराणा प्रताप परिषद द्वारा चलाए जा रहे नारी स्वावलंबन अभियान के अंतर्गत परिषद के आर्थिक सहयोग और महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालयए गोरखपुर की राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में आयोजित सप्त दिवसीय निःशुल्क सिलाई–कढ़ाई प्रशिक्षण तथा मुफ्त सिलाई मशीन वितरण के कार्यक्रम में 8 मार्च को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी उपस्थित रहेंगे।

इस दिन अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में सीएम योगी 221 प्रशिक्षित महिलाओं को निःशुल्क सिलाई मशीन का उपहार प्रदान करेंगे।

यह समारोह शुक्रवार दोपहर बाद महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के नर्सिंग एवं पैरामेडिकल संकाय के सभागार में होगा। विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल वाजपेयी की देखरेख में होने वाले समारोह में सांसद रविकिशन शुक्ल, विधायक महेंद्रपाल सिंह आदि भी मौजूद रहेंगे।

निःशुल्क सिलाई मशीन वितरण समारोह

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

ग्रामीण महिलाओं को सिलाई मशीन वितरित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलाधिपति श्री योगी आदित्यनाथ जी महाराज

दिनांक 08 मार्च, 2024, गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि डबल इंजन सरकार की नीतियों और योजनाओं में महिलाएं केंद्र बिंदु है। केंद्र और प्रदेश सरकार जितनी भी जनकल्याणकारी योजनाओं का संचालन कर रही है, उनमें सर्वाधिक संख्या उन योजनाओं की है जिनके अभाव का सीधा प्रभाव महिलाओं पर पड़ता था। सरकार और समाज के लिए महिला सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन सर्वोपरि होना चाहिए। सरकार इस दिशा में पूरी प्रतिबद्धता से कार्य कर रही

सम्बोधित करते हुए माननीय कुलाधिपति श्री योगी आदित्यनाथ जी महाराज एव उपस्थिति अतिथिगण

है। इसी प्रतिबद्धता से महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद एवं महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय भी महिलाओं के सम्मान–स्वावलंबन के लिए सराहनीय योगदान दे रहा है।

सीएम योगी शुक्रवार शाम महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के सौजन्य से आयोजित सात दिवसीय निःशुल्क सिलाई–कढ़ाई प्रशिक्षण शिविर में प्रशिक्षु महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए मुफ्त सिलाई मशीन वितरित करने के बाद अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। मुख्यमंत्री, इन विश्वविद्यालय के कुलाधिपति भी है। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित इस कार्यक्रम में 221 महिलाओं को मुफ्त सिलाई मशीन वितरित की गई। नौ प्रशिक्षुओं को सिलाई मशीन सीएम योगी ने खुद अपने हाथों से प्रदान किए। प्रशिक्षाणार्थी महिलाओं को प्रेरित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आधी आबादी के सशक्तिकरण के बिना भारत को सशक्त और समर्थ नहीं बनाया जा सकता है। इसके लिए सुरक्षा का वातावरण देकर महिलाओं के स्वावलंबन का मार्ग प्रशस्त करना होगा।

सीएम योगी ने कहा कि 2014 में प्रधानमंत्री बनने के बाद मोदी जी ने व्यक्ति, मत, मजहब या क्षेत्र को योजनाओं का आधार नहीं बनाया। बल्कि योजनाओं का आधार गांव, गरीब, किसान, महिलाओं को बनाया गया।

उन्होंने कहा कि बेटी बचाओ–बेटी पढ़ाओं और मातृ वंदना सीधे महिलाओं के सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन से जुड़ी है तो शौचालय, उज्ज्वला, सौभाग्य और मुफ्त राशन जैसी योजनाओं के केंद्र भी महिलाएं हैं क्योंकि यदि परिवार में अभाव होगा तो सबसे अधिक दिक्कत महिला को ही होती है। पीएम विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना शिल्पियों के साथ ही महिलाओं की आत्मनिर्भरता के लिए है। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार की ही तरह प्रदेश सरकार ने महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन के लिए कन्या सुमंगला, सामूहिक विवाह जैसी योजनाएं चलाई हैं। छात्रों के साथ छात्राओं को स्मार्टफोन उपलब्ध कराकर उन्हें तकनीकी रूप से सक्षम बनाया जा रहा है।

महायोगी गोरखनाथ विवि रचनात्मक गतिविधियों का भी केंद्रः मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए निःशुल्क सिलाई–कढ़ाई प्रशिक्षण शिविर के आयोजन तथा मुफ्त सिलाई मशीन वितरण के इस कार्यक्रम की सराहना की। उन्होंने कहा कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय परंपरागत पाठ्यक्रमों के संचालन करने के साथ कई सामाजितक व रचनात्मक गतिविधियों का केन्द्र बन गया है। किसी भी संस्था की उपादेयता के लिए समाज के सापेक्ष बने रहना जरूरी है। यह विश्वविद्यझलय इस जिम्मेदारी को पूरी तरह समझ और निभा रहा है। इस विश्वविद्यालय से संबद्ध चिकित्सालय, आयुर्वेद, नर्सिंग, पैरामेडिकल और फॉर्मेसी संकाय के विद्यार्थियों की तरफ से गांवों में स्वास्थ्य शिविर का लगाया जाना भी इसी सामाजिक भुमिका का अंग है।

स्वावलंबन की राह दिखा रहा नए भारत का नया उत्तर प्रदेशः मुख्यमंत्री ने कहा कि नए भारत का नया उत्तर प्रदेश आज महिलाओं समेत सभी लोगों को स्वावलंबन की राह दिखा रहा है। यहां किसानों को पराली और गोबर बेचकर कमाई करने का नया विकल्प दिया जा रहा है तो गोपालन के लिए सरकारी प्रोत्साहन भी। उन्होंने कहा कि गाय पालने के लिए प्रति गाय पंद्रह सौ रूपये प्रतिमाह सरकार दे रही है। गाय पालिए, उसका दूध पीजिए और गोबर बेचकर आमदनी भी करिए।

रेडीमेड गारमेंट की दिशा में आगे बढ़ सकती हैं महिलाएंः मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रशिक्षण देकर सिलाई मशीन उपलब्ध कराने का महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद और महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय का यह कार्यक्रम महिला सशक्तिकरण के लिए काफी महत्वपूर्ण है। यह महिला स्वावलंबन से जुड़ा एक अभिनय प्रयास है। प्रशिक्षण के बाद सिलाई मशीन पर काम शुरू कर ये महिलाएं रेडिमेड गारमेंट की दिशा में आगे बढ़ सकती है। इस काम में एफपीओ और स्वयं सहायता समूह बनाकर काम करना फायदेमंद होगा। अपने रेडिमेड गारमेंट को मार्केट से लिंक कर महिलाएं प्रतिमाह आठ से दस हजार रूपये की आमदनी कर सकती है।

महिलाओं को सुरक्षा, सम्मन देकर स्वावलंबी बना रहे मोदी–योगीः रविकिशन : मुफ्त सिलाई मशीन वितरण समारोह में विशिष्ट अतिथि सांसद रविकिशन शुक्ल ने कहा कि पीएम मोदी और सीएम योगी निःस्वार्थ तपस्वी हैं। दोनों नेतृत्वकर्ताओं के महिलाओं को सुरक्षा, सम्मान देने के बाद उन्हें स्वावलंबी और आत्मनिर्भर बनोन की अनेक सौगात भी है। पीएम और सीएम बेटी के जन्म से लेकरन उसकी पढ़ाई तक की चिंता करते हैं। उन्होंने कहा कि विकसित भारत बनाने के लिए महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना अति आवश्यक है। आत्मनिर्भर

होने के लिए जरूरी है कि महिलाएं खुद की शक्ति को पहचानें क्योंकि कोई भी महिला कमजोर नहीं होती है।

विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित विधायक महेंद्रपाल सिंह ने कहा कि शिक्षा, संस्कृति और राष्ट्रीयता की विचारधारा को आगे बढ़ाने के साथ समाज को स्वावलंबी बनाने का कार्य महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद को विरासत में मिला है। उन्होंने केंद्र और प्रदेश सरकार की महिला केंद्रित योजनाओं का भी विस्तार से उल्लेख किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल वाजपेयी ने की। प्रशिक्षण कार्यक्रम की प्रस्ताविकी महायोगी गोरखनाथ चिकित्सालय बालापार के निदेशक कर्नल (डॉ.) राजेश बहल ने रखी।

आभार ज्ञापन नर्सिंग एवं पैरामेडिकल संकाय की अध्यक्ष डॉ. डी.एस. अजीथा ने तथा संचालन फार्मेसी संकाय के अध्यक्ष डॉ. शशिकांत सिंह ने किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव, उपकुलसचिव श्रीकांत, प्रशासनिक अधिष्ठाता राजेन्द्र भारती, आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एन.एस. समेत सभी शिक्षक, कर्मचारी, विद्यार्थी व प्रशिक्षाणार्थी महिलाएं उपस्थित रहीं।

प्रशिक्षण देने वाली प्रशिक्षकों को सीएम ने किया सम्मानितः कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने महिलाओं को सिलाई कढ़ाई प्रशिक्षण प्रदान करने वाली प्रशिक्षकों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। सीएम के हाथों सम्मान पाने में ज्योति भारती, निम्मी चौधरी, शुभावती शर्मा, शीला और निर्मला प्रजापति शामिल रहीं।

इन्हें मिली सीएम के हाथों सिलाई मशीन : कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के हाथों सोनबरसा की सुनीता, नंदिनी, प्रमिला, बालापार की अमीना खातून, गीता पासवान, शारदा प्रजापति तथा सिकटौर की पूजा देवी, कौशल्या देवी व काजल चौहान को सिलाई मशीन का उपहार प्राप्त करने का अवसर मिला।

एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला — कृषि संकाय

छात्राओं को प्रशिक्षित करतीं हुई डॉ. श्वेता एवं बनाए हुए पेटिंग के साथ छात्राएं

दिनांक 09 मार्च, 2024, गोरखपुर। को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अर्तगत संचालित कृषि संकाय और राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ के संयुक्त तत्वाधान में एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन 'निर्जलित पुष्प शिल्प' विषय पर किया गया।

राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान से आये वैज्ञानिक डॉ. अतुल बत्रा एवं डॉ. श्वेता ने पुष्प निर्जलीकरण की वैज्ञानिक विधि के साथ फूलों और पत्तियों के रंग, आकार, सुन्दरता के संरक्षण एवं भौतिक क्षरण से बचाने की विधि पर विस्तृत जानकारी प्रदान की। निर्जलीकृत फूलों को प्रयोग कलापूर्ण ग्रीटिंग कार्ड, वालप्लेट, लैंडस्केप डिजाइनिंग में किया जाता है। आगंतुक वैज्ञानिकों ने विद्यार्थियों को व्यक्तिगत प्रशिक्षण के तहत विश्वविद्यालय प्रांगण में पुष्प निर्जलीकरण विधि और निर्जलीकृत पुष्पों के विभिन्न उपयोग की विधा सिखलाई। डॉ. बत्रा ने कहा कि यह कार्यक्रम 'राष्ट्रीय पुष्पकृषि मिशन' के अंतर्गत महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से संचालित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम से महिलाओं को स्वरोजगार के अवसर प्राप्त होंगे। प्रशिक्षण में श्रेष्ठतम प्रदर्शन करने वाली चयनित छात्राओं को राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ में तीन दिवसीय निःशुल्क प्रशिक्षण दिया जायेगा।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर सामाजिक सरोकार की प्रतिमुर्ति है, विश्वविद्यालय द्वारा ऐसे प्रशिक्षण कार्यशालाओं के आयोजन समय–समय पर होते रहते हैं, जो यहाँ के विद्यार्थियों को स्वरोजगार के लिए प्रेरित करते हैं। निर्जलीकृत फूलों और पत्तियों से तैयार ग्रीटिंग कार्ड, वालप्लेट की बाजार में बहुत मांग है और इसमें रोजगार के अनन्त अवसर हैं।

कार्यक्रम की अध्यक्षता अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ. विमल कुमार दुबे ने किया एवं आभार सह आचार्य डॉ. संदीप श्रीवास्तव द्वारा किया गया। कार्यक्रम में कृषि संकाय के सह आचार्य डॉ. कुलदीप सिंह, डॉ. आयुष कुमार पाठक, डॉ. प्रवीन कुमार सिंह, डॉ. शास्वती प्रेमकुमारी, सुश्री प्रीति (एनबीआरआई), स्नातक कृषि विज्ञान के प्रथम व द्वितीय वर्ष के समस्त छात्र एवं कौशल विकास केंद्र की छात्राएं भी उपस्थित रहीं।

वृहद स्वास्थ्य मेला

मरीजों का रजिस्ट्रेशन करतीं हुई नर्सेस।

दिनांक 10 मार्च, 2024, गोरखपुर। को गुरु गोरखनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ़ मेडिकल साइंसेज ने बैजनाथपुर में बृहद स्वास्थ्य परीक्षण मेले का आयोजन किया, मेले का उद्घाटन बैजनाथपुर के प्रधान राम सूरत यादव कहा कि हम लोग भाग्यशाली हैं कि हमे इतने अच्छे हॉस्पिटल की सुविधा फ्री में मिल रही जिसका हमें फायदा लेना चाहिए।

गुरु गोरखनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ़ मेडिकल साइंसेज के निदेशक कर्नल डॉक्टर राजेश राजेश बहल ने ने कहा कि इस चिकित्सालय का उद्देश्य आम जनता को उत्तम स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है इस स्वास्थ्य कैंप में मरीज को निःशुल्क दवाओं के साथ जांच की जाती है।

आज आयोजित कैंप में कल 463 मरीजों की जांच हुई जिसमें 14 मोतियाबिंद के मरीज चिन्हित हुए आज कैंप में उपस्थित डॉक्टरों में सर्जन राकेश सिंह, सर्जन राजीव शाही नेत्र सर्जन, डॉ. रेणु गुप्ता, डॉ. मनोज गुप्ता, डॉ. ओ. पी. सिंह आर्थो सर्जन, डॉ. प्रदीप हरिवंश यादव, डॉ. पवन ने विशेष योगदान दिया

प्रबंधक गिरिजेश मिश्रा ने कैंप में सहयोग के लिये वंशराज कालेज के प्रबंधक मंडल नर्सिंग कॉलेज की छात्राएं चिकित्सालय के सभी स्टाफ एवं उपस्थित सभी डॉक्टरों एवं मरीज का आभार व्यक्त किया।

गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस

विश्व किडनी दिवस

दिनांक 14 मार्च, 2024, गोरखपुर। को महंत अवेद्यनाथ पैरामेडिकल कॉलेज में विश्व किडनी दिवस मनाया गया। इस अवसर पर बच्चो ने किडनी व डायलिसिस से संबंधित यूरिनरी सिस्टम, नेफ्रॉन, मिक्चरेशन CKD 5D पीरिटोनियल डायलिसिस, हेमोडायलिसिस, डायलिजर, आर. ओ. प्लांट व डायलिसिस मरीजों के लिए न्यूट्रिशन के कार्यरत मॉडल का प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम का उद्घाटन विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल बाजपेई जी के कर कमलों द्वारा हुआ।

इस कार्यक्रम में डायलिसिस के इन्चार्ज श्री संजीव जी ने बताया कि किडनी का कार्य शरीर में मौजूद अपशिष्ट पदार्थों को शरीर से बाहर निकालना होता है। इन अपशिष्ट पदार्थों की मौजूदगी शरीर के कई बिमारियों को जन्म दे सकती है। यही बात लोगों तक पहुंचाने के मकसद से 'विश्व किडनी दिवस' की शुरूआत की गई। पेट के पीछे पसलियों के नीचे दाये व बाये साइड में हमारी किडनियां स्थित रहती है जो देखने में बिल्कुल राजमे की तरह होती है। यह हमारे शरीर में ब्लड को फील्टर करने का काम करती है। किडनी के प्रति जागरूकता को बढ़ाने के उद्देश्य से वर्ष 2006 में मार्च माह के दूसरे बृहस्पतिवार को 'विश्व किडनी दिवस' मनाने की शुरूआत की गई जिसके बाद से वर्ष 2006 में 66 देशों में एक साथ 'विश्व किडनी दिवस' को मनाया जाता था।

दो साल के भीतर ही 66 देशों की संख्या बढ़कर 88 हो गयी। 'विश्व किडनी दिवस' इन्टरनेशनल सोसाइटी आफ नेफ्रोलोजी और इन्टरनेशनल फेडरेशन ऑफ किडनी फाउण्डेशन की एक संयुक्त पहल है।

एक रिसर्च और रिपोर्ट के अनुसार दुनिया भर में 10 में से 1 व्यक्ति कुछ हद तक क्रोनिक किडनी रोग से पीड़ित है। किडनी की बिमारी मुख्य रूप से लम्बे समय तक मधुमेह और अनियंत्रित उच्च रक्तचाप; जिसका लम्बे समय तक इलाज न किया गया हो। साथ ही साथ हर साल एक थीम के साथ दुनिया भर में मनाया जाता है। इस साल का थीम है। 'सभी के लिए किडनी स्वस्थ्यः देखभाल और इष्टतम दवाए अभ्यास तक समान पहुंचाने को बढ़ावा देना।'

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता एकेडमिक डॉक्टर राजेंद्र भारती जी, डिप्टी रजिस्ट्रार श्री श्रीकांत जी, पैरामेडिकल कॉलेज के प्राचार्य श्री रोहित कुमार श्रीवास्तव जी, फार्मेसी कॉलेज के प्राचार्य श्री शशिकांत जी, डॉ. संदीप श्रीवास्तव जी मौजूद रहें।

इस कार्यक्रम को सफल बनाने में पैरामेडिकल कॉलेज के शिक्षक अभिनव, शुभम, संदीप, अनूप, सोनू, आकाश, कुलदीप, बृजेश व कॉलेज के समस्त विद्यार्थियों का योगदान रहा।

महंत अवेद्यनाथ पैरामेडिकल कॉलेज

विद्यार्थियों द्वारा बनाए गए प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए गणमान्य

मास हेल्थ एजुकेशन : कार्यक्रम

गुरु श्री गोरखनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग

विद्यार्थियों को मास हेल्थ एजुकेशन के प्रति जागरूक करतीं छात्राएं

दिनांक 16 मार्च, 2024, गोरखपुर। को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अंतर्गत संचालित गुरु श्री गोरखनाथ कॉलेज ऑफ़ नर्सिंग में अध्ययनरत ए.एन.एम. द्वितीय वर्ष की 60 छात्राओं द्वारा नारायनपुर के ग्रामवासियों के लिए मास हेल्थ एजुकेशन का कार्यक्रम आयोजित किया गया ।

कार्यक्रम की शुरुआत मांस हेल्थ एजुकेशन के विषय पर्यावरणीय स्वच्छता, हाथों की सफाई, मौसम में बदलाव, मासिक चक्र, व्यक्तिगत स्वच्छता, कृमि संक्रमण के परिचय से शुरू की गई । जिसका मुख्य उद्देश्य लोगो को जागरूक करना तथा उन्हें खुद की स्वच्छता एव पर्यावरण की स्वच्छता और कृमि संकमण से निपटान करना था।

छात्राओं के विभिन्न तरह के पोस्टर एवं मध्यम एवं स्वराचित कविता के माध्यम से ग्रामवासियो को कृमि संक्रमण, पर्यावरीय स्वच्छता को बनाए रखने तथा विभिन्न तरीकों द्वारा तथा मासिक चक्र के बारे में भी जानकारी दी गई। मास हेल्थ एजुकेशन के अंतर्गत चार्ट पेपर एवं अलग.अलग ए. वी. एड्स के द्वारा हेल्थ एजुकेशन दिया गया। जिसमें विभिन्न प्रकार के विषय जैसे के बारे में बताया। कार्यक्रम के अंत में छात्रों द्वारा शिक्षकों को जलपान दिया गया।

टीकाकरण जागरूकता अभियान

गुरु श्री गोरखनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग

दिनांक 16 मार्च, 2024, गोरखपुर। को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अंतर्गत संचालित गुरु श्री गोरखनाथ कॉलेज ऑफ़ नर्सिंग में अध्ययनरत ए.एन.एम. द्वितीय वर्ष की 10 छात्राओं द्वारा सामुदायिक केंद्र चरगांवा, गोरखपुर पर टीकाकरण पर एजुकेशन का कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत में टीकाकरण से संबंधित जानकारियां प्राप्त कराई गईं। जिसमें टीकाकरण के फायदे के बारे में बताया गया, जिससे भविष्य में होने वाली बीमारी से खुद को बचाया जा सकता है । जिसका मुख्य उद्देश्य लोगों को टीकाकरण के बारे में जागरूक करना था। छात्राओं ने विभिन्न तरह के पोस्टर एवं स्वराचित कविता के माध्यम से गांववासियो को टीकाकरण के बारे में भी जानकारी दी गई इसके साथ–साथ ग्रामवासियों को टीकाकरण के बारे में जागरूक किया गया।

टीकाकरण के बारे में जागरूक करती नर्सिंग की छात्रा

क्षयरोग दिवस : जागरूकता अभियान

गुरु श्री गोरखनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग

दिनांक 23 मार्च, 2024 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अंतर्गत संचालित गुरु श्री गोरखनाथ कॉलेज ऑफ़ नर्सिंग में ए.एन.एम. द्वितीय वर्ष की लगभग 50 छात्राओं द्वारा नारायनपुर गांव के ग्रामवासियों के लिए क्षयरोग दिवस के बारे में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया।

कार्यक्रम की शुरुआत (क्षयरोग) के परिचय से शुरू की गई। जिसका मुख्य उद्देश्य लोगो को जागरूक करना तथा उन्हें क्षयरोग से निपटान करना था । छात्राओं ने विभिन्न तरह के पोस्टर, फ्लैश कार्ड एवं रोलप्ले से गांववासियो को जानकारी दी गई।

क्षयरोग से निपटान के लिए चार्ट पेपर एवं अलग–अलग ए.वी. एड्स के द्वारा हेल्थ एजुकेशन दिया गया। जिसमें कार्यकम अधिकारी सुश्री नैंसी मिश्रा, अक्षय एडवर्ड के दिशा–निर्देश में संचालित किया गया ।

क्षयरोग पर जागरूक करती नर्सिंग कॉलेज की छात्रा

संयुक्त प्रवेश परीक्षा

दिनांक 30 मार्च, 2024 | शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के महायोगी गुरु गोरखनाथ विश्वविद्यालय आरोग्यधाम बालापार, सोनबरसा गोरखपुर में 1 अप्रैल से संचालित सभी पाठ्यक्रम में प्रवेश की प्रक्रिया प्रारंभ की जाएगी।

यह जानकारी महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के प्रवेश समिति के समन्वयक प्रो. सुनील कुमार सिंह ने दिया। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में संचालित विविध विषयों की जानकारी देते हुए प्रो. सुनील कुमार सिंह ने कहा कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय चिकित्सा एवं शिक्षा के क्षेत्र में पूर्वांचल का विशिष्ठ संस्थान है। जहां अप्रैल माह से प्रवेश संबंधित प्रक्रिया प्रारंभ कर दिया जायेगा। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में विविध पाठ्यक्रम संचालित किया जा रहा है। जिसमें प्रमुख रूप से संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय से बीएससी (ऑनर्स, शोध) बॉयोटेक्नोलॉजी, बॉयोकेमिस्ट्री, माइक्रोबॉयोलॉजी, मेडिकल बॉयोकेमिस्ट्री, मेडिकल माइक्रोबॉयोलॉजी के साथ एमएससी में बॉयोटेक्नोलॉजी, मेडिकल बॉयोकेमिस्ट्री, मेडिकल माइक्रोबॉयोलॉजी, बॉयोकेमिस्ट्री, माइक्रोबॉयोलॉजी के कोर्स संचालित किया जा रहा है। जैविक और समृद्ध खेती के लिए कृषि विभाग द्वारा नवाचार किया जा रहा है। कृषि विभाग में चार वर्षीय बीएससी ऑनर्स, फार्मास्यूटिकल विज्ञान संकाय से डी फार्मा, बी फार्मा, बी फार्मा लेटरल प्रवेश किया जा रहा है। नर्सिंग एंड पैरामेडिकल विभाग द्वारा नर्सिंग के क्षेत्र में एएनएम, जीएनएम, बेसिक बीएससी नर्सिंग, पोस्ट बेसिक बीएससी नर्सिंग और एमएससी नर्सिंग के विषय संचालित किया जा रहा है।

पैरामेडिकल विभाग में लैब टेक्नीशियन में डिप्लोमा, ऑप्टोमेट्री, एनेस्थीसिया एवं क्रिटिकल केयर टेक्नीशियन, ऑर्थोपेडिक एंड प्लास्टर टेक्नीशियन, इमरजेंसी एंड ट्रामाकेयर टेक्नीशियन और डिप्लोमा इन डायलिसिस टेक्नीशियन आदि विषयों में कॉमन एंट्रेंस टेस्ट (सेट) के द्वारा प्रवेश लिया जायेगा। विषय एवं प्रवेश प्रक्रिया संबंधित जानकारी विश्वविद्यालय की वेबसाइट्स ीिजजचेरू ध्ध्उहनहण्बण्पद पर ऑनलाइन उपलब्ध है या कउपेपवदे /उहनहण्बण्पद पर भी जानकारी ले सकते है साथ ही प्रवेश लेने वाली अभ्यर्थी को प्रवेश संबंधित कोई असुविधा न हो इसके लिए हेल्पलाइन नंबर 9559991801 पर भी कार्यदिवस पर संपर्क किया जा सकता है।

छात्र संसद कार्यशाला

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

छात्र संसद कार्यशाला में विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के माननीय कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव

दिनांक 31 मार्च, 2024 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में 'छात्र संसद कार्यशाला' का आयोजन किया गया। इस विश्वविद्यालय की परिकल्पना एक ऐसी व्यवस्था को जन्म देना है जो स्वचालित हो जिसमें विद्यार्थी, शिक्षक कर्मचारी एवं अधिकारी स्वतः संज्ञान लेते हुए एक ऐसे विश्वविद्यालय का निर्माण करें जो लोकार्थ की भावना से ओत–प्रोत होते हुए औरों के लिए अनुकरणीय हो। इस उद्देश्य की प्राप्ति और विद्यार्थियों में स्वालम्बन की भावना को जागृत करना इस कार्यशाला का मुख्य ध्येय था। जिसमें विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने छात्र पदाधिकारियों एवं प्रतिनिधियों के साथ संवाद स्थापित करते हुए छात्र संसद का स्वरुप और कार्य छात्र संसद की कार्य पद्धति एवं प्रतिनिधियों की भूमिका व हम–हमारा विश्वविद्यालय एवं छात्र संसद जैसे विषयों पर विस्तृत चर्चा की। डॉ. राव ने सामूहिकता एवं पारस्परिकता को छात्र संसद कार्यप्रणाली की धूरी बताया और छात्र प्रतिनिधियों में मानवीय मूल्यों के संवर्धन के साथ–साथ विश्वविद्यालय, समाज और राष्ट्रहित में उनकी उपयोगिता को रेखांकित किया। इस कार्यशाला में छात्र संसद के पदाधिकारियों के साथ कक्षा प्रतिनिधियों ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया। कार्यशाला के समन्वयक डॉ. विमल कुमार दूबे ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

मार्च माह के प्रमुख आयोजन

राष्ट्रीय सेवा योजना

11-17 मार्च, 2024	भारत सरकार क्षेत्रीय निदेशालय, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय युवा कार्यक्रम विभाग, राष्ट्रीय सेवा योजना उत्तर प्रदेश एवं उत्तराखण्ड, लखनऊ द्वारा आयोजित राष्ट्रीय एकीकरण शिविर, चौधरी चरण सिंह पी.जी. कॉलेज हैरवाँ, इटावा, उत्तर प्रदेश में आयोजित शिविर में स्वयंसेवक भानू मिश्रा एवं स्वयंसेविका निधि गुप्ता द्वारा प्रतिभाग किया गया।
06-12 मार्च, 2024	श्री गुरू गोरक्षनाथ मंदिर द्वारा स्थापित महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के सहयोग से महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा 221 ग्रामीण महिलाओं को निःशुल्क सिलाई एवं कढ़ाई का प्रशिक्षण दिया गया
08 मार्च, 2024	महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा 221 ग्रामीण महिलाओं को निःशुल्क सिलाई मशीन का वितरण विश्वविद्यालय के कुलाधिपति एवं माननीय मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश श्री योगी आदित्यनाथ जी महाराज ने किया।
17-23 मार्च, 2024	राष्ट्रीय सेवा योजना सत्र–2023–24 का सप्तदिवसीय विशेष शिविर (दिन–रात) का आयोजन किया गया जिसमें कुल सात इकाईयों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

मार्च माह की मुख्य बैठकें

01 मार्च, 2024	प्रो. राजेन्द्र भारती, अधिष्ठाता प्रशासन की अध्यक्षता में कार्यालय में रजिस्टर के पृष्ठों की नम्बरिंग कर प्रमाणित कराना, पत्रावलियों के संचालन, कार्यालय में समस्त पत्र/पत्रावलियों की रजिस्टर में प्रविष्टि, समस्त सम्बन्धितों से अपेक्षा की गई कि उपरोक्त का अनुपालन से सम्बन्धित बैठक सम्पन्न हुई।
01 मार्च, 2024	माननीय कुलपति जी की अध्यक्षता में माननीय मुख्यमंत्री जी के कर कमलों से ई–टेलबेट/स्मार्ट फोन प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को समयानुसार उपस्थिति, अनुशासन व वितरण जिम्मेदारी सम्बन्धित दायित्व, छात्रावासीय विद्यार्थियों को कार्यक्रम स्थल तक ले जाने हेतु विश्वविद्यालय की बसों का व्यवस्था आदि विषयों पर बैठक हुई।
01 मार्च, 2024	श्रीमती प्रज्ञा पाण्डेय जी की अध्यक्षता में मिशन स्वावलम्बी समिति की बैठक आयोजित की गई जिसमें सभी छात्राओं को मेस में ही भोजन करना अनिवार्य है, यदि किसी छात्रा के कक्ष में भोजन थाली पाए जाने पर दण्ड लगाना, मेस संचालक से भोजन दो स्थानों पर स्टॉल लगाकर भोजन की व्यवस्था करना निर्धारित किया गया।
02 मार्च, 2024	माननीय कुलपति जी की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में कार्यक्रम स्थल पर उपस्थित विद्यार्थियों को उनके ई–टेबलेट व स्मार्ट फोन वितरित किए जायें तथा जो विद्यार्थी किन्ही कारणों से नहीं पहुँच पाएंगे, उनके ई–टेबलेट व स्मार्ट फोन वापस लाया जाए। जो विद्यार्थी विश्वविद्यालय में अध्ययनरत नहीं है और उनके ई–टेबलेट व स्मार्ट फोन जिला प्रशासन को वापस कर दिये जायें, कार्यक्रम स्थल तक ई–टेबलेट व स्मार्ट फोन ले जाने की जिम्मेदारी चिकित्सालय प्रबन्धक को सौंपी गई, सभी सम्बन्धितों को निर्देशित किया गया कि ई–टेबलेट व स्मार्ट फोन देते समय उनका फोटो अवश्य खिंच कर अनुरक्षित किया जाना निर्धारित किया गया।
05 मार्च, 2024	माननीय कुलपति जी की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद गोरखपुर के आर्थिक सहयोग से अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर दिनांक 08/03/2024 को नारी स्वावलम्बन अभियान के तहत प्रदेश के यशस्वी माननीय मुख्यमंत्री पूज्य श्री योगी आदित्यनाथ जी महाराज के कर कमलों से सिलाई मशीन का वितरण किये जाने की सूचना दी गई, गुरु श्री गोरक्षनाथ कालेज ऑफ नर्सिंग के प्रार्थना सभा स्थल को कार्यक्रम स्थल निर्धारित किया गया, दिनांक 07/03/2024 की सायंकाल तक मंच निर्माण आदि का कार्य सम्पन्न करा लिया जाना सुनिश्चित किया गया।
06 मार्च, 2024	माननीय कुलपति जी की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई जिसमें कार्यक्रम में प्रतिभाग करने वाले प्रतिभागियों (1100) को जलपान आदि के व्यवस्था की जिम्मेदारी श्रीमती ममता को सौंपी गई, बिजली, पानी व स्व्च्छता की समुचित व्यवस्था के लिए सुश्री श्वेता अलवर्ट को जिम्मेदारी सौंपी गई, अतिथि विभाग द्वारा श्रीमती ममता जी को जलपान आदि की व्यवस्था में सहयोग किया जायेगा, सांस्कृति कायक्रम कराये जाने की जिम्मेदारी श्री अभिनव सिंह राठौर को सौंपी गई, मुख्य द्वार व नर्सिंग कालेज प्रवेश द्वार के सजावट व परिसर की स्वच्छता की जिम्मेदारी समन्वयक राष्ट्रीय सेवा योजना को सौंपी गई।
15 मार्च, 2024	माननीय कुलपति जी की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में जिसमें श्री विकास श्रीवास्तव, जीसी कंसल्टेंसी सर्विसेस, गोरखपुर की ओर से नैक मूल्यांकन के सम्बन्ध में प्रस्तुतिकरण दिया गया, प्रो. सुनील कुमार, समन्वयक द्वारा विश्वविद्यालय स्तर पर अब तक की कार्यवाहियों विवरण दिया गया, श्री आशुतोष कुमार श्रीवास्तव, निदेशक, जीसी कंसल्टेंसी सर्विसेस, गोरखपुर द्वारा नैक के बारे में जानकारी तथा जीओ टैग के साथ आडिट प्रारम्भ करने का सुझाव, विश्वविद्यालय पाठ्यक्रमों में लिए गए प्रवेश के अनुपात से अवगत कराना, चिकित्सालय का इनवायरन्मेंटल क्लीयरेंस प्राप्त किए जाने की कार्यवाही करना शामिल रहा।

मार्च माह की मुख्य बैठकें

20 मार्च, 2024	माननीय कुलपति जी की अध्यक्षता में नर्सिंग एवं पैरामेडिकल संकाय के गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग के शैक्षणिक पदों पर नियुक्ति हेतु चयन समिति की बैठक सम्पन्न हुई।
20 मार्च, 2024	माननीय कुलपति जी की अध्यक्षता में सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के शैक्षणिक पदों पर नियुक्ति हेतु चयन समिति की बैठक सम्पन्न हुई।
23 मार्च, 2024	माननीय कुलपति जी की अध्यक्षता में वित्त समिति की बैठक सम्पन्न हुई।
30 मार्च, 2024	माननीय कुलपति जी की अध्यक्षता में विश्वविद्यालय के विद्या परिशद की बैठक सम्पन्न हुई।
21 मार्च, 2024	माननीय कुलपति जी की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में प्रशासनिक भवन में एक्सेस देना एवं मेन डीबीआर चिकित्सालय में रखा जाना, प्रत्येक तल पर अनापेक्षित कार्य डेमी करके कैमरा रिकार्डिंग चेक करना, श्री कमल नयन श्रीवास्तव से अपेक्षा की गयी कि फेसबुक पर संस्था के 150 लोगों को फ्रेंड रिक्वेस्ट भेजना एवं व्यक्तिगत रुप से अनुस्मरण कराना, समस्त कर्मचारियों को व्हाट्सअप, फेसबुक व इंस्टाग्राम पर जुड़ने का अनुरोध, योजना बनाकर एक्टिव लोगों को फेसबुक पर जोडा जाना, श्री कमल नयन श्रीवास्तव से अपेक्षा की गई कि 31 मार्च, 2024 तक शत–प्रतिशत कर्मचारियों को सोसल मिडिया पर जोड दिया जाना सुनिश्चित किया गया।
21 मार्च, 2024	माननीय कुलपति जी की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई जिसमें संकाय की फैकल्टी को उत्तर प्रदेश स्टेट मेडिकल फैकल्टी में प्रशिक्षण कराया जाएगा, उपलब्धियों का प्रचार–प्रसार की दृष्टि से प्रकाशन कराया जाना, अगले 6 से 7 माह के अन्दर Lesion Plan तैयार किया जाना जिससे शिक्षक द्वारा पढ़ाए जाने वाले क्लास की समय एवं विषय की जानकारी विद्यार्थी को पहले से ही होना, इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय जनजातिय विश्वविद्यालय, अमरकंटक, लुम्बिनी बौद्ध विश्वविद्यालय, लम्बिनी, नेपाल, एनबीआरआई, के.जी.एम.यू., एस.जी.पी. जी.आई., नरेन्द्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कुमारगंज, अयोध्या से एम.ओ.यू. की कार्यवाही किया जाना सुनिश्चित किया गया।

अप्रैल, 2024 की प्रस्तावित कार्ययोजनाएं

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

07 अप्रैल, 2024	विश्वविद्यालय के कार्यपरिषद की 10वीं बैठक का आयोजन
01–30 अप्रैल, 2024	विश्वविद्यालय के समस्त पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु आनलाईन आवेदन पत्र भरा जाना सुनिश्चित

विभागीय आयोजन

गुरू गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस

08–12 अप्रैल, 2024	पीए–8 (सुश्रुत बैच)
15–20 अप्रैल, 2024	आवधिक प्रथम, लिखित परीक्षा (वाग्भट्ट बैच)
22–26 अप्रैल, 2024	आवधिक प्रथम, प्रायोगिक परीक्षा (वाग्भट्ट बैच)

सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय

22–27 अप्रैल, 2024	आन्तरिक परीक्षा (तृतीय)
20 अप्रैल, 2024	अतिथि व्याख्यान

कृषि संकाय

06 अप्रैल, 2024	अभिनंदन समारोह
13 अप्रैल, 2024	शैक्षणिक भ्रमण क्षेत्रीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान संस्थान
23 अप्रैल, 2024	अतिथि व्याख्यान हाईटेक नर्सरी
26 अप्रैल, 2024	द्वितीय आंतरिक परीक्षा

महंत अवेद्यनाथ पैरामेडिकल कॉलेज

01 से 30 अप्रैल, 2024	उन्नति फाउंडेशन द्वारा एक्स्ट्रा एक्टिविटीज प्रोग्राम
02 से 30 अप्रैल, 2024	मतदाता जागरूकता अभियान के तहत होने वाले कार्यक्रम में सहभागिता

अप्रैल, 2024 की प्रस्तावित कार्ययोजनाएं

फॉर्मेसी संकाय

20 अप्रैल, 2024	पीएचडी स्कॉलर्स द्वारा पावर प्वाइंट प्रस्तुति
22 अप्रैल, 2024	अतिथि व्याख्यान
25 से 27 अप्रैल, 2024	बी.फार्म द्वितीय सेमेस्टर की परीक्षा

गुरू श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग

25 अप्रैल, 2024	विश्व मलेरिया दिवस

राष्ट्रीय सेवा योजना

09 अप्रैल, 2024	एक दिवसीय कार्यशाला (स्वच्छता एवं मतदाता जागरूकता)

राष्ट्रीय कैडेट कोर

02 अप्रैल, 2024	मतदाता जागरूकता दिवस : स्लोगन प्रतियोगिता
05 अप्रैल, 2024	मतदाता जागरूकता दिवस : मेंहदी प्रतियोगिता
10 अप्रैल, 2024	मतदाता जागरूकता दिवस : रंगोली प्रतियोगिता
15 अप्रैल, 2024	मतदाता जागरूकता दिवस : भाषण प्रतियोगिता
16 अप्रैल, 2024	मतदाता जागरूकता दिवस : निबंध प्रतियोगिता
19 अप्रैल, 2024	मतदाता जागरूकता दिवस : नुक्कड़ नाटक
22 अप्रैल, 2024	मतदाता जागरूकता दिवस : शार्ट वीडियो रील प्रतियोगिता
24 अप्रैल, 2024	मतदाता जागरूकता दिवस : मानव श्रृंखला निर्माण
30 अप्रैल, 2024	मतदाता जागरूकता दिवस : मतदाता जागरूकता दिवस
29 अप्रैल, 2024	अंतराष्ट्रीय नृत्य दिवस
31 अप्रैल, 2024	विश्व तंबाकू निषेध दिवस

समाचार दर्पण

राम, बुद्ध और गोरखनाथ भारत-नेपाल एकता के मूल सूत्र : कंडेल

भास्कर ब्यूरो

गोरखपुर। भारत और नेपाल की एकता का मूल आधार दोनों देशों की साझा अध्यात्म-संस्कृति है। मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम, महात्मा बुद्ध और शिवावतार महायोगी गुरु गोरखनाथ भारत-नेपाल एकता के अक्षुण्ण मूल सूत्र हैं।

यह कहना है नेपाल के पूर्व गृह राज्यमंत्री देवेंद्र राज कंडेल का। श्री कंडेल शुक्रवार को महाराणा प्रताप महाविद्यालय जंगल धूसड़ में आयोजित 'भारत-नेपाल सांस्कृतिक अंतर्संबंधों की विकास यात्रा : अतीत से वर्तमान तक' विषयक तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सेमिनार के उद्घाटन सत्र को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय और महाराणा प्रताप महाविद्यालय जंगल धूसड़ के संयुक्त तत्वावधान में हो रहे इस सेमिनार में श्री कंडेल ने कहा कि हमें अपनी संस्कृति और धर्म के लिए राजनीति छोड़ने भी पड़े तो छोड़ देना चाहिए। 500 वर्षों के लंबे इंतजार के

- भारत-नेपाल के सांस्कृतिक अंतर्संबंधों पर तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सेमिनार का शुभारंभ

बाद श्रीरामलला की जन्मभूमि अयोध्या में बने भव्य मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा हुई तो उसे नेपाल में भी पर्व के रूप में मनाया गया।

उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता करते हुए लुम्बिनी बौद्ध विश्वविद्यालय, लुम्बिनी, नेपाल के कुलपति प्रो. सुबरन लाल बज्राचार्य ने कहा कि भारत और नेपाल, दोनों देशों में अन्योन्याश्रित संबंध हैं। दोनों के सह अस्तित्व से यह संबंध ऊंचाई को प्राप्त करते हैं। इस पारस्परिक संबंध का आधार हिंदुत्व है।

सारस्वत अतिथि के रूप में उपस्थित मध्य पश्चिम विश्वविद्यालय, सुर्खेत, नेपाल के उप कुलपति प्रो. नंद बहादुर सिंह ने कहा कि भारत और नेपाल का डीएनए एक है इसलिए दोनों के आपसी संबंध प्रगाढ़ हैं। दोनों देशों का मूल एक है। हमारे चार प्रमुख स्रोत हैं। धर्म, संस्कृति, भाषा व सभ्यता जो दोनों देशों में एक समान है। उन्होंने कहा कि बड़े भाई के रूप में नेपाल की रक्षा करना भारत का भी कर्तव्य है।

उद्घाटन सत्र के विशिष्ट अतिथि वाल्मीकि विद्यापीठ, काठमांडू, नेपाल के प्राचार्य प्रो. भागवत ढकाल ने कहा कि हमारे संकल्प में भी भारत का जिक्र है। राम त्रेता युग के थे, वाल्मीकि भी त्रेता युग के हैं। नेपाल के लोग वाल्मीकि की जन्मस्थली नेपाल ही मानते हैं। अगर हम वेदों की बात करें तो चारों वेदों का निष्कर्ष दोनों देशों को एक ही बताते हैं। बुद्ध की जो ख्याति हुई वह नेपाल में हुई।

कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। अतिथियों ने भारत नेपाल के अंतर्संबंधों पर आधारित स्मारिका का विमोचन भी किया। इस अवसर पर आयोजन के संयोजकद्वय डॉ. पवन सिंह और डॉ. सुबोध कुमार मिश्र, प्रो. कीर्ति पांडेय, डॉ. सुधाकर लाल श्रीवास्तव, डॉ. रामवन्त गुप्ता, डॉ. अमित उपाध्याय, डॉ. हर्षवर्धन, डॉ. उग्रसेन सिंह, डॉ. शैलेंद्र उपाध्याय, डॉ. नीरज सिंह, डॉ नीलांबुज, नेपाल से आए विद्वतजन प्रो. नरेंद्र कुमार श्रेष्ठ, डॉ. सागर न्यौपने, भीम पराजुली, प्रो. सुधन कुमार पौडेल, प्रो. राजराम सुवेदी, श्रीकृष्ण अनिरुद्ध गौतम, प्रो. सुबोध शुक्ला, नारायण प्रसाद ढकाल, राजन कार्की, बाजिरा, बाल बहादुर पांडेय, डॉ. शिवकांत दुबे, कृष्ण हुमगाई, सुभेन्द्र यादव व विनय मिश्र समेत दोनों देशों के प्रतिभागी और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

राम, बुद्ध और गोरखनाथ भारत-नेपाल एकता के मूल सूत्र : कंडेल

निष्पक्ष प्रतिदिन | गोरखपुर

भारत और नेपाल की एकता का मूल आधार दोनों देशों की साझा अध्यात्म-संस्कृति है। मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम, महात्मा बुद्ध और शिवावतार महायोगी गुरु गोरखनाथ भारत-नेपाल एकता के अक्षुण्ण मूल सूत्र हैं। यह कहना है नेपाल के पूर्व गृह राज्यमंत्री देवेंद्र राज कंडेल का।

श्री कंडेल शुक्रवार को महाराणा प्रताप महाविद्यालय जंगल धूसड़ में आयोजित 'भारत-नेपाल सांस्कृतिक अंतर्संबंधों की विकास यात्रा : अतीत से वर्तमान तक' विषयक तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सेमिनार के उद्घाटन सत्र को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय और महाराणा प्रताप महाविद्यालय जंगल धूसड़ के संयुक्त तत्वावधान में हो रहे इस सेमिनार में श्री कंडेल ने कहा कि हमें अपनी संस्कृति और धर्म के लिए राजनीति छोड़ने भी पड़े तो छोड़ देना चाहिए। 500 वर्षों के लंबे इंतजार के बाद श्रीरामलला की जन्मभूमि अयोध्या में बने भव्य मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा हुई तो उसे नेपाल

- भारत-नेपाल के सांस्कृतिक अंतर्संबंधों पर तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सेमिनार का शुभारंभ

में भी पर्व के रूप में मनाया गया। भगवान श्रीराम व माता सीता के चलते भारत नेपाल के आवागमन की परंपरा आज तक चली आ रही है। आज भी बिना पासपोर्ट और वीजा के लोग भारत और नेपाल की सीमाओं को पार करते हैं। यह हमारे आपसी मजबूत संबंधों को दर्शाता है। उन्होंने नेपाल पर गुरु गोरखनाथ के प्रभाव की चर्चा करते हुए बताया कि नाथ संप्रदाय के नेपाल में कई जगह-जगह भव्य मंदिर हैं। उन्होंने सांस्कृतिक अंतर्संबंधों की और मजबूती के लिए दोनों देशों के शासन-प्रशासन को व्यावहारिक विचारों को अपनाने पर जोर दिया। साथ ही कहा कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से हम लोगों की वार्ता हुई है, जल्द ही गोरखपुर से नेपाल के लिए भी पर्यटक बसें चलाई जाएंगी। उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता करते हुए लुम्बिनी बौद्ध विश्वविद्यालय, लुम्बिनी, नेपाल के कुलपति प्रो. सुबरन लाल बज्राचार्य ने कहा कि भारत और नेपाल, दोनों देशों में अन्योन्याश्रित संबंध हैं। दोनों के सह अस्तित्व से यह संबंध ऊंचाई को प्राप्त करते हैं। इस पारस्परिक संबंध का आधार हिंदुत्व है। हिंदुत्व का सम्मान करने व हिंदुत्व को बढ़ावा देने से निश्चित रूप में नेपाल और भारत के संबंधों में घनिष्ठता और मधुरता आएगी। सांस्कृतिक आयाम ही हमारे लिए सबसे शक्तिशाली हथियार है। उन्होंने कहा कि भारत-नेपाल के बीच खुली सीमा हमारे मजबूत संबंधों को दर्शाती है। भारत और नेपाल में कई जातीय समूह भी शामिल हैं। भारत-नेपाल संबंध में तभी घनिष्ठता आ सकती है जब हम धर्म संप्रदाय को ध्यान में रखते हुए हिंदुत्व को बढ़ावा दें। राजनीतिक कारणों से एक दूसरे के लिए उग्र होना बंद करना होगा। ऐसे में कुछ देश जो इन परिस्थितियों का फायदा उठाते हैं उन्हें यह अवसर नहीं मिल सकेगा। सारस्वत अतिथि के रूप में उपस्थित मध्य पश्चिम विश्वविद्यालय, सुर्खेत, नेपाल के उप कुलपति प्रो. नंद बहादुर सिंह ने कहा कि भारत और नेपाल का डीएनए एक है इसलिए दोनों के आपसी संबंध प्रगाढ़ हैं। दोनों देशों का मूल एक है। हमारे चार प्रमुख स्रोत हैं।

महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़ में सांस्कृतिक अंतर्संबंधों पर तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सेमिनार का हुआ शुभारंभ

राम, बुद्ध व गोरखनाथ भारत-नेपाल एकता के सूत्र

स्मारिका का विमोचन करते देवेंद्र राज कंडेल, प्रो. सुबरन लाल बज्राचार्य व अन्य।

एमपीपीजी कॉलेज, जंगल धूसड़ में अंतरराष्ट्रीय सेमिनार में मौजूद अतिथि व छात्र-छात्राएं।

हमारे संकल्प में भी भारत का जिक्र : प्रो. ढकाल

श्रीराम, बुद्ध और गोरखनाथ भारत-नेपाल एकता के मूल सूत्र : कंडेल

एमपीपीजी कॉलेज में भारत-नेपाल के सांस्कृतिक अंतरसंबंधों पर तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सेमिनार का शुभारंभ

अमर उजाला ब्यूरो

तकनीकी सत्रों में हुई भारत-नेपाल की साझी विरासत और संस्कृति पर चर्चा

राम, बुद्ध और गोरखनाथ भारत-नेपाल एकता के मूल सूत्र: कंडेल

भारत-नेपाल के सांस्कृतिक अंतर्संबंधों पर तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सेमिनार का शुभारंभ

स्वतंत्र भारत संवाददाता

गोरखपुर। भारत और नेपाल की एकता का मूल आधार दोनों देशों की साझा अध्यात्म-संस्कृति है। मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम, महात्मा बुद्ध और शिवावतार महायोगी गुरु गोरखनाथ भारत-नेपाल एकता के अक्षुण्ण मूल सूत्र हैं।

यह कहना है नेपाल के पूर्व गृह राज्यमंत्री देवेंद्र राज कंडेल का। श्री कंडेल शुक्रवार को महाराणा प्रताप महाविद्यालय जंगल धूसड़ में आयोजित भारत-नेपाल सांस्कृतिक अंतर्संबंधों की विकास यात्रा : अतीत से वर्तमान तक विषयक तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सेमिनार के उद्घाटन सत्र को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय और महाराणा प्रताप महाविद्यालय जंगल धूसड़ के संयुक्त तत्वावधान में हो रहे इस सेमिनार में श्री कंडेल ने कहा कि हमें अपनी संस्कृति और धर्म के लिए राजनीति छोड़ने भी पड़े तो छोड़ देना चाहिए। 500 वर्षों के लंबे इंतजार के बाद श्रीरामलला की जन्मभूमि अयोध्या में बने भव्य मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा हुई तो उसे नेपाल में भी पर्व के रूप में मनाया गया। भगवान श्रीराम व माता सीता के चलते भारत नेपाल के आवागमन की परंपरा आज तक चली आ रही है। आज भी बिना पासपोर्ट और वीजा के लोग भारत और नेपाल की सीमाओं को पार करते है। यह हमारे आपसी मजबूत संबंधों को दर्शाता है। उन्होंने नेपाल पर गुरु गोरखनाथ के प्रभाव की चर्चा करते

हुए बताया कि नाथ संप्रदाय के नेपाल में कई जगह-जगह भव्य मंदिर हैं। उन्होंने सांस्कृतिक अंतर्संबंधों की और मजबूती के लिए दोनों देशों के शासन-प्रशासन को व्यावहारिक विचारों को अपनाने पर जोर दिया।

उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता करते हुए लुम्बिनी बौद्ध विश्वविद्यालय, लुम्बिनी, नेपाल के कुलपति प्रो. सुबरन लाल बज्राचार्य ने कहा कि भारत और नेपाल, दोनों देशों में अन्योन्याश्रित संबंध हैं। दोनों के सह अस्तित्व से यह संबंध ऊंचाई को प्राप्त करते हैं। इस पारस्परिक संबंध का आधार हिंदुत्व है। हिंदुत्व का सम्मान करने व हिंदुत्व को बढ़ावा देने से निश्चित रूप में नेपाल और भारत के संबंधों में घनिष्ठता और मधुरता आएगी। सांस्कृतिक आयाम ही हमारे लिए सबसे शक्तिशाली हथियार है। उन्होंने कहा कि भारत-नेपाल के बीच खुली सीमा हमारे मजबूत संबंधों को दर्शाती है। सारस्वत अतिथि के रूप में उपस्थित मध्य पश्चिम विश्वविद्यालय, सुर्खेत, नेपाल के उप कुलपति प्रो. नंद बहादुर सिंह ने कहा कि भारत और नेपाल का डीएनए एक है इसलिए दोनों के आपसी संबंध प्रगाढ़ हैं। दोनों देशों का मूल एक है। हमारे चार प्रमुख स्रोत हैं। धर्म, संस्कृति, भाषा व सभ्यता जो दोनों देशों में एक समान है। उद्घाटन सत्र के विशिष्ट अतिथि वाल्मीकि विद्यापीठ, काठमांडू, नेपाल के प्राचार्य प्रो. भागवत ढकाल ने कहा कि हमारे संकल्प में भी भारत का जिक्र है। विशिष्ट अतिथि पुष्पा भुषाल ने कहा कि सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन से दोनों देशों में समरसता बढ़ेगी। इस पर नेपाल सरकार ने अपने कदम आगे बढ़ाए हैं। हम यहां का रहन-सहन, संस्कृति, राजनीतिक ऊर्जा सहित अन्य सभी चीजे लेकर नेपाल गए और उसका नियमित रूप से हम निर्वहन करते हैं। 22 जनवरी को जब यहां राम उत्सव मनाया जा रहा था, ठीक उसी समय नेपाल सरकार ने बहुत ही धूमधाम से इसकी खुशहाली उत्सव के रूप में मनाया। बीज वक्तव्य देते हुए दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. हर्ष कुमार सिन्हा ने कहा कि भारत इस वर्ष अपने आराध्य प्रभु श्रीराम के विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा का उत्सव मना रहा है। जो हाल ही में 22 जनवरी को अयोध्या में आयोजित किया गया था।

राम, बुद्ध और गोरखनाथ भारत-नेपाल एकता के मूल सूत्र

गोरखपुर(एसएनबी)। भारत और नेपाल की एकता का मूल आधार दोनों देशों की साझा अध्यात्म-संस्कृति है। भगवान श्रीराम, महात्मा बुद्ध और महायोगी गुरु गोरखनाथ भारत-नेपाल एकता के अक्षुण्ण मूल सूत्र हैं।

- भारत-नेपाल के सांस्कृतिक संबंधों पर त्रिदिवसीय अंतरराष्ट्रीय सेमिनार का शुभारंभ
- दोनों देशों में अन्योन्याश्रित संबंध : प्रो.सुबरन लाल
- दोनों देश के नागरिकों का डीएनए एक : प्रो.नंद बहादुर

भारत-नेपाल के सांस्कृतिक संबंधों पर त्रिदिवसीय अंतरराष्ट्रीय सेमिनार में उपस्थित अतिथि।

भारत-नेपाल की साझी विरासत और संस्कृति पर चर्चा :

राम, बुद्ध और गोरखनाथ भारत-नेपाल एकता के मूल सूत्र : कंडेल

महाराणा प्रताप पीजी कालेज में तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारंभ, भारत और नेपाल के सांस्कृतिक अंतरसंबंधों पर हुआ विस्तृत मंथन

भारत-नेपाल की साझी विरासत और संस्कृति पर चर्चा

आरोग्य पथ
मासिक ई-पत्रिका

समाचार दर्पण

एमपी पीजी कॉलेज जंगल धूसड़ में तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सेमिनार का समापन

भारत-नेपाल के बीच भाव व भावना का संबंध : प्रो. श्रीप्रकाश मणि

सेमिनार

गोरखपुर, निज संवाददाता। भारत और नेपाल के बीच भाव और भावना का संबंध है। ऐसा संबंध राजनीति और आर्थिकी के संबंधों से कहीं अधिक मजबूत और गहरा होता है। दोनों राष्ट्रों के संस्कार और स्वभाव एक समान हैं। दोनों धार्मिक व आध्यात्मिक दर्शन के मजबूत डोर से बंधे हुए हैं।

ये बातें इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक के कुलपति प्रो. श्रीप्रकाश मणि त्रिपाठी ने कहीं। वे रविवार को महाराणा प्रताप महाविद्यालय जंगल धूसड़ में आयोजित 'भारत-नेपाल सांस्कृतिक अंतरसम्बंधों की विकास यात्रा : अतीत से वर्तमान तक' विषयक तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सेमिनार के समापन सत्र को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय और महाराणा प्रताप महाविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में हो रहे इस सेमिनार में प्रो. त्रिपाठी ने कहा कि भारत नेपाल के लिए बड़े भाई की भूमिका में है तो नेपाल, भारत के लिए कवच के समान है। दोनों अपनी इन भूमिकाओं को बखूबी समझते हैं और निर्वहन भी करते हैं। उन्होंने कहा कि नेपाल के शालिग्राम को भारत पूजता ही रहेगा। भगवान श्रीराम और शिवावतार गुरु गोरखनाथ भारत और नेपाल में एक जैसे पूज्य हैं। दोनों देशों के बीच बहुआयामी संबंध है और इसका मूल आधार दोनों की साझी संस्कृति है।

समापन सत्र की अध्यक्षता करते हुए दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने कहा कि भारत-नेपाल के ऐतिहासिक सांस्कृतिक संबंधों को नई ऊंचाई देने के लिए युवाओं को आगे लाने की आवश्यकता है। इस दिशा में अकादमिक पहल होनी चाहिए। अकादमिक विकास में भारत-नेपाल का आपसी सहयोग मील का पत्थर बन सकता है। इसी को ध्यान में रखते हुए डीडीयू और नेपाल के विश्वविद्यालयों के बीच करार किया गया है। नेपाल के युवा यहां और यहां के युवा नेपाल जाकर दोनों देशों के बीच रिश्ते को और सशक्त बनाएंगे।

एमपी पीजी कॉलेज जंगल धूसड़ के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस सेमिनार से दोनों देशों के सांस्कृतिक-आध्यात्मिक संबंधों को नई ऊर्जा मिली है। दोनों देश इस सिलसिले को निरंतर आगे बढ़ाते रहेंगे। त्रिभुवन विश्वविद्यालय, काठमांडू के संस्कृत विभाग के डॉ. सुबोध शुक्ल और डीडीयू के रक्षा एवं स्नातजिक अध्ययन विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. हर्ष सिन्हा ने भी संबोधित किया। सेमिनार का प्रतिवेदन डीडीयू में राजनीतिशास्त्र विभाग के डॉ. अमित कुमार उपाध्याय ने प्रस्तुत किया। स्वागत डॉ. पद्मजा सिंह व डॉ. सुबोध मिश्र ने किया।

एमपीपीजी कालेज जंगल धूसड़ में संगोष्ठी में कुलपति प्रो. पूनम टंडन, प्रो. सीपीएम त्रिपाठी व अन्य। • हिन्दुस्तान

- अकादमिक विकास से मजबूत होंगे भारत-नेपाल के सम्बंध : प्रो. टंडन
- सांस्कृतिक-आध्यात्मिक संबंधों को नई ऊर्जा मिली : डॉ. प्रदीप राव

युवाओं के बल पर ठीक रहेंगे भारत-नेपाल के संबंध : ढकाल

विशिष्ट अतिथि प्राज्ञीक विद्यार्थी परिषद, काठमांडू के राष्ट्रीय संगठन मंत्री नारायण प्रसाद ढकाल ने कहा कि युवाओं के बल पर भारत-नेपाल संबंध ठीक रहेंगे। उन्होंने आह्वान किया कि नेपाल पर भारत के कुछ युवा शोध करें, नेपाली भाषा भी जानें। विशिष्ट अतिथि नेपाल संस्कृत विश्वविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र के कार्यकारी निदेशक प्रो. सुखन पौडेल ने कहा कि इस सेमिनार के सुखद परिणाम सामने आएंगे।

मैत्री व सहयोग को बढ़ाएगा 'गोरखपुर घोषणा पत्र'

गोरखपुर। अंतरराष्ट्रीय सेमिनार में दोनों देशों के अकादमिक विशेषज्ञों, राजनेताओं, विभिन्न संस्थानों एवं संगठनों के प्रतिनिधियों ने सम्यक विचार विमर्श किया। इस विमर्श से प्राप्त निष्कर्षों को आपसी सहमति से गोरखपुर घोषणा पत्र के रूप में पारित किया गया। सबने स्वीकार किया कि गोरखपुर घोषणा पत्र भारत-नेपाल के बीच मैत्री और सहयोग को बढ़ाने में काफी कारगर होगा। घोषणा पत्र में सभी वक्ताओं ने सहमति जताई कि भारत-नेपाल संबंधों के मूल दोनों देशों के मध्य सदियों पुराने धार्मिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक संबंध हैं। यह संकल्प भी लिया गया कि अंतरराष्ट्रीय सेमिनार के उभयदेशीय प्रतिभागी भविष्य में दोनों देशों के संबंधों को प्रगाढ़ करने के लिए नियमित रूप से प्रस्ताव एवं कार्य योजनाएं तैयार कर दोनों देशों के नीति निर्धारकों के समक्ष 'जनाकांक्षाओं के प्रस्ताव' के रूप में प्रस्तुत करेंगे।

धर्म व अध्यात्म की मजबूत डोर से बंधे हैं भारत व नेपाल

तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सेमिनार संपन्न, अकादमिक विकास से और मजबूत होंगे भारत-नेपाल के आपसी संबंध : प्रो. टंडन

भारत-नेपाल के बीच मैत्री और सहयोग को बढ़ाएगा घोषणा पत्र

भारत-नेपाल के बीच भाव और भावना का संबंध-प्रो. श्रीप्रकाश मणि

गोरखपुर, 3 मार्च। भारत और नेपाल के बीच भाव और भावना का संबंध है। ऐसा संबंध राजनीति और आर्थिकी के संबंधों से कहीं अधिक मजबूत और गहरा होता है। दोनों राष्ट्रों के संस्कार और स्वभाव एकसमान हैं। दोनों धार्मिक और आध्यात्मिक दर्शन के मजबूत डोर से बंधे हुए हैं।

यह बातें इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक, मध्य प्रदेश के कुलपति प्रो. श्रीप्रकाश मणि त्रिपाठी ने कहीं। प्रो. त्रिपाठी रविवार को महाराणा प्रताप महाविद्यालय जंगल धूसड़ में आयोजित %भारत-नेपाल सांस्कृतिक अंतर्संबंधों की विकास यात्रा ‍ अतीत से वर्तमान तक% विषयक तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सेमिनार के समापन सत्र को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय और महाराणा प्रताप महाविद्यालय जंगल धूसड़ के संयुक्त तत्वावधान में हो रहे इस सेमिनार में प्रो. त्रिपाठी ने कहा कि भारत नेपाल के लिए बड़े भाई की भूमिका में है तो नेपाल, भारत के लिए कवच के समान है। दोनों अपनी इन भूमिकाओं को बखूबी समझते हैं और निर्वहन भी करते हैं। प्राचीनकाल से दोनों राष्ट्रों के बीच अन्योन्याश्रित संबंध हैं।

❖ भारत-नेपाल के सांस्कृतिक अंतर्संबंधों पर तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सेमिनार का समापन ❖अकादमिक विकास से और मजबूत होंगे भारत-नेपाल के आपसी संबंध -प्रो. टंडन

भारत–नेपाल के बीच भाव और भावना का संबंध : प्रो. श्रीप्रकाश मणि

- भारत–नेपाल के सांस्कृतिक अंतर्संबंधों पर तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सेमिनार का समापन
- अकादमिक विकास से और मजबूत होंगे भारत–नेपाल के आपसी संबंध : प्रो. टंडन

संवाददाता

गोरखपुर। भारत और नेपाल के बीच भाव और भावना का संबंध है। ऐसा संबंध राजनीति और आर्थिकी के संबंधों से कहीं अधिक मजबूत और गहरा होता है। दोनों राष्ट्रों के संस्कार और स्वभाव एकसमान हैं। दोनों धार्मिक और आध्यात्मिक दर्शन के मजबूत डोर से बंधे हुए हैं। यह बातें इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक, मध्य प्रदेश के कुलपति प्रो. श्रीप्रकाश मणि त्रिपाठी ने कहीं। प्रो. त्रिपाठी रविवार को महाराणा प्रताप महाविद्यालय जंगल धूसड़ में आयोजित भारत-नेपाल सांस्कृतिक अंतर्संबंधों की विकास यात्रा : अतीत से वर्तमान तक विषयक तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सेमिनार के समापन सत्र को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय और महाराणा प्रताप महाविद्यालय जंगल धूसड़ के संयुक्त तत्वावधान में हो रहे इस सेमिनार में प्रो. त्रिपाठी ने कहा कि भारत नेपाल के लिए बड़े भाई की भूमिका में है तो नेपाल, भारत के लिए कवच के समान है। दोनों अपनी इन भूमिकाओं को बखूबी समझते हैं और निर्वहन भी करते हैं। प्राचीनकाल से दोनों राष्ट्रों के बीच अन्योन्याश्रित संबंध है। उन्होंने कहा कि नेपाल के शालिग्राम को भारत पूजता ही रहेगा। भगवान श्रीराम और शिवावतार गुरु गोरखनाथ भारत और नेपाल में एक जैसे पूज्य हैं। दोनों देशों के बीच बहुआयामी संबंध है और इसका मूल आधार दोनों की साझी संस्कृति है।

समापन सत्र की अध्यक्षता करते हुए दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने कहा कि भारत-नेपाल के ऐतिहासिक सांस्कृतिक संबंधों को नई ऊंचाई देने के लिए युवाओं को आगे लाने की आवश्यकता है। इस दिशा में अकादमिक पहल होनी चाहिए। अकादमिक विकास में भारत नेपाल का आपसी सहयोग मील का पत्थर बन सकता है। इसी को ध्यान में रखते हुए गोरखपुर विश्वविद्यालय और नेपाल के विश्वविद्यालयों के बीच करार किया गया है। नेपाल के युवा यहां और यहां के युवा नेपाल जाकर दोनों देशों के बीच रिश्ते को और सशक्त बनाएंगे। प्रो. टंडन ने कहा कि संस्कृति के विस्तार और मजबूती के लिए अकादमिक पक्ष को जोड़ना अपरिहार्य होता है। भारत और उत्तर प्रदेश का वर्तमान नेतृत्व नेपाल के साथ मैत्री संबंध प्रगाढ़ करने के लिए अपने संकल्प को कार्यों में परिलक्षित कर रहा है। महाराणा प्रताप महाविद्यालय की यह पहल दोनों देशों के सांस्कृतिक संबंधों को नई दिशा देने वाली साबित होगी।

"युवाओं के बल पर ठीक रहेंगे भारत–नेपाल के संबंध : नारायण ढकाल

समापन सत्र के विशिष्ट अतिथि प्राज्ञीक विद्यार्थी परिषद काठमांडू, नेपाल के राष्ट्रीय संगठन मंत्री नारायण प्रसाद ढकाल ने कहा कि युवाओं के बल पर भारत–नेपाल संबंध ठीक रहेंगे। उन्होंने आह्वान किया कि नेपाल पर भारत के कुछ युवा शोध करें, नेपाली भाषा भी जानें। भारत को बड़ा मन बनाकर चलना होगा, साथ ही नेपाल के मन की शंका को भी दूर करना होगा कि भारत उसकी सार्वभौमिकता सुरक्षित रखेगा। श्री ढकाल ने कहा कि नेपाल के लोग चाहते हैं कि भारत सार्क का नेतृत्व करे। विशिष्ट अतिथि नेपाल संस्कृत विश्वविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र के कार्यकारी निदेशक प्रो. सुखन पौडेल ने कहा कि दोनों देशों के मैत्री संबंधों को मजबूत करने की दिशा में यह अंतरराष्ट्रीय सेमिनार एक नए अध्याय की शुरुआत जैसा है और इसके सुखद परिणाम सामने आएंगे। समापन सत्र को त्रिभुवन विश्वविद्यालय, काठमांडू, नेपाल के संस्कृत विभाग के आचार्य डॉ. सुबोध शुक्ल और दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के रक्षा एवं स्नातजिक अध्ययन विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. हर्ष कुमार सिन्हा ने भी संबोधित किया। महाराणा प्रताप महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने अंतरराष्ट्रीय सेमिनार के सभी विद्वतजन, प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस सेमिनार से दोनों देशों के सांस्कृतिक-आध्यात्मिक संबंधों को नई ऊर्जा मिली है। दोनों देश इस सिलसिले को निरंतर आगे बढ़ाते रहेंगे। सेमिनार का प्रतिवेदन दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में राजनीतिशास्त्र विभाग के सहायक आचार्य डॉ. अमित कुमार उपाध्याय ने प्रस्तुत किया। समापन सत्र में अतिथियों का स्वागत सेमिनार के संयोजकद्वय डॉ. पद्मजा सिंह और डॉ. सुबोध ...

'भारत-नेपाल के बीच मैत्री और सहयोग को बढ़ाएगा गोरखपुर घोषणा पत्र'

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर एवं महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़ के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 'भारत नेपाल सांस्कृतिक अंतर्संबंधों की विकास यात्रा : अतीत से वर्तमान तक' विषयक तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सेमिनार में दोनों देशों के अकादमिक विशेषज्ञों, राजनेताओं, विभिन्न संस्थानों एवं संगठनों के प्रतिनिधियों ने सम्यक विचार विमर्श किया। इस विमर्श से प्राप्त निष्कर्षों को आपसी सहमति से गोरखपुर घोषणा पत्र के रूप में पारित किया गया। सबने इस बात को स्वीकार किया कि गोरखपुर घोषणा पत्र भारत–नेपाल के बीच मैत्री और सहयोग को बढ़ाने में काफी कारगर होगा। इस घोषणा पत्र में दोनों देशों के अकादमिक विशेषज्ञों, राजनेताओं, विभिन्न संस्थानों एवं संगठनों के प्रतिनिधियों ने इस बात पर पूर्ण सहमति जताई कि भारत–नेपाल संबंधों के मूल दोनों देशों के मध्य सदियों पुराने धार्मिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक संबंध हैं। यह तय किया गया कि दोनों देशों के इस विशिष्ट संबंध को बनाये रखने के लिए दोनों देशों के नागरिकों, बौद्धिकों, राजनेताओं एवं युवाओं को इन सांस्कृतिक संबंधों को पुनर्जीवित करने तथा निरंतर प्रतिष्ठित करते रहने का कार्य करते रहना होगा। दोनों देशों के नागरिकों, विशेष रूप से शैक्षणिक क्षेत्र में कार्य करने वाले व्यक्तियों और संगठनों को नियमित रूप से ऐसे संवाद और विमर्श कार्यक्रमों का आयोजन बारी–बारी से दोनों देशों में करते रहना चाहिए जिससे संबंधों का आधार और अधिक विस्तृत और सुगम हो सके। घोषणा पत्र के जरिये यह संकल्प भी लिया गया कि अंतरराष्ट्रीय सेमिनार के उभयदेशीय प्रतिभागी भविष्य में दोनों देशों के संबंधों को प्रगाढ़ करने के लिए नियमित रूप से प्रस्ताव एवं कार्ययोजनायें तैयार करते हुए दोनों देशों के नीति निर्धारकों के समक्ष जनाकांक्षाओं के प्रस्ताव के रूप में प्रस्तुत करेंगे।

राष्ट्रीय स्वरूप **गोरखपुर**

भारत–नेपाल के बीच भाव और भावना का संबंध : प्रो. श्रीप्रकाश

भारत-नेपाल के सांस्कृतिक अंतर्संबंधों पर तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सेमिनार का समापन

गोरखपुर। भारत और नेपाल के बीच भाव और भावना का संबंध है। ऐसा संबंध राजनीति और आर्थिकी के संबंधों से कहीं अधिक मजबूत और गहरा होता है। दोनों राष्ट्रों के संस्कार और स्वभाव एकसमान हैं। दोनों धार्मिक और आध्यात्मिक दर्शन के मजबूत डोर से बंधे हुए हैं। यह बातें इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक, मध्य प्रदेश के कुलपति प्रो. श्रीप्रकाश मणि त्रिपाठी ने कहीं। प्रो. त्रिपाठी रविवार को महाराणा प्रताप महाविद्यालय जंगल धूसड़ में आयोजित %भारत-नेपाल सांस्कृतिक अंतर्संबंधों की विकास यात्रा ‍ अतीत से वर्तमान तक% विषयक तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सेमिनार के समापन सत्र को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय और महाराणा प्रताप महाविद्यालय जंगल धूसड़ के संयुक्त तत्वावधान में हो रहे इस सेमिनार में प्रो. त्रिपाठी ने कहा कि भारत नेपाल के लिए बड़े भाई की भूमिका में है तो नेपाल, भारत के लिए कवच के समान है। दोनों अपनी इन भूमिकाओं को बखूबी समझते हैं और निर्वहन भी करते हैं। समापन सत्र की अध्यक्षता करते हुए दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने कहा कि भारत-नेपाल के ऐतिहासिक सांस्कृतिक संबंधों को नई ऊंचाई देने के लिए युवाओं को आगे लाने की आवश्यकता है। इस दिशा में अकादमिक पहल होनी चाहिए। अकादमिक विकास में भारत नेपाल का आपसी सहयोग मील का पत्थर बन सकता है।

समापन सत्र के विशिष्ट अतिथि प्राज्ञीक विद्यार्थी परिषद, काठमांडू, नेपाल के राष्ट्रीय संगठन मंत्री नारायण प्रसाद ढकाल ने कहा कि युवाओं के बल पर भारत-नेपाल संबंध ठीक रहेंगे। उन्होंने आह्वान किया कि नेपाल पर भारत के कुछ युवा शोध करें, नेपाली भाषा भी जानें। समापन सत्र को त्रिभुवन विश्वविद्यालय, काठमांडू, नेपाल के संस्कृत विभाग के आचार्य डॉ. सुबोध शुक्ल और दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के रक्षा एवं स्नातजिक अध्ययन विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. हर्ष कुमार सिन्हा ने भी संबोधित किया।

महाराणा प्रताप महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने अंतरराष्ट्रीय सेमिनार के सभी विद्वतजन, प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया। सेमिनार का प्रतिवेदन दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में राजनीतिशास्त्र विभाग के सहायक आचार्य डॉ. अमित कुमार उपाध्याय ने प्रस्तुत किया।

धार्मिक और आध्यात्मिक दर्शन की मजबूत डोर से बंधे हैं भारत-नेपाल

दोनों देशों के संबंधों को नई ऊंचाई देने के लिए युवाओं को आगे लाने की आवश्यकता : प्रो. पूनम टंडन

युवाओं के बल पर ठीक रहेंगे संबंध : नारायण ढकाल

मैत्री और सहयोग को बढ़ाएगा गोरखपुर घोषणा पत्र

आरोग्य पथ
मासिक ई-पत्रिका

समाचार दर्पण

आयुर्वेद के नियमों के पालन से दूर रहेंगी बीमारियां : प्रो . एचएन डे

भास्कर ब्यूरो

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अंतर्गत संचालित गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कॉलेज) में मंगलवार को तीन अतिथि व्याख्यान आयोजित किए गए। आईटीएम आयुर्वेद मेडिकल कॉलेज, महाराजगंज के प्राचार्य प्रो. पहले व्याख्यान में प्रो.एचएन डे ने कहा कि आयुर्वेद के सिद्धांतों और नियमों को अपनाकर तमाम बीमारियों से बचाव किया जा सकता है।

प्रो. डे ने विद्यार्थियों को आयुर्वेद में वर्णित पदार्थ विज्ञान के सिद्धान्तों और दैनिक जीवन मे उन सिद्धान्तों की स्वस्थ रहने के लिए उनके ज्ञान की उपयोगिता को समझाया। उन्होंने दिनचर्या, सदवृत, संतुलित आहार आदि की महत्ता को समझने वाले बीमारियों से दूर रहते हैं। दूसरे व्याख्यान में आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज मऊ के सह आचार्य डॉ. जय प्रकाश दूबे ने कहा कि अगर विद्यार्थियों को कुशल वैद्य बनना है तो उन्हें अपने व्यक्तित्व को सुदृढ़ करना होगा। व्यक्तित्व को प्रभावशाली बनाने के लिए आयुर्वेद के साथ मॉडर्न पैथी

- गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में अतिथि व्याख्यान का आयोजन

का भी ज्ञान अर्जित करने में हिचक नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि एक कुशल वैद्य रोगी की प्रकृति को देखकर चिकित्सा करता है।

तीसरे व्याख्यान में आयुर्वेद के प्राध्यापक डॉ. धर्मेंद्र प्रताप सिंह ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि पढ़ाई पूरी होने के बाद क्लिनिकल ज्ञान अर्जित करना भी जरूरी है। विद्यार्थियों का प्रयास होना चाहिए कि वे किसी एक विषय में विशेषज्ञता भी हासिल करें। इस अवसर पर गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज के प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एनएस ने अतिथि वक्ताओं को स्मृति चिन्ह देकर उनका अभिनंदन किया।

आयुर्वेद के नियमों के पालन से दूर रहेंगी बीमारियां : प्रो. एचएन डे

गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में अतिथि व्याख्यान का आयोजन

पेज 3 न्यूज / संवाददाता

- गोरखपुर / 05 मार्च

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अंतर्गत संचालित गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कॉलेज) में मंगलवार को तीन अतिथि व्याख्यान आयोजित किए गए। आईटीएम आयुर्वेद मेडिकल कॉलेज, महाराजगंज के प्राचार्य प्रो. पहले व्याख्यान में प्रो.एचएन डे ने कहा कि आयुर्वेद के सिद्धांतों और नियमों को अपनाकर तमाम बीमारियों से बचाव किया जा सकता है। प्रो. डे ने विद्यार्थियों को आयुर्वेद में वर्णित पदार्थ विज्ञान के सिद्धान्तों और दैनिक जीवन मे उन सिद्धान्तों की स्वस्थ रहने के लिए उनके ज्ञान की उपयोगिता को समझाया। उन्होंने दिनचर्या, सदवृत, संतुलित आहार आदि की महत्ता को समझने वाले बीमारियों से दूर रहते हैं। दूसरे व्याख्यान में आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज मऊ के सह आचार्य डॉ. जय प्रकाश दूबे ने कहा कि अगर विद्यार्थियों को कुशल वैद्य बनना है तो उन्हें अपने व्यक्तित्व को सुदृढ़ करना होगा। व्यक्तित्व को प्रभावशाली बनाने के लिए आयुर्वेद के साथ मॉडर्न पैथी का भी ज्ञान अर्जित करने में हिचक नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि एक कुशल वैद्य रोगी की प्रकृति को देखकर चिकित्सा करता है। तीसरे व्याख्यान में आयुर्वेद के प्राध्यापक डॉ. धर्मेंद्र प्रताप सिंह ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि पढ़ाई पूरी होने के बाद क्लिनिकल ज्ञान अर्जित करना भी जरूरी है। विद्यार्थियों का प्रयास होना चाहिए कि वे किसी एक विषय में विशेषज्ञता भी हासिल करें। इस अवसर पर गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज के प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एनएस ने अतिथि वक्ताओं को स्मृति चिन्ह देकर उनका अभिनंदन किया।

आयुर्वेद के नियमों के पालन से दूर रहेंगी बीमारियां

गोरखपुर (एसएनबी)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के तहत संचालित गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कालेज) में मंगलवार को तीन अतिथि व्याख्यान आयोजित किए गए। आईटीएम आयुर्वेद मेडिकल कालेज महाराजगंज के प्राचार्य प्रो. एचएन डे ने कहा कि आयुर्वेद के सिद्धांतों और नियमों को अपनाकर तमाम बीमारियों से बचाव किया जा सकता है।

प्रो. डे ने छात्रों को आयुर्वेद में वर्णित पदार्थ विज्ञान के सिद्धान्तों और दैनिक जीवन मे उन सिद्धान्तों की स्वस्थ रहने के लिए उनके ज्ञान की उपयोगिता को समझाया। उन्होंने कहा कि दिनचर्या, सदवृत, संतुलित आहार आदि की महत्ता को समझने वाले बीमारियों से दूर रहते हैं। दूसरे व्याख्यान में आयुर्वेदिक मेडिकल कालेज मऊ के सह आचार्य डा. जय प्रकाश दूबे ने कहा कि अगर छात्रों को कुशल वैद्य बनना है तो उन्हें अपने व्यक्तित्व को बेहतर करना होगा। व्यक्तित्व को प्रभावशाली बनाने के लिए आयुर्वेद के साथ मार्डन पैथी का भी ज्ञान अर्जित करने में हिचक नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि एक कुशल वैद्य रोगी की प्रति को देखकर चिकित्सा करता है।

गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेदिक कालेज) में आयोजित अतिथि व्याख्यान में सम्बोधित करते प्राचार्य आईटीएम आयुर्वेदिक मेडिकल कालेज, महाराजगंज प्रो.एचएन डे।

तीसरे व्याख्यान में आयुर्वेद के प्राध्यापक डा. धर्मेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि पढ़ाई पूरी होने के बाद क्लिनिकल ज्ञान अर्जित करना भी जरूरी है। छात्रों का प्रयास होना चाहिए कि वे किसी एक विषय में विशेषज्ञता भी हासिल करें। इस अवसर पर गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज के प्राचार्य डा. मंजूनाथ एनएस ने अतिथि वक्ताओं को स्मृति चिन्ह देकर उनका अभिनंदन किया।

महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने को अभियान

पहल

- महायोगी गोरखनाथ विवि में सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण का शुभारंभ
- एमपी शिक्षा परिषद के अभियान को विधायक महेंद्रपाल ने सराहा

गोरखपुर, वरिष्ठ संवाददाता। महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के सौजन्य से महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में सात दिवसीय निशुल्क सिलाई कढ़ाई प्रशिक्षण एवं मुफ्त सिलाई मशीन वितरण कार्यक्रम का बुधवार को शुभारंभ हुआ। मुख्य अतिथि पिपराइच के विधायक महेंद्रपाल सिंह ने कहा कि महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद का अभियान महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण योगदान देगा।

पिपराइच विधायक ने महिला प्रशिक्षणार्थियों को आत्मनिर्भर बनने का संकल्प दिलाया। उन्होंने कहा कि महिलाओं को जागरूक होकर अपनी

महायोगी गोरखनाथ विवि में कार्यक्रम का शुभारंभ करते विधायक व अन्य अतिथि।

शक्ति का एहसास करना होगा।

विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल बाजपेयी ने विश्वास व्यक्त किया कि सिलाई कढ़ाई प्रशिक्षण शिविर में प्रशिक्षित महिलाएं टेक्सटाइल क्षेत्र में क्रांति लाएंगी। साहित्यकार डॉ. वेद प्रकाश पाण्डेय ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में प्रतिभाओं की कमी नहीं है। सिलाई कढ़ाई का प्रशिक्षण लेकर महिलाएं घर की डेहरी से लेकर कार्पोरेट जगत में अपने प्रोडेक्ट से खुद की पहचान स्थापित कर सकती हैं। विजिटिंग प्रो. राजेंद्र भारती ने कहा कि विश्वविद्यालय समाज के हर वर्ग को सम्मान से जीने की प्रेरणा दे रहा है।

इस दौरान डॉ. अखिलेश दूबे, शिवम पाण्डेय, धनंजय पाण्डेय, कमलावती प्रजापति, सुभावती शर्मा, ज्योति भारती, गुड़िया, निम्मी चौधरी, निर्मला प्रजापति, शीला ने सभी महिलाओं को सिलाई कढ़ाई की प्राथमिक जानकारी दी।

महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में एमपी शिक्षा परिषद का महत्वपूर्ण योगदान : महेंद्रपाल

महायोगी गोरखनाथ विवि में सात दिवसीय निःशुल्क सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण का शुभारंभ

गोरखपुर (विधान केसरी)।

महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में अहम योगदान

गोरखपुर (एसएनबी)।

- महायोगी गोरखनाथ विवि में सात दिवसीय निशुल्क सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण का शुभारंभ

महिला दिवस पर सीएम योगी देंगे 221 महिलाओं को सिलाई मशीन का उपहार

महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में एमपी शिक्षा परिषद का महत्वपूर्ण योगदान : महेंद्रपाल

महायोगी गोरखनाथ विवि में सात दिवसीय निशुल्क सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण का शुभारंभ

महिला दिवस पर सीएम योगी देंगे 221 महिलाओं को सिलाई मशीन का उपहार

महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में एमपी शिक्षा परिषद का महत्वपूर्ण योगदान : महेंद्रपाल

- महायोगी गोरखनाथ विवि में सात दिवसीय निशुल्क सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण का शुभारंभ

महिला दिवस पर सीएम योगी देंगे 221 महिलाओं को सिलाई मशीन का उपहार

महिला दिवस पर देंगे 221 महिलाओं को सिलाई मशीन

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना की ओर से आयोजित सात दिवसीय निशुल्क सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण तथा मुफ्त सिलाई मशीन वितरण के कार्यक्रम में आठ मार्च को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी उपस्थित रहेंगे। इस दिन अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में सीएम योगी 221 प्रशिक्षित महिलाओं को निशुल्क सिलाई मशीन का उपहार प्रदान करेंगे। यह समारोह शुक्रवार दोपहर बाद महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के नर्सिंग एवं पैरामेडिकल संकाय के सभागार में होगा। ब्यूरो

समाचार दर्पण

महायोगी गोरखनाथ विवि में निशुल्क सिलाई-कढाई प्रशिक्षण प्राप्त कर रही महिलाओं को मुख्यमंत्री ने दिया सिलाई मशीन का उपहार

मखौड़ा संदेश गोरखपुर संवाददाता।

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि डबल इंजन सरकार की नीतियों और योजनाओं में महिलाएं केंद्र बिंदु है। केंद्र और प्रदेश सरकार जितनी भी जनकल्याणकारी योजनाओं का संचालन कर रही है, उनमें सर्वाधिक संख्या उन योजनाओं की है जिनके अभाव का सीधा प्रभाव महिलाओं पर पड़ता था। सरकार और समाज के लिए महिला सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन सर्वोपरि होना चाहिए। सरकार इस दिशा में पूरी प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। इसी प्रतिबद्धता से महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद एवं महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय भी महिलाओं के सम्मान–स्वावलंबन के लिए सराहनीय योगदान दे रहा है।

सीएम योगी शुक्रवार शाम महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के सौजन्य से आयोजित सात दिवसीय निशुल्क सिलाई–कढ़ाई प्रशिक्षण शिविर में प्रशिक्षु महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए मुफ्त सिलाई मशीन वितरित करने के बाद अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। मुख्यमंत्री, इस विश्वविद्यालय के कुलाधिपति भी है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित इस कार्यक्रम में 221 महिलाओं को मुफ्त सिलाई मशीन वितरित की गई। नौ प्रशिक्षुओं को सिलाई मशीन सीएम योगी ने खुद अपने हाथों से प्रदान किए। प्रशिक्षणार्थी महिलाओं को प्रेरित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री ने कहा कि आधी आबादी के सशक्तिकरण के बिना भारत को सशक्त और समर्थ नहीं बनाया जा सकता है। इसके लिए सुरक्षा का वातावरण देकर महिलाओं के स्वावलंबन का मार्ग प्रशस्त करना होगा।

सीएम योगी ने कहा कि 2014 में प्रधानमंत्री बनने के बाद मोदी जी ने व्यक्ति, मत, मजहब या क्षेत्र को योजनाओं का आधार नहीं बनाया। बल्कि योजनाओं का आधार गांव, गरीब, किसान, महिलाओं को बनाया गया।

उन्होंने कहा कि बेटी बचाओ–बेटी पढ़ाओ और मातृ वंदना सीधे महिलाओं के सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन से जुड़ी है तो शौचालय, उज्ज्वला, सौभाग्य और मुफ्त राशन जैसी योजनाओं के केंद्र भी महिलाएं है

क्योंकि यदि परिवार में अभाव होगा तो सबसे अधिक दिक्कत महिला को ही होती है। पीएम विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना शिल्पियों के साथ ही महिलाओं की आत्मनिर्भरता के लिए है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की ही तरह प्रदेश सरकार ने महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन के लिए कन्या सुमंगला, सामूहिक विवाह जैसी योजनाएं चलाई है। छात्रों के साथ छात्राओं को स्मार्टफोन उपलब्ध कराकर उन्हें तकनीकी रूप से सक्षम बनाया जा रहा है।

महायोगी गोरखनाथ विवि रचनात्मक गतिविधियों का भी केंद्र

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए निशुल्क सिलाई कढ़ाई प्रशिक्षण शिविर के आयोजन तथा मुफ्त सिलाई मशीन वितरण के इस कार्यक्रम की सराहना की। उन्होंने कहा कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय परंपरागत पाठ्यक्रमों के संचालन करने के साथ कई सामाजिक व रचनात्मक गतिविधियों का केंद्र बन गया है। किसी भी संस्था की उपादेयता के लिए समाज के सापेक्ष बने रहना जरूरी है। यह विश्वविद्यालय इस जिम्मेदारी को पूरी तरह समझ और निभा रहा है। इस विश्वविद्यालय से संबद्ध चिकित्सालय, आयुर्वेद, नर्सिंग, पैरामेडिकल और फार्मेसी संकाय के विद्यार्थियों की तरफ से गांवों में स्वास्थ्य शिविर का लगाया जाना भी इसी सामाजिक भूमिका का अंग है।

स्वावलंबन की राह दिखा रहा नए भारत का नया उत्तर प्रदेश

मुख्यमंत्री ने कहा कि नए भारत का नया उत्तर प्रदेश आज महिलाओं समेत सभी लोगों को स्वावलंबन की राह दिखा रहा है। यहां किसानों को पराली और गोबर बेचकर कमाई करने का नया विकल्प दिया जा रहा है तो गोपालन के लिए सरकारी प्रोत्साहन भी। उन्होंने कहा कि गाय पालने के लिए प्रति गाय पंद्रह सौ रुपये प्रतिमाह सरकार दे रही है। गाय पालिए, उसका दूध पीजिए और गोबर बेचकर आमदनी भी करिए।

रेडीमेड गारमेंट की दिशा में आगे बढ़ सकती हैं महिलाएं

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रशिक्षण देकर सिलाई मशीन उपलब्ध कराने का महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद और महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय का यह कार्यक्रम महिला सशक्तिकरण के लिए काफी महत्वपूर्ण है। यह महिला स्वावलंबन से जुड़ा एक अभिनव प्रयास है। प्रशिक्षण के बाद सिलाई मशीन पर काम शुरू कर ये महिलाएं रेडीमेड गारमेंट की दिशा में आगे बढ़ सकती है। इस काम में एफपीओ और स्वयं सहायता समूह बनाकर काम करना फायदेमंद होगा। अपने रेडीमेड गारमेंट को मार्केट से लिंक कर महिलाएं प्रतिमाह आठ से दस हजार रुपये की आमदनी कर सकती है।

महिलाओं को सुरक्षा, सम्मान देकर स्वावलंबी बना रहे मोदी-योगीः रविकिशन

मुफ्त सिलाई मशीन वितरण समारोह में विशिष्ट अतिथि सांसद रविकिशन शुक्ल ने कहा कि पीएम मोदी और सीएम योगी निस्वार्थ तपस्वी है। दोनों नेतृत्वकर्ताओं ने महिलाओं को सुरक्षा, सम्मान देने के बाद उन्हें स्वावलंबी और आत्मनिर्भर बनाने की अनेक सौगात भी है। पीएम और सीएम बेटी के जन्म से लेकर उसकी पढ़ाई तक की चिंता करते है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत बनाने के लिए महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना अति आवश्यक है। आत्मनिर्भर होने के लिए जरूरी है कि महिलाएं खुद की शक्ति को पहचानें क्योंकि कोई भी महिला कमजोर नहीं होती है।

विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित विधायक महेंद्रपाल सिंह ने कहा कि शिक्षा, संस्कृति और राष्ट्रीयता की विचारधारा को आगे बढ़ाने के साथ समाज को स्वावलंबी बनाने का कार्य महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद को विरासत में मिला है। उन्होंने केंद्र और प्रदेश सरकार की महिला केंद्रित योजनाओं का भी विस्तार से उल्लेख किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी ने की। प्रशिक्षण कार्यक्रम की प्रस्तावकि महायोगी गोरखनाथ चिकित्सालय बालापार के निदेशक कर्नल (डॉ.) राजेश बहल ने रखी। आभार ज्ञापन नर्सिंग एवं पैरामेडिकल संकाय की अध्यक्ष डॉ. डीएस अजीथा ने तथा संचालन फार्मेसी संकाय के अध्यक्ष डॉ शशिकांत सिंह ने किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ प्रदीप कुमार राव, उपकुलसचिव श्रीकांत, प्रशासनिक अधिष्ठाता राजेंद्र भारती, आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एनएस समेत सभी शिक्षक, कर्मचारी, विद्यार्थी व प्रशिक्षणार्थी महिलाएं उपस्थित रहीं।

प्रशिक्षण देने वाली प्रशिक्षकों को सीएम ने किया सम्मानित

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने महिलाओं को सिलाई कढ़ाई प्रशिक्षण प्रदान करने वाली प्रशिक्षकों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। सीएम के हाथों सम्मान पाने में ज्योति भारती, निम्मी चौधरी, शुभावती शर्मा, शीला और निर्मला प्रजापति शामिल रहीं।

इन्हें मिली सीएम के हाथों सिलाई मशीन

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के हाथों सोनबरसा की सुनीता, नंदिनी, प्रमिला, बालापार की अमीना खातून, गीता पासवान, शारदा प्रजापति तथा सिकटौर की पूजा देवी, कौशल्या देवी व काजल चौहान को सिलाई मशीन का उपहार प्राप्त करने का अवसर मिला।

समाचार दर्पण

शुक्रवार को महायोगी गोरखनाथ विवि में निशुल्क सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण शिविर में महिलाओं को सीएम ने सिलाई मशीन दिया।

सांसद व विधायक ने भी रखे विचार

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विवि में आयोजित कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि सांसद रविकिशन शुक्ल ने कहा कि पीएम और सीएम बेटी के जन्म से लेकर उसकी पढ़ाई तक की चिंता करते हैं। उन्होंने कहा कि विकसित भारत बनाने के लिए महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना अति आवश्यक है। विधायक महेंद्रपाल सिंह ने कहा कि शिक्षा, संस्कृति और राष्ट्रीयता की विचारधारा को आगे बढ़ाने के साथ समाज को स्वावलंबी बनाने का कार्य महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद को विरासत में मिला है। अध्यक्षता कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी ने की। इस अवसर पर डॉ प्रदीप कुमार राव, श्रीकांत, राजेंद्र भारती, डॉ. मंजूनाथ आदि शिक्षक मौजूद रहे।

सरकार की योजनाओं के केंद्र बिंदु में हैं महिलाएं

गोरखनाथ विवि

गोरखपुर, वरिष्ठ संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि डबल इंजन सरकार की नीतियों और योजनाओं में महिलाएं केंद्र बिंदु में हैं। सरकार और समाज के लिए महिला सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन सर्वोपरि होना चाहिए। सरकार इस दिशा में पूरी प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। इसी प्रतिबद्धता से महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद एवं महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय भी महिलाओं के सम्मान-स्वावलंबन के लिए सराहनीय योगदान दे रहा है।

सीएम योगी ने शुक्रवार शाम महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के सौजन्य से आयोजित निशुल्क सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण शिविर में प्रशिक्षु महिलाओं को सिलाई मशीन का वितरण किया। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित इस कार्यक्रम में 221 महिलाओं को मुफ्त सिलाई मशीन वितरित की गई। नौ प्रशिक्षुओं को सिलाई मशीन सीएम योगी ने खुद अपने हाथों से प्रदान किया। मुख्यमंत्री, इस विश्वविद्यालय के कुलाधिपति भी हैं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि आधी आबादी के सशक्तिकरण के बिना भारत को सशक्त और समर्थ नहीं बनाया जा सकता है। इसके लिए सुरक्षा का वातावरण देकर महिलाओं के स्वावलंबन का मार्ग प्रशस्त करना होगा। वर्ष 2014 में प्रधानमंत्री बनने के बाद पीएम मोदी ने योजनाओं का आधार गांव, गरीब, किसान, महिलाओं को बनाया गया। प्रदेश सरकार ने महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन के लिए कन्या सुमंगला, सामूहिक विवाह जैसी योजनाएं चलाई हैं। छात्राओं को स्मार्टफोन देकर उन्हें तकनीकी रूप से सक्षम बनाया जा रहा है।

गोपालन से स्वावलंबी होंगी महिलाएं: मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश आज महिलाओं को स्वावलंबन की राह दिखा रहा है। यहां किसानों को पराली और गोबर बेचकर कमाई करने का नया विकल्प दिया जा रहा है। उन्हें गोपालन के लिए प्रोत्साहन किया जा रहा है। गाय पालने के लिए सरकार प्रति गाय पंद्रह सौ रुपये प्रतिमाह दे रही है।

221 महिलाओं को वितरित की गई मुफ्त सिलाई मशीन

- विश्वविद्यालय में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहीं महिलाओं को मुख्यमंत्री ने दिया सिलाई मशीन का उपहार

इन्हें मिला सीएम योगी के हाथों सम्मान

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महिलाओं को सिलाई कढ़ाई प्रशिक्षण देने वाली प्रशिक्षकों ज्योति भारती, निम्मी चौधरी, शुभावती शर्मा, शीला और निर्मला प्रजापति को सम्मानित किया।

रेडीमेड गारमेंट की दिशा में आगे बढ़ सकती हैं महिलाएं

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रशिक्षण देकर सिलाई मशीन उपलब्ध कराने का महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद और महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय का यह कार्यक्रम महिला सशक्तिकरण के लिए काफी महत्वपूर्ण है। प्रशिक्षण के बाद सिलाई मशीन पर काम शुरू कर के महिलाएं रेडीमेड गारमेंट की दिशा में आगे बढ़ सकती हैं। इस काम में एफपीओ और स्वयं सहायता समूह बनाकर काम करना फायदेमंद होगा। अपने रेडीमेड गारमेंट को मार्केट से लिंक कर महिलाएं प्रतिमाह आठ से दस हजार रुपये की आमदनी कर सकती हैं।

महिला सुरक्षा और स्वावलंबन सरकार की प्राथमिकता

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में महिलाओं को मुख्यमंत्री ने दिया सिलाई मशीन का उपहार

अमर उजाला ब्यूरो

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सरकार और समाज के लिए महिला सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन सर्वोपरि होना चाहिए। सरकार इस दिशा में पूरी प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। इसी प्रतिबद्धता से महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद एवं महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय भी महिलाओं के सम्मान-स्वावलंबन में सराहनीय योगदान दे रहा है।

सीएम योगी शुक्रवार शाम महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की तरफ से आयोजित सात दिवसीय निशुल्क सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण शिविर में प्रशिक्षु महिलाओं को मुफ्त सिलाई मशीन वितरित करने के बाद कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित इस कार्यक्रम में 221 महिलाओं को मुफ्त सिलाई मशीन वितरित की गई।

नौ प्रशिक्षुओं को सिलाई मशीन सीएम योगी ने अपने हाथों से प्रदान किए। प्रशिक्षणार्थी महिलाओं को प्रेरित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आधी आबादी के सशक्तिकरण के बिना भारत को सशक्त और समर्थ नहीं बनाया जा सकता। इसके लिए सुरक्षा का वातावरण देकर महिलाओं के स्वावलंबन का मार्ग प्रशस्त करना होगा।

गाय का दूध पीजिए और गोबर बेचकर आमदनी करिए : सीएम ने कहा कि नए भारत का नया उत्तर प्रदेश आज महिलाओं समेत सभी लोगों को स्वावलंबन की राह दिखा रहा है। यहां किसानों को पराली और गोबर बेचकर कमाई करने का नया विकल्प दिया जा रहा है। गाय पालने के लिए प्रति गाय 1500 रुपये प्रतिमाह सरकार दे रही है।

गाय पालिए, उसका दूध पीजिए और गोबर बेचकर आमदनी भी करिए। सीएम ने कहा कि प्रशिक्षण देकर सिलाई मशीन उपलब्ध कराने का महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद और महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय का यह कार्यक्रम महिला सशक्तिकरण के लिए काफी महत्वपूर्ण है। यह महिला स्वावलंबन से जुड़ा एक अभिनव प्रयास है।

महायोगी गुरु गोरखनाथ विश्वविद्यालय में शुक्रवार को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर आयोजित कार्यक्रम में लाभार्थियों को सिलाई मशीन वितरित करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ। संवाद

इन्हें मिली सीएम के हाथों सिलाई मशीन

कार्यक्रम में सीएम योगी सोनबरसा की सुनीता, नंदिनी, प्रमिला, बालापार की अमीना खातून, गीता पासवान, शारदा प्रजापति और सिकटौर की पूजा देवी, कौशल्या देवी और काजल चौहान को सिलाई मशीन प्रदान किया। इसके अलावा सीएम ने सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षक ज्योति भारती, निम्मी चौधरी, सुभावती शर्मा, शीला और निर्मला प्रजापति को भी सम्मानित किया।

बेटी के जन्म से लेकर पढ़ाई तक की चिंता हमारी : सांसद

गोरखपुर। विशिष्ट अतिथि सांसद रवि किशन ने कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार ने महिलाओं को सुरक्षा, सम्मान देने के बाद उन्हें स्वावलंबी और आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास किया। पीएम मोदी और सीएम योगी अब बेटी के जन्म से लेकर पढ़ाई तक की चिंता करते हैं। विकसित भारत बनाने के लिए महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना अति आवश्यक है। कार्यक्रम की अध्यक्षता महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी ने की। इस मौके पर पिपराइच के विधायक महेंद्रपाल सिंह, गोरखनाथ चिकित्सालय बालापार के निदेशक कर्नल (डॉ.) राजेश बहल, डॉ. डीएस अजीथा, डॉ. शशिकांत सिंह, विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव, उपकुलसचिव श्रीकांत आदि मौजूद रहे। ब्यूरो

कार्यालय

पत्रांक - 1019/जि.पं./ देवरिया

पुनः

समस्त जिला पंचायतों व ग्रा

सीएम योगी ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर 221 महिलाओं को मुफ्त सिलाई मशीन बांटी

अब महिलाओं को किसी का मोहताज नहीं होना पड़ता

सौगात

- सरकार की नीतियों और योजनाओं में महिलाएं केंद्र
- स्वावलंबन की राह दिखा रहा नए भारत का नया उत्तर प्रदेश
- रेडीमेड गारमेंट की दिशा में आगे बढ़ सकती हैं महिलाएं

सिलेंडर के दाम घटाने का सीएम योगी ने किया स्वागत

सरकार की योजनाओं के केंद्र में महिलाएं

निश्शुल्क सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण प्राप्त कर रहीं महिलाओं को मुख्यमंत्री ने दी सिलाई मशीन

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि केंद्र व प्रदेश सरकार जिन-जिन नीतियों का अनुपालन व कल्याणकारी योजनाओं का संचालन कर रही हैं, उनमें सर्वाधिक संख्या उन नीतियों व योजनाओं की है, जिनके केंद्र में महिलाएं हैं। महिला सुरक्षा, सम्मान व स्वावलंबन सरकार के लिए सर्वोपरि है। सरकार इस दिशा में पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। जिस प्रतिबद्धता के साथ यह कार्य सरकार कर रही है, उसी प्रतिबद्धता के साथ इसके लिए महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद व महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय अपना योगदान सुनिश्चित कर रहा है।

मुख्यमंत्री शुक्रवार की शाम महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की ओर से आयोजित सात दिवसीय निश्शुल्क सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण शिविर में प्रशिक्षु महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए मुफ्त सिलाई मशीन वितरित करने के बाद विचार व्यक्त कर रहे थे। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित इस कार्यक्रम में 221 महिलाओं को मुफ्त सिलाई मशीन वितरित की गई। नौ प्रशिक्षुओं को अपने हाथों से सिलाई मशीन देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, आधी आबादी के सशक्तीकरण के बिना भारत को सशक्त और समर्थ नहीं बनाया जा सकता है। इसके लिए सुरक्षा का वातावरण देकर महिलाओं के स्वावलंबन का मार्ग प्रशस्त करना होगा।

योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री बनने के बाद नरेन्द्र मोदी ने व्यक्ति, मत, धर्म या क्षेत्र को योजनाओं का आधार नहीं बनाया। उनकी योजनाओं के केंद्र में गांव, गरीब, किसान, महिलाएं रहीं। इस क्रम में उन्होंने केंद्र और प्रदेश सरकार की ओर से महिला सुरक्षा व स्वावलंबन के लिए संचालित योजनाएं गिनाईं।

उन्होंने कहा कि नए भारत का नया उत्तर प्रदेश आज महिलाओं समेत सभी लोगों को स्वावलंबन की राह दिखा रहा है। यहां किसानों को पराली और गोबर बेचकर कमाई करने का नया विकल्प दिया जा रहा है तो गोपालन के लिए सरकारी प्रोत्साहन भी। गाय पालिए, उसका दूध पीजिए और गोबर बेचकर आमदनी भी करिए। इस अवसर पर सांसद रवि किशन ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री योगी बेटियों के जन्म से लेकर पढ़ाई तक की चिंता करते हैं। विधायक महेंद्रपाल सिंह ने कहा कि शिक्षा, संस्कृति और राष्ट्रीयता की विचारधारा को आगे बढ़ाने के साथ समाज को स्वावलंबी बनाने का कार्य महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद को विरासत में मिला है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति मेजर जनरल डा.अतुल वाजपेयी ने की। प्रस्ताविकी महायोगी गोरखनाथ चिकित्सालय बालापार के निदेशक कर्नल डा.राजेश बहल ने रखी। संचालन डा.शशिकांत सिंह और आभार ज्ञापन डा.डीएस अजीथा ने किया। इस दौरान कुलसचिव डा. प्रदीप कुमार राव, उप कुलसचिव श्रीकांत, राजेंद्र भारती, डा.मंजूनाथ एनएस आदि मौजूद रहे। मुख्यमंत्री के हाथों सिलाई मशीन पाने वालों में ज्योति भारती, निम्मी चौधरी, शुभावती शर्मा, शीला और निर्मला प्रजापति आदि शामिल रहीं।

विश्व महिला दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में लाभार्थी को सिलाई मशीन प्रदान करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ • सौ. गोरखनाथ मंदिर

सरकार की नीतियों और योजनाओं में महिलाएं केंद्र बिंदु : सीएम योगी

***महायोगी गोरखनाथ विवि में निशुल्क सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण प्राप्त कर रही महिलाओं को मुख्यमंत्री ने दिया सिलाई मशीन का उपहार**

जनसंदेश टाइम्स, गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि डबल इंजन सरकार की नीतियों और योजनाओं में महिलाएं केंद्र बिंदु हैं। केंद्र और प्रदेश सरकार जितनी भी जनकल्याणकारी योजनाओं का संचालन कर रही हैं, उनमें सर्वाधिक संख्या उन योजनाओं की है जिनके अभाव का सीधा प्रभाव महिलाओं पर पड़ता था। सरकार और समाज के लिए महिला सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन सर्वोपरि होना चाहिए। सरकार इस दिशा में पूरी प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। इसी प्रतिबद्धता से महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद एवं महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय भी महिलाओं के सम्मान-स्वावलंबन के लिए सराहनीय योगदान दे रहा है।

सीएम योगी शुक्रवार शाम महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के सौजन्य से आयोजित सात दिवसीय निशुल्क सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण शिविर में प्रशिक्षु महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए मुफ्त सिलाई मशीन वितरित करने के बाद अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। मुख्यमंत्री, इस विश्वविद्यालय के कुलाधिपति भी हैं। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित इस कार्यक्रम में 221 महिलाओं को मुफ्त सिलाई मशीन वितरित की गई। नौ प्रशिक्षुओं को सिलाई मशीन सीएम योगी ने खुद अपने हाथों से प्रदान किए। प्रशिक्षणार्थी महिलाओं को प्रेरित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री ने कहा कि आधी आबादी के सशक्तिकरण के बिना भारत को सशक्त और समर्थ नहीं बनाया जा सकता है। इसके लिए सुरक्षा का वातावरण देकर महिलाओं के स्वावलंबन का मार्ग प्रशस्त करना होगा। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने महिलाओं को सिलाई कढ़ाई प्रशिक्षण प्रदान करने वाली प्रशिक्षकों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। सीएम के हाथों सम्मान पाने में ज्योति भारती, निम्मी चौधरी, शुभावती शर्मा, शीला और निर्मला प्रजापति शामिल रहीं।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के हाथों सोनबरसा की सुनीता, नंदिनी, प्रमिला, बालापार की अमीना खातून, गीता पासवान, शारदा प्रजापति तथा सिकटौर की पूजा देवी, कौशल्या देवी व काजल चौहान को सिलाई मशीन का उपहार प्राप्त करने का अवसर मिला।

सरकार की नीतियों और योजनाओं में महिलाएं केंद्र बिंदु : योगी

महायोगी गोरखनाथ विवि में निशुल्क सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण प्राप्त कर रही महिलाओं को मुख्यमंत्री ने दिया सिलाई मशीन का उपहार

- महिलाओं के स्वावलंबन के लिए एमपी शिक्षा परिषद व महायोगी गोरखनाथ विवि का प्रयास अत्यंत महत्वपूर्ण
- महिलाओं को सुरक्षा, सम्मान देकर स्वावलंबी बना रहे मोदी-योगी: रविकिशन

महायोगी गोरखनाथ विवि रचनात्मक गतिविधियों का भी केंद्र

स्वावलंबन की राह दिखा रहा नए भारत का नया उत्तर प्रदेश

रेडीमेड गारमेंट की दिशा में आगे बढ़ सकती हैं महिलाएं

समाचार दर्पण

निर्जलीकृत फूलों और पत्तियों से तैयार उत्पाद भी दिलाएंगे रोजगार

महायोगी गोरखनाथ विवि में एनबीआरआई के सहयोग से प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन

स्वतंत्र चेतना

नगर संवाददाता/ गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अर्तगत संचालित कृषि संकाय और राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, (एनबीआरआई) लखनऊ के संयुक्त तत्वावधान में शनिवार को निर्जलित पुष्प शिल्प विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का अयोजन किया गया।

राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान से आये वैज्ञानिक डॉ. अतुल बत्रा एवं डॉ. श्वेता ने पुष्प निर्जलीकरण की वैज्ञानिक विधि के साथ फूलों और पत्तियों के रंग, आकार, सुन्दरता के संरक्षण एवं भौतिक क्षरण से बचाने की विधि पर विस्तृत जानकारी प्रदान की। निर्जलीकृत फूलों का प्रयोग कलापूर्ण ग्रीटिंग कार्ड, वालप्लेट, लैंडस्केप डिजाइनिंग में किया जाता है। उन्होंने कहा कि निर्जलीकृत फूलों और पत्तियों से तैयार ग्रीटिंग कार्ड, वालप्लेट की बाजार में बहुत मांग है और इसमें रोजगार के असीम अवसर हैं।

आगंतुक वैज्ञानिकों ने विद्यार्थियों को व्यक्तिगत प्रशिक्षण के तहत विश्वविद्यालय प्रांगण में पुष्प निर्जलीकरण विधि और निर्जलीकृत पुष्पों के विभिन्न उपयोग की विधा सिखलाई। डॉ बत्रा ने कहा कि यह कार्यक्रम राष्ट्रीय पुष्पकृषि मिशन के अंतर्गत महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से संचालित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम से महिलाओं को स्वरोजगार के अवसर प्राप्त होंगे। प्रशिक्षण में श्रेष्ठतम प्रदर्शन करने वाली चयनित छात्राओं को राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ में तीन दिवसीय निःशुल्क प्रशिक्षण दिया जायेगा।

कार्यक्रम की अध्यक्षता अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ विमल कुमार दूबे ने तथा आभार ज्ञापन शाश्वती प्रेमकुमारी, सुश्री प्रीति (एनबीआरआई), स्नातक कृषि विज्ञान के प्रथम व द्वितीय वर्ष के समस्त विद्यार्थी उपस्थित रहे।

समाचार पत्र विक्रेता संघ ने की शोक सभा

स्वतंत्र चेतना

फूलों और पत्तियों से तैयार उत्पाद भी दिलाएंगे रोजगार

विवि में एनबीआरआई के सहयोग से प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन

गोरखपुर, वरिष्ठ संवाददाता। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अर्तगत संचालित कृषि संकाय और राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान (एनबीआरआई) के संयुक्त तत्वावधान में शनिवार को निर्जलित पुष्प शिल्प विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का अयोजन किया गया।

राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान से आये वैज्ञानिक डॉ अतुल बत्रा एवं डॉ श्वेता ने पुष्प निर्जलीकरण की वैज्ञानिक विधि के साथ फूलों और पत्तियों के रंग, आकार, सुन्दरता के संरक्षण एवं भौतिक क्षरण से बचाने की विधि पर विस्तृत जानकारी प्रदान की। निर्जलीकृत फूलों का प्रयोग कलापूर्ण ग्रीटिंग कार्ड, वालप्लेट, लैंडस्केप डिजाइनिंग में किया जाता है। उन्होंने कहा कि निर्जलीकृत फूलों और पत्तियों से तैयार ग्रीटिंग कार्ड, वालप्लेट की बाजार में बहुत मांग है और इसमें रोजगार के असीम अवसर हैं। आगंतुक वैज्ञानिकों ने विद्यार्थियों को व्यक्तिगत प्रशिक्षण के तहत विश्वविद्यालय प्रांगण में पुष्प निर्जलीकरण विधि और निर्जलीकृत पुष्पों के विभिन्न उपयोग की विधा सिखलाई।

कार्यक्रम की अध्यक्षता अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ विमल कुमार दूबे ने तथा आभार ज्ञापन सह आचार्य डॉ संदीप श्रीवास्तव ने किया।

निर्जलीकृत फूलों और पत्तियों से तैयार उत्पाद भी दिलाएंगे रोजगार

भास्कर ब्यूरो

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अर्तगत संचालित कृषि संकाय और राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, (एनबीआरआई) लखनऊ के संयुक्त तत्वावधान में शनिवार को 'निर्जलित पुष्प शिल्प' विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का अयोजन किया गया।

राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान से आये वैज्ञानिक डॉ. अतुल बत्रा एवं डॉ. श्वेता ने पुष्प निर्जलीकरण की वैज्ञानिक विधि के साथ फूलों और पत्तियों के रंग, आकार, सुन्दरता के संरक्षण एवं भौतिक क्षरण से बचाने की विधि पर विस्तृत जानकारी प्रदान की। निर्जलीकृत फूलों का प्रयोग कलापूर्ण ग्रीटिंग कार्ड, वालप्लेट, लैंडस्केप डिजाइनिंग में किया जाता है। उन्होंने कहा कि निर्जलीकृत फूलों और पत्तियों से तैयार ग्रीटिंग कार्ड, वालप्लेट की बाजार में बहुत मांग है और इसमें रोजगार के असीम अवसर हैं। आगंतुक वैज्ञानिकों ने विद्यार्थियों को व्यक्तिगत प्रशिक्षण के तहत विश्वविद्यालय प्रांगण में पुष्प निर्जलीकरण विधि और निर्जलीकृत पुष्पों के विभिन्न उपयोग की विधा सिखलाई। डॉ बत्रा ने कहा कि यह कार्यक्रम राष्ट्रीय पुष्पकृषि मिशन के अंतर्गत महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से संचालित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम से महिलाओं को स्वरोजगार के अवसर प्राप्त होंगे। प्रशिक्षण में श्रेष्ठतम प्रदर्शन करने वाली चयनित छात्राओं को राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ में तीन दिवसीय निःशुल्क प्रशिक्षण दिया जायेगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ विमल कुमार दूबे ने तथा आभार ज्ञापन सह आचार्य डॉ संदीप श्रीवास्तव ने किया। कार्यक्रम में डॉ. कुलदीप सिंह, डॉ. आयुष कुमार पाठक, डॉ. प्रवीन कुमार सिंह, डॉ. शाश्वती प्रेमकुमारी, सुश्री प्रीति (एनबीआरआई), स्नातक कृषि विज्ञान के प्रथम व द्वितीय वर्ष के समस्त विद्यार्थी उपस्थित रहे।

463 मरीजों का किया स्वास्थ्य परीक्षण

गोरखपुर (एसएनबी)। गुरु गोरखनाथ इंस्टिट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज बालापार की ओर मेवैजनाथपुर में वृहद स्वास्थ्य परीक्षण मेले का आयोजन किया गया। इस दौरान 436 लोगों के स्वास्थ्य का परीक्षण किया गया।

बैजनाथपुर के प्रधान राम सूरत यादव स्वास्थ्य परीक्षण के दौरान कहा कि हमलोग भाग्यशाली हैं कि हमे इतने अच्छे हास्पिटल की सुविधा मुफ्त में मिल रही

गुरु गोरखनाथ इंस्टिट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज बालापार

बालापार में स्वास्थ्य परीक्षण में उपस्थित गुरु गोरखनाथ इंस्टिट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज के छात्राएं।

जिसका हमे फायदा उठाना चाहिए। इंस्टिट्यूट के निदेशक कर्नल डा. राजेश बहल ने कहा कि इस चिकित्सालय का उद्देश्य आम जनता को उत्तम स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है। इस स्वास्थ्य कैंप में मरीज को निशुल्क दवाओ के साथ जांच की जाती है। आयोजित कैंप में कल 463 मरीजों की जांच हुई जिसमे 14 मोतियाबिंद के मरीज चिन्हित हुए। इस दौरान डाक्टरों में सर्जन राकेश सिंह, सर्जन राजीव शाही, नेत्र सर्जन रेणु गुप्ता, मनोज गुप्ता, ओपी सिंह आर्थो सर्जन प्रदीप हरिवंश यादव एवं पवन ने विशेष योगदान दिया। प्रबंधक गिरिजेश मिश्रा ने कैंप में सहयोग के लिये वंशराज कालेज के प्रबंधक, नर्सिंग कालेज की छात्राएं, चिकित्सालय के सभी स्टाफ एवं उपस्थित रहे सभी डाक्टरों के प्रति आभार व्यक्त किया।

गुरु गोरखनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज बालापार ने 463 मरीजों का किया पूर्ण स्वास्थ्य परीक्षण

संवाददाता

गोरखपुर। बालापार स्थित गुरु गोरखनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज ने बैजनाथपुर में आज एक वृहद स्वास्थ्य परीक्षण मेले का आयोजन किया गया। मेले का उदघाटन बैजनाथपुर के प्रधान राम सूरत यादव कहा कि हमलोग भाग्यशाली हैं कि हमे इतने अच्छे हॉस्पिटल की सुविधा फ्री में मिल रही जिसका हमे फायदा लेना चाहिए इंस्टीट्यूट के निदेशक कर्नल डॉक्टर राजेश राजेश बहल ने किया उन्होंने ने कहा कि इस चिकित्सालय का उद्देश्य आम जनता को उत्तम स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है इस स्वास्थ्य कैंप में मरीज को निशुल्क दवाओ के साथ जांच की जाती है आज आयोजित कैंप मे कल 463 मरीजों की जांच हुई जिसमे 14 मोतियाबिंद के मरीज चिन्हित हुए आज कैंप में उपस्थित डॉक्टरों में सर्जन राकेश सिंह सर्जन राजीव शाही नेत्र सर्जन डॉ रेणु गुप्ता डॉ मनोज गुप्ता डॉ ओ पी सिंह आर्थो सर्जन डॉ प्रदीप हरिवंश यादव डॉ पवन ने विशेष योगदान दिया प्रबंधक गिरिजेश मिश्रा ने कैंप में सहयोग के लिये वंशराज कालेज के प्रबंधक मंडल नर्सिंग कॉलेज की छात्राएं चिकित्सालय के सभी स्टाफ एवं उपस्थित सभी डॉक्टरों एवं मरीज का आभार व्यक्त किया

463 मरीजों का किया पूर्ण स्वास्थ्य परीक्षण

गुरु गोरखनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज बालापार में आयोजित हुआ शिविर

स्वतंत्र चेतना

नगर संवाददाता/ गोरखपुर।बालापार स्थित गुरु गोरखनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज ने बैजनाथपुर में आज एक वृहद स्वास्थ्य परीक्षण मेले का आयोजन किया गया।

मेले का उद्घाटन बैजनाथपुर के प्रधान राम सूरत यादव कहा कि हमलोग भाग्यशाली हैं कि हमे इतने अच्छे हॉस्पिटल की सुविधा फ्री में मिल रही जिसका हमे फायदा लेना चाहिए इंस्टीट्यूट के निदेशक कर्नल डॉक्टर राजेश राजेश बहल ने किया उन्होंने ने कहा कि इस चिकित्सालय का उद्देश्य आम जनता को उत्तम स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है इस स्वास्थ्य कैंप में मरीज को निशुल्क दवाओ के साथ जांच की जाती है आज आयोजित कैंप मे कल 463 मरीजों की जांच हुई जिसमे 14 मोतियाबिंद के मरीज चिन्हित हुए आज कैंप में उपस्थित डॉक्टरों में सर्जन राकेश सिंह सर्जन राजीव शाही नेत्र सर्जन डॉ रेणु गुप्ता डॉ मनोज गुप्ता डॉ ओ पी सिंह आर्थो सर्जन डॉ प्रदीप हरिवंश यादव डॉ पवन ने विशेष योगदान दिया।

प्रबंधक गिरिजेश मिश्रा ने कैंप में सहयोग के लिये वंशराज कालेज के प्रबंधक मंडल नर्सिंग कॉलेज की छात्राएं चिकित्सालय के सभी स्टाफ एवं उपस्थित सभी डॉक्टरों एवं मरीज का आभार व्यक्त किया।

समाचार दर्पण

सिलाई कढ़ाई प्रशिक्षण में दी गई माप लेने व कटिंग की जानकारी

संवाददाता

गोरखापुर। महायोगी गोरखानाथ विश्वविद्यालय में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के नारी स्वावलंबन अभियान के अन्तर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा आयोजित सप्त दिवसीय निशुल्क सिलाई कढाई प्रशिक्षण शिविर के छठवें दिन महिलाओं को सिलाई कढाई में प्रशिक्षण मे कपडों का माप लेने की विधि समझाई गई। प्रशिक्षक कमलावती ने महिलाओं को पैंट, सूट आदि की कटिंग, प्रशिक्षक निर्मला एवं निम्मी ने महिलाओं के सूट नापने की विधि एवं उसकी ड्राफ्टिंग तथा गुडिया व ज्योति ने सिलाई मशीन के तकनीकी पुर्जो के बारे मे जानकारी दी। छह दिन के प्रशिक्षण में अब तक मिले व्यावहारिक प्रशिक्षण से महिलाएंकाफी उत्साहित हैं। प्रशिक्षण कार्यशाला का पर्यवेक्षण राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी धनंजय पांडेय ने किया। 200 से अधिक महिलाएं प्रशिक्षण शिविर में उपस्थित रहीं।

सिलाई कढ़ाई प्रशिक्षण में दी गई माप लेने व कटिंग की जानकारी

गोरखपुर। (स्पष्ट आवाज)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के नारी स्वावलंबन अभियान के अन्तर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा आयोजित सप्त दिवसीय निशुल्क सिलाई कढ़ाई प्रशिक्षण शिविर के छठवें दिन महिलाओं को सिलाई कढ़ाई में प्रशिक्षण मे कपड़ों का माप लेने की विधि समझाई गई।

प्रशिक्षक कमलावती ने महिलाओं को पैंट, सूट आदि की कटिंग, प्रशिक्षक निर्मला एवं निम्मी ने महिलाओं के सूट नापने की विधि एवं उसकी ड्राफ्टिंग तथा गुड़िया व ज्योति ने सिलाई मशीन के तकनीकी पुर्जों के बारे में जानकारी दी। छह दिन के प्रशिक्षण में अब तक मिले व्यावहारिक प्रशिक्षण से महिलाएंकाफी उत्साहित हैं। प्रशिक्षण कार्यशाला का पर्यवेक्षण राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी धनंजय पांडेय ने किया। 200 से अधिक महिलाएं प्रशिक्षण शिविर में उपस्थित रहीं।

सिलाई कढ़ाई प्रशिक्षण में दी गई माप लेने व कटिंग की जानकारी

मखौड़ा संदेश गोरखपुर संवाददाता।

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के नारी स्वावलंबन अभियान के अन्तर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा आयोजित सप्त दिवसीय निशुल्क सिलाई कढाई प्रशिक्षण शिविर के छठवे दिन महिलाओं को सिलाई कढ़ाई में प्रशिक्षण मे कपड़ों का माप लेने की विधि समझाई गई।

प्रशिक्षक कमलावती ने महिलाओं को पैंट, सूट आदि की कटिंग, प्रशिक्षक निर्मला एवं निम्मी ने महिलाओं के सूट नापने की विधि एवं उसकी ड्राफ्टिंग तथा गुडिया व ज्योति ने सिलाई मशीन के तकनीकी पुर्जों के बारे में जानकारी दी। छह दिन के प्रशिक्षण में अब तक मिले व्यावहारिक प्रशिक्षण से महिलाएंकाफी उत्साहित हैं। प्रशिक्षण कार्यशाला का पर्यवेक्षण राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी धनंजय पांडेय ने किया। 200 से अधिक महिलाएं प्रशिक्षण शिविर में उपस्थित रही।

दी गई माप व कटिंग की जानकारी

गोरखपुर (एसएनबी)। महायोगी गोरखनाथ विवि में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के नारी स्वावलंबन अभियान के तहत राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा आयोजित सप्त दिवसीय निशुल्क सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण शिविर के छठवें दिन महिलाओं को कपड़ों का माप लेने की विधि समझाई गई। प्रशिक्षक कमलावती ने महिलाओं को पैंट, सूट आदि की कटिंग, प्रशिक्षक निर्मला एवं निम्मी ने महिलाओं के सूट नापने की विधि एवं उसकी ड्राफ्टिंग तथा गुड़िया व ज्योति ने सिलाई मशीन के तकनीकी पुर्जो के बारे में जानकारी दी। छह दिन के प्रशिक्षण में अब तक मिले व्यावहारिक प्रशिक्षण से महिलाएं काफी उत्साहित हैं। प्रशिक्षण कार्यशाला का पर्यवेक्षण रासेयो के कार्यक्रम अधिकारी धनंजय पांडेय ने किया। 200 से अधिक महिलाएं प्रशिक्षण शिविर में उपस्थित रहीं।

महिलाओं का प्रशिक्षण पूरा, बांटे प्रमाण पत्र

गोरखपुर

अमृत विचार। नारी स्वालम्बन अभियान के तहत महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद गोरखपुर के सौजन्य से महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में आयोजित सप्त दिवसीय सिलाई-कढाई प्रशिक्षण कार्यशाला का मंगलवार को समापन हुआ। प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

महिला प्रशिक्षणर्थियों को आत्मनिर्भर बनने का संकल्प दिलाते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ अतुल वाजपेयी ने कहा कि महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद शिक्षा, चिकित्सा सेवा क्षेत्र के साथ सामाजिक उत्थान में भी अग्रणी भूमिका निभा रहा है। कहा कि समाज के हर क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी है। बेरोजगार महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में सिलाई कढाई प्रशिक्षण महत्वपूर्ण योगदान देगा। इससे महिलाएं घर परिवार को आर्थिक संबल देने में आगे आ सकती हैं। स्व रोजगार से, छोटे छोटे समूह बनाकर बड़े लक्ष्य को साधने में यह प्रयास महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। सिलाई कढाई प्रशिक्षण से स्वयं निर्मित प्रोडेक्ट को बाजार में उतारा जा सकता है। बाजार में तेजी से बदलाव हो रहा है अब लोग लोकल फॉर वोकल से हस्त निर्मित समान भी अंतराष्ट्रीय बाजार में जगह बना रहे है। पूर्ण विश्वास है यहां से प्रशिक्षण पूर्ण करने वाली महिलाएं स्वालंबी, आत्मनिर्भर होकर रोजगार का सृजन करेंगी। गुरु गोरखनाथ इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज चिकित्सालय के निदेशक डॉ राजेश बहल ने कहा कि महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद समाज के हर व्यक्ति को कौशल विकास मिशन से व्यक्ति के हुनर को निखार कर रोजगार के लिए प्रेरित करता है।

फार्मेसी संकाय के प्राचार्य प्रो. एसके सिंह ने स्व रोजगार के प्रति महिलाओ को प्रेरित करते हुए कहा कि स्व रोजगार से स्वयं के साथ अन्य लोगों को भी आप आर्थिक रूप से सशक्त कर सकते है। राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक डॉ अखिलेश दूबे ने कहा की कुशल नेतृत्व और प्रशिक्षण से नारी अपने भविष्य के साथ घर परिवार को भी आर्थिक संबल दे सकती है। सिलाई कढ़ाई प्रशिक्षण शिविर में प्रशिक्षित महिलाएं टेक्सटाइल क्षेत्र में क्रांति लाएंगी। कार्यशाला के संयोजक एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी धनंजय पाण्डेय आभार ज्ञापन करते हुए कहा कि तकनीकी कौशल प्रशिक्षण से महिलाओ में आत्मनिर्भर होने का स्वाभिमान जाग्रत हुआ है। आयोजन में प्रशिक्षक कमलावती प्रजापति, सुभावती शर्मा, ज्योति भारती, गुड़िया, निम्मी चौधरी, निर्मला प्रजापति, शीला, कार्यक्रम अधिकारी डॉ विकास यादव, सहायक आचार्य डॉ संदीप कुमार श्रीवास्तव, वंदना, अनीता, नंदनी, सविता, गायत्री, प्रियंका, पूनम देवी, स्नेहलता सहित 221 महिला प्रशिक्षणार्थी उपस्थित रहीं।

सिलाई प्रशिक्षण से आत्मनिर्भर बनेंगी महिलाएं

गोरखपुर। महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की ओर से नारी स्वालम्बन अभियान के तहत संचालित सात दिवसीय कार्यशाला का समापन मंगलवार को हुआ। इस दौरान महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में सात दिवसीय सिलाई-कढाई प्रशिक्षण कार्यशाला में हिस्सा लेने वाली सभी प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। समापन समारोह में विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी ने कहा कि उन्हें पूर्ण विश्वास है कि यहां से प्रशिक्षण पूर्ण करने वाली महिलाएं स्वालंबी, आत्मनिर्भर होकर रोजगार का सृजन करेंगी।

सिलाई प्रशिक्षण से आत्मनिर्भर बनेंगी महिलाएं : डॉ. वाजपेयी

☐ महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में सप्त दिवसीय सिलाई कढ़ाई प्रशिक्षण कार्यशाला का समापन

स्वतंत्र चेतना

नगर संवाददाता /गोरखपुर। नारी स्वालम्बन अभियान के तहत महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद गोरखपुर के सौजन्य से महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में आयोजित सप्त दिवसीय सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण कार्यशाला का मंगलवार को समापन हुआ। इस अवसर पर सभी प्रशिक्षणार्थियो को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

महिला प्रशिक्षणर्थियो को आत्मनिर्भर बनने का संकल्प दिलाते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ अतुल वाजपेयी ने कहा कि महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद शिक्षा, चिकित्सा सेवा क्षेत्र के साथ सामाजिक उत्थान में भी अग्रणी भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि समाज के हर क्षेत्र में महिलाओ की भागीदारी है। बेरोजगार महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में सिलाई कढ़ाई प्रशिक्षण महत्वपूर्ण योगदान देगा। इससे महिलाएं घर परिवार को आर्थिक संबल देने में आगे आ सकती हैं।

गुरु गोरखनाथ इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज चिकित्सालय के निदेशक डॉ राजेश बहल ने कहा कि महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद समाज के हर व्यक्ति को कौशल विकास मिशन से व्यक्ति के हुनर को निखार कर रोजगार के लिए प्रेरित करता है। सिलाई कढाई प्रशिक्षण शिविर में प्रशिक्षित महिलाएं टेक्सटाइल क्षेत्र में क्राति लाएंगी। कार्यशाला के संयोजक एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी धनंजय पाण्डेय आभार ज्ञापन करते हुए कहा कि तकनीकी कौशल प्रशिक्षण से महिलाओ में आत्मनिर्भर होने का स्वाभिमान जाग्रत हुआ है। निश्चय ही प्रशिक्षण लेकर महिलाए रोजगार के नए पथ की ओर अग्रसित होंगी। आयोजन में प्रशिक्षक कमलावती प्रजापति, सुभावती शर्मा, ज्योति भारती, गुड़िया, निम्मी चौधरी, निर्मला प्रजापति, शीला, कार्यक्रम अधिकारी डॉ विकास यादव, सहायक आचार्य डॉ संदीप कुमार श्रीवास्तव, वंदना, अनीता, नंदनी, सविता, गायत्री, प्रियंका, पूनम देवी, शीला चौधरी, स्नेहलता, मीरा, नीतम, किरण निषाद, चंद शीला, 221 महिला प्रशिक्षणार्थी उपस्थित रही।

समाचार दर्पण

लोकतंत्र की मजबूती के लिए अनमोल है मताधिकार:डॉ. बहल

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में ग्रामीण महिलाओं ने लिया मतदान का संकल्प

संवाददाता

गोरखपुर, 13 मार्च। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में वोट फॉर श्योर मतदाता जागरूकता अभियान के तहत बुधवार को सोनबरसा, बालापार और सिकटौर (मानीराम) क्षेत्र की ग्रामीण महिलाओं को लोकतंत्र के प्रति जागरूक किया गया। इस अवसर पर इन महिलाओं ने निर्भीक होकर मतदान करने का संकल्प लिया।

इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज अस्पताल के निदेशक कर्नल डॉ. राजेश बहल ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए मताधिकार अनमोल है। लोकतंत्र का प्रथम संस्कार वोट का अधिकार है। उन्होंने कहा कि मातृ शक्ति लोकतंत्र में अपनी भूमिका को भी बखूबी समझती है और अपने वोट की ताकत का इस्तेमाल देश को मजबूत बनाने में करेगी। फार्मेसी विभाग के प्रमुख प्रो. एसके सिंह ने कहा कि सभी लोगों को जाति, धर्म, क्षेत्र, भाषा, संप्रदाय की भावना छोड़कर राष्ट्र सेवा में समर्पित जनप्रतिनिधि को अपना मत देना चाहिए।

इस अवसर पर मतदाता जागरूकता अभियान के नोडल स्वीप अधिकारी डॉ. संदीप श्रीवास्तव ने सभी मतदाताओं को मतदाता शपथ ग्रहण कराया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी धनंजय पाण्डेय, डॉ. विकास यादव की सक्रिय सहभागिता रही।

लोकतंत्र की मजबूती के लिए अनमोल है मताधिकार : डॉ. बहल

☐महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में ग्रामीण महिलाओं ने लिया मतदान का संकल्प

स्वतंत्र वेतना

नगर संवाददाता /गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में वोट फॉर श्योर मतदाता जागरूकता अभियान के तहत बुधवार को सोनबरसा, बालापार और सिकटौर (मानीराम) क्षेत्र की ग्रामीण महिलाओं को लोकतंत्र के प्रति जागरूक किया गया। इस अवसर पर इन महिलाओं ने निर्भीक होकर मतदान करने का संकल्प लिया।

इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज अस्पताल के निदेशक कर्नल डॉ. राजेश बहल ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए मताधिकार अनमोल है। लोकतंत्र का प्रथम संस्कार वोट का अधिकार है। उन्होंने कहा कि मातृ शक्ति लोकतंत्र में अपनी भूमिका को भी बखूबी समझती है और अपने वोट की ताकत का इस्तेमाल देश को मजबूत बनाने में करेगी। फार्मेसी विभाग के प्रमुख प्रो. एसके सिंह ने कहा कि सभी लोगों को जाति, धर्म, क्षेत्र, भाषा, संप्रदाय की भावना छोड़कर राष्ट्र सेवा में समर्पित जनप्रतिनिधि को अपना मत देना चाहिए।

इस अवसर पर मतदाता जागरूकता अभियान के नोडल स्वीप अधिकारी डॉ. संदीप श्रीवास्तव ने सभी मतदाताओं को मतदाता शपथ ग्रहण कराया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी धनंजय पाण्डेय, डॉ. विकास यादव की सक्रिय सहभागिता रही।

लोकतंत्र की मजबूती के लिए अनमोल है मताधिकार

गोरखपुर (एसएनबी)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में वोट फार श्योर मतदाता जागरूकता अभियान के तहत बुधवार को सोनबरसा, बालापार और सिकटौर क्षेत्र की ग्रामीण महिलाओं को लोकतंत्र के प्रति जागरूक किया गया। इस अवसर पर इन महिलाओं ने निर्भीक होकर मतदान करने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज अस्पताल के निदेशक कर्नल डा. राजेश बहल ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए मताधिकार अनमोल है। लोकतंत्र का प्रथम संस्कार वोट का अधिकार है। उन्होंने कहा कि मातृ शक्ति लोकतंत्र में अपनी भूमिका को भी बखूबी समझती है और अपने वोट की ताकत का इस्तेमाल देश को मजबूत बनाने में करेगी। फार्मेसी विभाग के प्रमुख प्रो. एसके सिंह ने कहा कि सभी लोगों को जाति, धर्म, क्षेत्र, भाषा, संप्रदाय की भावना छोड़कर राष्ट्र सेवा में समर्पित जनप्रतिनिधि को अपना मत देना चाहिए।

इस अवसर पर मतदाता जागरूकता अभियान के डा. संदीप श्रीवास्तव ने सभी मतदाताओं को मतदाता शपथ ग्रहण कराया।

लोकतंत्र की मजबूती के लिए अनमोल है मताधिकार:डॉ. बहल

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में ग्रामीण महिलाओं ने लिया मतदान का संकल्प

संवाददाता

गोरखपुर, 13 मार्च। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में वोट फॉर श्योर मतदाता जागरूकता अभियान के तहत बुधवार को सोनबरसा, बालापार और सिकटौर (मानीराम) क्षेत्र की ग्रामीण महिलाओं को लोकतंत्र के प्रति जागरूक किया गया। इस अवसर पर इन महिलाओं ने निर्भीक होकर मतदान करने का संकल्प लिया।

इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज अस्पताल के निदेशक कर्नल डॉ. राजेश बहल ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए मताधिकार अनमोल है। लोकतंत्र का प्रथम संस्कार वोट का अधिकार है। उन्होंने कहा कि मातृ शक्ति लोकतंत्र में अपनी भूमिका को भी बखूबी समझती है और अपने वोट की ताकत का इस्तेमाल देश को मजबूत बनाने में करेगी। फार्मेसी विभाग के प्रमुख प्रो. एसके सिंह ने कहा कि सभी लोगों को जाति, धर्म, क्षेत्र, भाषा, संप्रदाय की भावना छोड़कर राष्ट्र सेवा में समर्पित जनप्रतिनिधि को अपना मत देना चाहिए।

इस अवसर पर मतदाता जागरूकता अभियान के नोडल स्वीप अधिकारी डॉ. संदीप श्रीवास्तव ने सभी मतदाताओं को मतदाता शपथ ग्रहण कराया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी धनंजय पाण्डेय, डॉ. विकास यादव की सक्रिय सहभागिता रही।

लोकतंत्र की मजबूती के लिए अनमोल है मताधिकार : डॉ. बहल

भास्कर ब्यूरो

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में वोट फॉर श्योर मतदाता जागरूकता अभियान के तहत बुधवार को सोनबरसा, बालापार और सिकटौर (मानीराम) क्षेत्र की ग्रामीण महिलाओं को लोकतंत्र के प्रति जागरूक किया गया। इस अवसर पर इन महिलाओं ने निर्भीक होकर मतदान करने का संकल्प लिया।

इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज अस्पताल के निदेशक कर्नल डॉ. राजेश बहल ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए मताधिकार अनमोल है। लोकतंत्र का प्रथम संस्कार वोट का अधिकार है। उन्होंने कहा कि मातृ शक्ति लोकतंत्र में अपनी भूमिका को भी बखूबी समझती है और अपने वोट की ताकत का इस्तेमाल देश को मजबूत बनाने में करेगी। फार्मेसी विभाग के प्रमुख प्रो. एसके सिंह ने कहा कि सभी लोगों को जाति, धर्म, क्षेत्र, भाषा, संप्रदाय की भावना छोड़कर राष्ट्र सेवा में समर्पित जनप्रतिनिधि को अपना मत देना चाहिए। इस अवसर पर मतदाता जागरूकता अभियान के नोडल स्वीप अधिकारी डॉ. संदीप श्रीवास्तव ने सभी मतदाताओं को मतदाता शपथ ग्रहण कराया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी धनंजय पाण्डेय, डॉ. विकास यादव की सक्रिय सहभागिता रही।

समाचार दर्पण

विवि में मनाया गया विश्व किडनी दिवस

लोकभारती न्यूज ब्यूरो

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के महंत अवेद्यनाथ पैरामेडिकल कॉलेज में गुरुवार को विश्व किडनी दिवस मनाया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने किडनी व डायलिसिस से संबंधित यूरिनरी सिस्टम, नेफ्रॉन, मिक्चरेशन, पीरिटोनियल डायलिसिस, हेमोडायलिसिस व डायलिसिस मरीजों के लिए नुट्रिशन के कार्यरत मॉडल का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी ने किया। कार्यक्रम में डायलिसिस के इंचार्ज संजीव ने बताया कि किडनी का कार्य शरीर में मौजूद अपशिष्ट पदार्थों को शरीर से बाहर निकालना होता है। इन अपशिष्ट पदार्थों की मौजूदगी शरीर के कई रोगों को जन्म दे सकती है। यही बात लोगों तक पहुंचाने के मकसद से विश्व किडनी दिवस की शुरूआत की गई। पेट के पीछे पसलियों के नीचे दाये व बाये साइड में हमारी किडनियां स्थित रहती है जो देखने में बिल्कुल राजमे की तरह होती है। यह हमारे शरीर में ब्लड को फील्टर करने का काम करती है। उन्होंने कहा कि एक रिसर्च रिपोर्ट के अनुसार दुनिया भर में 10 में से 1 व्यक्ति कुछ हद तक क्रोनिक किडनी रोग से पीड़ित है।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के प्रशासनिक अधिष्ठाता डॉ. राजेंद्र भारती, डिप्टी रजिस्ट्रार श्रीकांत, पैरामेडिकल कॉलेज के प्राचार्य रोहित कुमार श्रीवास्तव, फार्मेसी कॉलेज के प्राचार्य शशिकांत, डा संदीप श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में पैरामेडिकल कॉलेज के शिक्षक अभिनव, शुभम, संदीप, अनूप, सोनू, आकाश, कुलदीप, बृजेश व कॉलेज के समस्त विद्यार्थियों का योगदान रहा।

महायोगी गोरखनाथ विवि में मनाया गया विश्व किडनी दिवस

मखौड़ा संदेश गोरखपुर संवाददाता।

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के महंत अवेद्यनाथ पैरामेडिकल कॉलेज में गुरुवार को विश्व किडनी दिवस मनाया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने किडनी व डायलिसिस से संबंधित यूरिनरी सिस्टम, नेफ्रॉन, मिक्चरेशन, पीरिटोनियल डायलिसिस, हेमोडायलिसिस व डायलिसिस मरीजों के लिए नुट्रिशन के कार्यरत मॉडल का प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम का उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी ने किया। कार्यक्रम में डायलिसिस के इंचार्ज संजीव ने बताया कि किडनी का कार्य शरीर में मौजूद अपशिष्ट पदार्थों को शरीर से बाहर निकालना होता है। इन अपशिष्ट पदार्थों की मौजूदगी शरीर के कई रोगों को जन्म दे सकती है। यही बात लोगों तक पहुंचाने के मकसद से 'विश्व किडनी दिवस' की शुरूआत की गई। पेट के पीछे पसलियों के नीचे दाये व बाये साइड में हमारी किडनियां स्थित रहती है जो देखने में बिल्कुल राजमे की तरह होती है। यह हमारे शरीर में ब्लड को फील्टर करने का काम करती है। उन्होंने कहा कि एक रिसर्च रिपोर्ट के अनुसार दुनिया भर में 10 में से 1 व्यक्ति कुछ हद तक क्रोनिक किडनी रोग से पीड़ित है।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के प्रशासनिक अधिष्ठाता डॉ. राजेंद्र भारती, डिप्टी रजिस्ट्रार श्रीकांत, पैरामेडिकल कॉलेज के प्राचार्य रोहित कुमार श्रीवास्तव, फार्मेसी कॉलेज के प्राचार्य शशिकांत, डा संदीप श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में पैरामेडिकल कॉलेज के शिक्षक अभिनव, शुभम, संदीप, अनूप, सोनू, आकाश, कुलदीप, बृजेश व कॉलेज के समस्त विद्यार्थियों का योगदान रहा।

महायोगी गोरखनाथ विवि में रासेयो के विशेष शिविर का शुभारंभ

कार्यक्रम | गोरखनाथ विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना की सभी इकाइयों के 7 दिवसीय शिविर की हुई शुरुआत

स्वतंत्र चेतना नगर संवाददाता /गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर की राष्ट्रीय सेवा योजना समस्त इकाई के सप्तदिवसीय विशेष शिविर का शुभारभ रविवार को हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप मे दीनदयाल गोरखपुर विश्वविद्यालय में शिक्षा विभाग की प्रोफेसर शोभा गौड़ उपस्थित रही इस अवसर पर उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के व्यक्तित्व और चारित्रिक विकास के लिए यह जरूरी है कि व्यक्ति खुद को एक अलग इकाई की बजाय समाज का हिस्सा मानकर काम करे। राष्ट्रीय सेवा योजना स्व की बजाय सामूहिकता से जोड़ने और

समाज व राष्ट्र निर्माण का सशक्त मंच प्रदान करता है। शुभारंभ अवसर पर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी ने कहा कि इस विश्वविद्यालय का मूल विचार लोक कल्याण है। ऐसे मे यहा के विद्यार्थियो का दायित्व है कि वे उन कार्यों से खुद को जोड़ें जो लोक कल्याण के पथ का अनुसरण करते हो। शिविर का उद्घाटन प्रो शोभा गौड़, मेजर जनरल डॉ अतुल वाजपेयी एवं विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ प्रदीप कुमार राव ने दीप प्रज्वलित कर किया। राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक दिवसीय विशेष शिविर की शुरुआत डॉ अखिलेश दुबे ने शिविर के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला जबकि आभार ज्ञापन कार्यक्रम अधिकारी धनंजय पाण्डेय ने किया। इस अवसर पर हॉस्पिटल के निदेशक कर्नल डॉ राजेश बहल, कार्यक्रम अधिकारी डॉ विकास कुमार यादव, प्रिया सिंह, शिवांगी दुबे, ऐमन आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

सामूहिकता से जोड़ने का मंच देती है राष्ट्रीय सेवा योजना

संवाददाता, गोरखपुर

अमृत विचार : गोरखनाथ विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना की सभी इकाइयों के 7 दिवसीय विशेष शिविर की शुरुआत रविवार से हुई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप मे दीनदयाल गोरखपुर विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग की प्रोफेसर शोभा गौड़ मौजूद रहीं।

शिविर मे अतिथि का स्वागत करते आयोजक। अमृत विचार

उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के व्यक्तित्व और चारित्रिक विकास के लिए यह जरूरी है कि व्यक्ति खुद को एक अलग इकाई की बजाए समाज का हिस्सा मानकर काम करे। राष्ट्रीय सेवा योजना खुद को सशक्त मंच प्रदान करता है। इस अवसर पर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी ने कहा कि विश्वविद्यालय का मूल विचार लोक कल्याण है। विद्यार्थियों का दायित्व है कि वे उन कार्यों से खुद को जोड़े जो लोक कल्याण के पथ का अनुसरण करते हो। शिविर का उद्घाटन प्रो शोभा गौड़, मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी व विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने दीप प्रज्वलित कर किया। राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अखिलेश दुबे ने शिविर के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। आभार ज्ञापन धनंजय पांडेय ने किया। इस दौरान हॉस्पिटल के निदेशक कर्नल डॉ राजेश बहल, कार्यक्रम अधिकारी डॉ विकास कुमार यादव, प्रिया सिंह, शिवांगी दुबे, ऐमन आदि मौजूद रहे।

युवाओं से अधिक मतदान के लिए प्रेरित

गोरखपुर, वरिष्ठ संवाददाता। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना (रासेयो) की सभी इकाइयों के सात दिवसीय विशेष शिविर के पांचवें दिन गुरुवार को ग्रामसभा सिकटौर में निर्वाचक साक्षरता क्लब के सहयोग से मतदाता जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में युवाओं को अधिक से अधिक मतदान करने के लिए प्रेरित किया गया।

निर्वाचक साक्षरता क्लब के सहयोग से मतदाता जागरूकता कार्यशाला का आयोजन।

कार्यशाला में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के स्वीप नोडल अधिकारी डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि लोकतंत्र के महापर्व में प्रथम संस्कार मतदान है। एक-एक वोट से सरकार गिरती और बनती है। वोट का अधिकार प्रत्येक व्यक्ति का मौलिक अधिकार है। निर्वाचक साक्षरता क्लब के विश्वविद्यालय के ब्रांड एम्बेसडर छात्र नीलेश कुमार यादव ने बताया कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में निर्वाचक साक्षरता क्लब का गठन करके युवा मतदाताओं को वोट की शक्ति के प्रति जागरूक किया जा रहा है। शिवम पाण्डेय ने कहा की चुनाव में सोच समझ कर भागीदारी करने और नैतिकता के साथ अधिक से अधिक मतदान करने का संकल्प लेना होगा।

राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी धनंजय पाण्डेय ने कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा कि लोकतंत्र को सफल बनाने में हर नागरिक की जिम्मेदारी अहम है। कार्यक्रम अधिकारी धनंजय पाण्डेय के नेतृत्व में सभी विद्यार्थियों ने मतदान का संकल्प लिया। कार्यशाला में ग्राम सभा सिकटौर के ग्राम प्रधान प्रतिनिधि राकेश सिंह ने युवाओं को मतदाता सूची में जुड़ने व अधिक से अधिक मतदान के लिए प्रेरित किया।

कार्यशाला का आयोजन कर किया मतदाताओं को जागरूक

महायोगी गोरखनाथ विवि में रासेयो शिविर का पांचवां दिन

स्वतंत्र चेतना

नगर संवाददाता /गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना (रासेयो) की सभी इकाइयों के सात दिवसीय विशेष शिविर के पांचवें दिन गुरुवार को ग्रामसभा सिकटौर में निर्वाचक साक्षरता क्लब के सहयोग से मतदाता जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में युवाओं को अधिक से अधिक मतदान करने के लिए प्रेरित किया गया।

कार्यशाला में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के स्वीप नोडल अधिकारी डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि लोकतंत्र के महापर्व में प्रथम संस्कार मतदान है। एक-एक वोट से सरकार गिरती और बनती है। वोट का अधिकार प्रत्येक व्यक्ति का मौलिक अधिकार

है। निर्वाचक साक्षरता क्लब के विश्वविद्यालय के ब्रांड एम्बेसडर छात्र नीलेश कुमार यादव ने बताया कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में निर्वाचक साक्षरता क्लब का गठन करके युवा मतदाताओं को वोट की शक्ति के प्रति जागरूक किया जा रहा है। शिवम पाण्डेय ने कहा की चुनाव में सोच समझ कर भागीदारी करने और नैतिकता के साथ अधिक से अधिक मतदान करने का संकल्प लेना होगा।

राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी धनंजय पाण्डेय ने कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा कि लोकतंत्र को सफल बनाने में हर नागरिक की जिम्मेदारी अहम है। कार्यक्रम अधिकारी धनंजय पाण्डेय के नेतृत्व में सभी विद्यार्थियों ने मतदान का संकल्प लिया। कार्यशाला में ग्राम सभा सिकटौर के ग्राम प्रधान प्रतिनिधि राकेश सिंह ने युवाओं को मतदाता सूची में जुड़ने व अधिक से अधिक मतदान के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम का संचालन अनिकेत और धन्यवाद ज्ञापन उत्कर्ष सिंह ने किया।

समाचार दर्पण

समय पर पीड़ित की मदद सबसे बड़ी सामाजिकता : डॉ. अजीथा'

'महायोगी गोरखनाथ विवि में रासेयो शिविर का छठवां दिन'

संवाददाता

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना (रासेयो) की सभी इकाइयों के सात दिवसीय विशेष शिविर के छठवें दिन शुक्रवार को बौद्धिक सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज आफ नर्सिंग की प्राचार्या डॉ डीएस अजीथा ने कहा कि समय पर पीड़ित की मदद करना सबसे बड़ी सामाजिकता है।

डॉ अजीथा ने कहा कि हर जागरूक व्यक्ति को प्राथमिक उपचार की जानकारी रहे तो समाज के लिए बड़ा योगदान दिया जा सकता है। उन्होंने स्वयंसेवकों को अलग अलग परिस्थितियों में प्राथमिक उपचार करने का तरीका भी समझाया। इस सत्र में अपने विचार रखते हुए गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज के प्राचार्य डॉ मंजूनाथ एनएस ने अनुशासन का महत्व समझाते हुए कहा कि जीवन के हर क्षेत्र में सफलता हासिल करने के लिए अनुशासित होना अनिवार्य शर्त है। शिविर के छठवें दिन सुबह योग प्रशिक्षक सुश्री चिन्मयी (सहायक आचार्य आयुर्वेद संकाय) ने स्वयंसेवकों को योगाभ्यास कराया। इसके बाद रासेयो की सभी इकाई के स्वयंसेवक अपने चयनित ग्राम में परियोजना कार्य करने पहुंचे। आर्यभट्ट इकाई एवं पारिजात इकाई द्वारा शिविर को स्वच्छ जागरूकता शपथ ग्रहण कराया गया जिसमें गांव के लोगों को जागरूक किया गया। सामाजिक सुरक्षा, शिक्षा जागरूकता अभियान में गानीराम की ग्राम प्रधान पूनम सिंह का सहयोग मिला। इसी क्रम में माता शबरी इकाई द्वारा ग्राम सोनबरसा में डिजिटल जागरूकता, साक्षरता अभियान के साथ बाल हिंसा के खिलाफ अभियान चलाया गया। नचिकेता इकाई ने ग्राम बालापार में स्वच्छता व गार्गी इकाई जे नशा मुक्ति अभियान चलाया। शिविर में रासेयो के कार्यक्रम अधिकारी धनंजय पांडेय, डॉ विकास कुमार यादव, कुंवर अभिनव सिंह राठौड़ आदि की सक्रिय सहभागिता रही।

समय पर पीड़ित की मदद सबसे बड़ी मानवता

स्वतंत्र भारत संवाददाता

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना (रासेयो) की सभी इकाइयों के सात दिवसीय विशेष शिविर के छठवें दिन शुक्रवार को बौद्धिक सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज आफ नर्सिंग की प्राचार्या डॉ डीएस अजीथा ने कहा कि समय पर पीड़ित की मदद करना सबसे बड़ी सामाजिकता है।

डॉ अजीथा ने कहा कि हर जागरूक व्यक्ति को प्राथमिक उपचार की जानकारी रहे तो समाज के लिए बड़ा योगदान दिया जा सकता है। उन्होंने स्वयंसेवकों को अलग अलग परिस्थितियों में प्राथमिक उपचार करने का तरीका भी समझाया। इस सत्र में अपने विचार रखते हुए गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज के प्राचार्य डॉ मंजूनाथ एनएस ने अनुशासन का महत्व समझाते हुए कहा कि जीवन के हर क्षेत्र में सफलता हासिल करने के लिए अनुशासित होना अनिवार्य शर्त है। शिविर के छठवें दिन सुबह योग प्रशिक्षक सुश्री चिन्मयी (सहायक आचार्य आयुर्वेद संकाय) ने स्वयंसेवकों को योगाभ्यास कराया। इसके बाद रासेयो की सभी इकाई के स्वयंसेवक अपने चयनित ग्राम में परियोजना कार्य करने पहुंचे। आर्यभट्ट इकाई एवं पारिजात इकाई द्वारा शिविर को स्वच्छ जागरूकता शपथ ग्रहण कराया गया जिसमें गांव के लोगों को जागरूक किया गया। सामाजिक सुरक्षा, शिक्षा जागरूकता अभियान में मानीराम की ग्राम प्रधान पूनम सिंह का सहयोग मिला। इसी क्रम में माता शबरी इकाई द्वारा ग्राम सोनबरसा में डिजिटल जागरूकता, साक्षरता अभियान के साथ बाल हिंसा के खिलाफ अभियान चलाया गया। नचिकेता इकाई ने ग्राम बालापार में स्वच्छता व गार्गी इकाई जे नशा मुक्ति अभियान चलाया। शिविर में रासेयो के कार्यक्रम अधिकारी धनंजय पांडेय, डॉ विकास कुमार यादव, कुंवर अभिनव सिंह राठौड़ आदि की सक्रिय सहभागिता रही।

जागरूक समाज ही करता है सशक्त राष्ट्र का निर्माण

गोरखपुर (एसएनबी)। महायोगी गुरु गोरखनाथ विवि के कुलपति प्रो. एके सिंह ने कहा कि एक जागरूक समाज ही सशक्त राष्ट्र का निर्माण करता है। विविध आयामों से समाज को जागरूक करने में राष्ट्रीय सेवा योजना से जुड़े स्वयंसेवक महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन कर सकते हैं।

रासेयो शिविर के समापन पर पुरस्कृत छात्राएं व अन्य।

■ महायोगी गोरखनाथ विवि में रासेयो शिविर का समापन

प्रो. सिंह महायोगी गोरखनाथ विवि में राष्ट्रीय सेवा योजना (रासेयो) की समस्त इकाई का सप्तदिवसीय विशेष शिविर के समापन समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि दीदउ गोविवि में वनस्पति विज्ञान विभाग की सहायक आचार्य एवं रासेयो की कार्यक्रम अधिकारी डॉ. के. सुनीता ने स्वयंसेवकों को प्रेरित करते हुए कहा कि मुश्किलों से कभी घबराना नहीं चाहिए। कोई भी कार्य तभी तक कठिन है जब तक उसके लिए प्रयास न किया जाए। जब मन से प्रयास किया जाता है तो हर काम आसान हो जाता है। शिविर के समापन अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत करने के साथ ही योग प्रशिक्षक डा. चिन्मोयी ठाकुरिया को सम्मानित गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डा. अतुल वाजपेयी ने की। इस अवसर पर कुलसचिव डा. प्रदीप कुमार राव, गुरु श्री गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज के निदेशक कर्नल राजेश बहल, रासेयो के कार्यक्रम समन्वयक डा. अखिलेश कुमार दुबे, कार्यक्रम अधिकारी डा. विकास कुमार यादव, धनंजय पाण्डेय, प्रिया सिंह, एमन खान, कविता भारती, शिवांगी एवं अभिनव सिंह राठौर आदि मौजूद रहे।

स्मृति चिन्ह देकर महायोगी गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एके सिंह का स्वागत करते कुलसचिव डा. प्रदीप कुमार राव ● सौ. : गोवि

बिना रुके राष्ट्र के निर्माण में लगे रहें स्वयंसेवक : डा. एके सिंह

गोरखपुर : महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में चल रहे सात दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना की समस्त इकाई के विशेष शिविर का शनिवार को समापन हुआ। समापन कार्यक्रम को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित करते हुए महायोगी गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एके सिंह ने कहा कि बिना रुके राष्ट्र निर्माण में योगदान के लिए स्वयंसेवकों को प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी ही देश का भविष्य है, उसे यह समझना होगा।

विशिष्ट अतिथि डा. के. सुनीता ने कहा कि मुश्किलों से न घबराने और परिश्रम से जीवन की राह आसान करने की सीख दी। कर्नल राजेश बहल ने कहा कि जीवन में कितना भी कठिन दौर आए, हमें अपने कर्तव्यों व दायित्वों के प्रति सजग रहना होगा, क्योंकि इसी से हम अपनी और राष्ट्र की पहचान को कायम रख सकेंगे। समापन कार्यक्रम के अंत में मुख्य अतिथि के हाथों सप्ताह भर आयोजित होने वाली विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।

योग प्रशिक्षक डा. चिन्मोयी ठाकुरिया सम्मानित की गईं। इससे पहले कार्यक्रम का शुभारंभ कुलपति मेजर जनरल डा. अतुल वाजपेयी, कुलसचिव डा. प्रदीप कुमार राव, राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डा. अखिलेश दुबे ने दीप जलाकर किया।

इस दौरान डा. विकास कुमार यादव, धनंजय पांडेय, प्रिया सिंह, एम खान, कविता भारती आदि मौजूद रहीं। (विज्ञप्ति)

जागरूक समाज ही करता है सशक्त राष्ट्र का निर्माण : प्रो. एके सिंह

☐ महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में रासेयो शिविर का समापन

स्वतंत्र वेतना

नगर संवाददाता /गोरखपुर। महायोगी गुरु गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एके सिंह ने कहा कि एक जागरूक समाज ही सशक्त राष्ट्र का निर्माण करता है। विविध आयामों से समाज को जागरूक करने में राष्ट्रीय सेवा योजना से जुड़े स्वयंसेवक महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन कर सकते हैं।

प्रो. सिंह महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में राष्ट्रीय सेवा योजना (रासेयो) की समस्त इकाई सप्तदिवसीय विशेष शिविर के समापन समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में वनस्पति विज्ञान विभाग की सहायक आचार्य एवं रासेयो की कार्यक्रम अधिकारी डॉ. के. सुनीता ने स्वयंसेवकों को प्रेरित करते हुए कहा कि मुश्किलों से कभी घबराना नहीं चाहिए। कोई भी कार्य तभी तक कठिन है जब तक उसके लिए प्रयास न किया जाए। जब मन से प्रयास किया जाता है तो हर काम आसान हो जाता है।

शिविर के समापन अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत करने के साथ ही योग प्रशिक्षक डॉ. चिन्मोयी ठाकुरिया को सम्मानित गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी ने की। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव, गुरु श्री गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज के निदेशक कर्नल राजेश बहल, रासेयो के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अखिलेश कुमार दुबे, कार्यक्रम अधिकारी डॉ. विकास कुमार यादव, धनंजय पाण्डेय, प्रिया सिंह, एमन खान, कविता भारती, शिवांगी, अभिनव सिंह राठौर आदि उपस्थित रहे।

समाचार दर्पण

महायोगी गोरखनाथ विवि में पहली अप्रैल से शुरू होगा विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश

संवाददाता

गोरखपुर। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के क्षेत्र में सुदृढ़ पहचान बनाने वाले महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, आरोग्यधाम में पहली अप्रैल से विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश की प्रक्रिया शुरू होगी। यह जानकारी महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में प्रवेश समिति के समन्वयक प्रो. सुनील कुमार सिंह ने दी है। विश्वविद्यालय में संचालित विविध पाठ्यक्रमों की जानकारी देते हुए प्रो. सिंह ने बताया कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय चिकित्सा एवं शिक्षा के क्षेत्र में पूर्वांचल का विशिष्ट संस्थान है। यहां अप्रैल माह से प्रवेश संबंधित प्रक्रिया प्रारंभ हो जाएगी। यहां प्रमुख रूप से संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय से बीएससी (ऑनर्स/ शोध) बायोटेक्नोलॉजी, बायोकेमिस्ट्री, माइक्रोबायोलॉजी, मेडिकल बायोकेमिस्ट्री, मेडिकल माइक्रोबायोलॉजी के साथ एमएससी में बायोटेक्नोलॉजी, मेडिकल बायोकेमिस्ट्री, मेडिकल माइक्रोबायोलॉजी, बायोकेमिस्ट्री, माइक्रोबायोलॉजी के कोर्स संचालित हैं। कृषि विभाग में चार वर्षीय बीएससी ऑनर्स, फार्मास्यूटिकल विज्ञान संकाय से डी फार्मा, बी फार्मा, बी फार्मा लेटरल प्रवेश लिया जा रहा है। नर्सिंग एंव पैरामेडिकल विभाग द्वारा नर्सिंग के क्षेत्र में एएनएम, जीएनएम, बेसिक बीएससी नर्सिंग, पोस्ट बेसिक बीएससी नर्सिंग, और एमएससी नर्सिंग के विषय संचालित किया जा रहा है। इसके साथ ही पैरामेडिकल विभाग में लैब टेक्नीशियन में डिप्लोमा, ऑप्टोमेट्री, एनेस्थीसिया एवम क्रिटिकल केयर टेक्नीशियन, ऑर्थोपेडिक एंड प्लास्टर टेक्नीशियन, इमरजेंसी एंड ट्रामाकेयर टेक्नीशियन, और डिप्लोमा इन डायलिसिस टेक्नीशियन आदि विषयों में कॉमन एंट्रेंस टेस्ट (सेट) के द्वारा प्रवेश लिया जायेगा। उन्होंने बताया कि विषय एवं प्रवेश प्रक्रिया संबंधित जानकारी विश्वविद्यालय की वेबसाइट https://mgug.ac.in/ पर ऑनलाइन उपलब्ध है। इच्छुक छात्र admissions@mgug.ac.in पर भी जानकारी ले सकते हैं। साथ ही प्रवेश लेने वाले अभ्यर्थी को प्रवेश संबंधित कोई असुविधा न हो, इसके लिए हेल्पलाइन नंबर 9559991801 पर भी कार्यदिवस में संपर्क किया जा सकता है।

गोरखनाथ विश्वविद्यालय में एक अप्रैल से होगा प्रवेश

गोरखपुर : महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में पहली अप्रैल से विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। प्रवेश समिति के समन्वय प्रो. सुनील कुमार सिंह ने बताया कि वहां प्रमुख रूप से संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय से बीएससी (आनर्स/शोध) बायोटेक्नोलाजी, बायोकेमिस्ट्री, माइक्रोबायोलाजी, मेडिकल बायोकेमिस्ट्री, मेडिकल माइक्रोबायोलाजी के साथ एमएससी में बायोटेक्नोलाजी, मेडिकल बायोकेमिस्ट्री, मेडिकल माइक्रोबायोलॉजी, बायोकेमिस्ट्री, माइक्रोबायोलाजी के कोर्स संचालित हैं। कृषि विभाग में चार वर्षीय बीएससी आनर्स, फार्मास्यूटिकल विज्ञान संकाय से डीफार्म, बीफार्म और बीफार्म लेटरल प्रवेश लिया जा रहा है। नर्सिंग एंव पैरामेडिकल विभाग द्वारा नर्सिंग के क्षेत्र में एएनएम, जीएनएम, बेसिक बीएससी नर्सिंग, पोस्ट बेसिक बीएससी नर्सिंग, और एमएससी नर्सिंग के विषय संचालित किए जा रहे हैं। इसके साथ ही पैरामेडिकल विभाग में लैब टेक्नीशियन में डिप्लोमा, आप्टोमेट्री, एनेस्थीसिय एवम क्रिटिकल केयर टेक्नीशियन आदि विषयों में कामन एंट्रेंस टेस्ट से प्रवेश लिया जायेगा। उन्होंने बताया कि विषय एवं प्रवेश प्रक्रिय संबंधित जानकारी विश्वविद्यालय की वेबसाइट https://mgug.ac.in/ पर आनलाइन उपलब्ध है। इच्छुक छात्र admissions@mgug.ac.in पर भी जानकारी ले सकते हैं। (विज्ञप्ति)।

माइग्रेन • नसों की चोट • लकवा • ब्रेनहेमरेज • साइटिका • कमर व गर्दन दर्द विशेषज्ञ
डॉ. अग्रज मिश्रा | प्रगति न्यूरो एण्ड स्पाइन सेन्टर

महायोगी गोरखनाथ विवि में पहली अप्रैल से शुरू होगा विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश

गोरखपुर, 30 मार्च। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के क्षेत्र में सुदृढ़ पहचान बनाने वाले महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, आरोग्यधाम में पहली अप्रैल से विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश की प्रक्रिया शुरू होगी।

यह जानकारी महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में प्रवेश समिति के समन्वयक प्रो. सुनील कुमार सिंह ने दी है। विश्वविद्यालय में संचालित विविध पाठ्यक्रमों की जानकारी देते हुए प्रो. सिंह ने बताया कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय चिकित्सा एवं शिक्षा के क्षेत्र में पूर्वांचल का विशिष्ट संस्थान है। यहां अप्रैल माह से प्रवेश संबंधित प्रक्रिया प्रारंभ हो जाएगी। यहां प्रमुख रूप से संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय से बीएससी (ऑनर्स/ शोध) बायोटेक्नोलॉजी, बायोकेमिस्ट्री, माइक्रोबायोलॉजी, मेडिकल बायोकेमिस्ट्री, मेडिकल माइक्रोबायोलॉजी के साथ एमएससी में बायोटेक्नोलॉजी, मेडिकल बायोकेमिस्ट्री, मेडिकल माइक्रोबायोलॉजी, बायोकेमिस्ट्री, माइक्रोबायोलॉजी के कोर्स संचालित हैं। कृषि विभाग में चार वर्षीय बीएससी ऑनर्स, फार्मास्यूटिकल विज्ञान संकाय से डी फार्मा, बी फार्मा, बी फार्मा लेटरल प्रवेश लिया जा रहा है। नर्सिंग एंव पैरामेडिकल विभाग द्वारा नर्सिंग के क्षेत्र में एएनएम, जीएनएम, बेसिक बीएससी नर्सिंग, पोस्ट बेसिक बीएससी नर्सिंग, और एमएससी नर्सिंग के विषय संचालित किया जा रहा है। इसके साथ ही पैरामेडिकल विभाग में लैब टेक्नीशियन में डिप्लोमा, ऑप्टोमेट्री, एनेस्थीसिया एवम क्रिटिकल केयर टेक्नीशियन, ऑर्थोपेडिक एंड प्लास्टर टेक्नीशियन, इमरजेंसी एंड ट्रामाकेयर टेक्नीशियन, और डिप्लोमा इन डायलिसिस टेक्नीशियन आदि विषयों में कॉमन एंट्रेंस टेस्ट (सेट) के द्वारा प्रवेश लिया जायेगा। उन्होंने बताया कि विषय एवं प्रवेश प्रक्रिया संबंधित जानकारी विश्वविद्यालय की वेबसाइट https://mgug. ac. in/ पर ऑनलाइन उपलब्ध है। इच्छुक छात्र admissions @mgug. ac.in पर भी जानकारी ले सकते हैं। साथ ही प्रवेश लेने वाले अभ्यर्थी को प्रवेश संबंधित कोई असुविधा न हो, इसके लिए हेल्पलाइन नंबर 9559991801 पर भी कार्यदिवस में संपर्क किया जा सकता है।

महायोगी गोरखनाथ विवि में पहली अप्रैल से शुरू होगा विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश

स्वतंत्र चेतना

नगर संवाददाता /गोरखपुर। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के क्षेत्र में सुदृढ़ पहचान बनाने वाले महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, आरोग्यधाम में पहली अप्रैल से विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश की प्रक्रिया शुरू होगी।

यह जानकारी महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में प्रवेश समिति के समन्वयक प्रो. सुनील कुमार सिंह ने दी है। विश्वविद्यालय में संचालित विविध पाठ्यक्रमों की जानकारी देते हुए प्रो. सिंह ने बताया कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय चिकित्सा एवं शिक्षा के क्षेत्र में पूर्वांचल का विशिष्ट संस्थान है। यहां अप्रैल माह से प्रवेश संबंधित प्रक्रिया प्रारंभ हो जाएगी। यहां प्रमुख रूप से संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय से बीएससी (ऑनर्स/ शोध) बायोटेक्नोलॉजी, बायोकेमिस्ट्री, माइक्रोबायोलॉजी, मेडिकल बायोकेमिस्ट्री, मेडिकल माइक्रोबायोलॉजी के साथ एमएससी में बायोटेक्नोलॉजी, मेडिकल बायोकेमिस्ट्री, मेडिकल माइक्रोबायोलॉजी, बायोकेमिस्ट्री, माइक्रोबायोलॉजी के कोर्स संचालित हैं। कृषि विभाग में चार वर्षीय बीएससी ऑनर्स, फार्मास्यूटिकल विज्ञान संकाय से डी फार्मा, बी फार्मा, बी फार्मा लेटरल प्रवेश लिया जा रहा है। नर्सिंग एंव पैरामेडिकल विभाग द्वारा नर्सिंग के क्षेत्र में एएनएम, जीएनएम, बेसिक बीएससी नर्सिंग, पोस्ट बेसिक बीएससी नर्सिंग, और एमएससी नर्सिंग के विषय संचालित किया जा रहा है। इसके साथ ही पैरामेडिकल विभाग में लैब टेक्नीशियन में डिप्लोमा, ऑप्टोमेट्री, एनेस्थीसिया एवम क्रिटिकल केयर टेक्नीशियन, ऑर्थोपेडिक एंड प्लास्टर टेक्नीशियन, इमरजेंसी एंड ट्रामाकेयर टेक्नीशियन, और डिप्लोमा इन डायलिसिस टेक्नीशियन आदि विषयों में कॉमन एंट्रेंस टेस्ट (सेट) के द्वारा प्रवेश लिया जायेगा। उन्होंने बताया कि विषय एवं प्रवेश प्रक्रिया संबंधित जानकारी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर ऑनलाइन उपलब्ध है।

समाचार दर्पण

संस्थान को प्रतिमान बनाने में छात्रों की बड़ी भूमिका

महायोगी गोरखनाथ विवि में छात्र संसद कार्यशाला का आयोजन

स्वतंत्र भारत संवाददाता

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने कहा कि किसी भी शिक्षण संस्थान को प्रतिमान बनाने में वहां के विद्यार्थियों की बड़ी भूमिका होती है। छात्र संसद के रूप में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय ने विद्यार्थियों की इसी भूमिका को सामने लाने की पहल की है। डॉ. राव रविवार को विश्वविद्यालय में आयोजित छात्र संसद कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय की परिकल्पना एक ऐसी व्यवस्था को जन्म देना है जो स्वचालित हो। जिसमे विद्यार्थी, शिक्षक, कर्मचारी एवं अधिकारी स्वतः संज्ञान लेते हुए एक ऐसे विश्वविद्यालय का निर्माण करें जो लोकार्थ की भावना से ओत-प्रोत होते हुए औरों के लिए अनुकरणीय होद्ध डॉ. राव ने छात्र पदाधिकारियों एवं प्रतिनिधियों के साथ संवाद स्थापित करते हुए छात्र संसद का स्वरूप और कार्य, छात्र संसद की कार्य पद्धति एवं प्रतिनिधियों की भूमिका व हम-हमारा विश्वविद्यालय एवं छात्र संसद जैसे विषयों पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने सामूहिकता एवं पारस्परिकता को छात्र संसद कार्यप्रणाली की धुरी बताया और छात्र प्रतिनिधियों में मानवीय मूल्यों के संवर्धन के साथ-साथ विश्वविद्यालय, समाज और राष्ट्रहित में उनकी उपयोगिता को रेखांकित किया। डॉ. विमल कुमार दूबे ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

शिक्षण संस्थान को प्रतिमान बनाने में विद्यार्थियों की बड़ी भूमिका :डॉ. राव

महायोगी गोरखनाथ विवि में छात्र संसद कार्यशाला का आयोजन

संवाददाता

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने कहा कि किसी भी शिक्षण संस्थान को प्रतिमान बनाने में वहां के विद्यार्थियों की बड़ी भूमिका होती है। छात्र संसद के रूप में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय ने विद्यार्थियों की इसी भूमिका को सामने लाने की पहल की है।

डॉ. राव रविवार को विश्वविद्यालय में आयोजित छात्र संसद कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय की परिकल्पना एक ऐसी व्यवस्था को जन्म देना है जो स्वचालित हो। जिसमे छात्र पदाधिकारियों एवं प्रतिनिधि जैसे विषयों पर विस्तृत चर्चा की।

उन्होंने सामूहिकता एवं पारस्परिकता को छात्र संसद कार्यप्रणाली की धुरी बताया और छात्र प्रतिनिधियों में मानवीय मूल्यों के संवर्धन के साथ-साथ विश्वविद्यालय, समाज और राष्ट्रहित में उनकी उपयोगिता को रेखांकित किया। इस कार्यशाला में छात्र संसद के पदाधिकारियों के साथ कक्षा प्रतिनिधियों ने बढ़चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यशाला के समन्वयक डॉ. विमल कुमार दूबे ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

संस्थान को प्रतिमान बनाने में विद्यार्थियों की बड़ी भूमिका

जागरण संवाददाता, गोरखपुर :

- महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में हुआ छात्र संसद कार्यशाला का आयोजन
- छात्र पदाधिकारियों व प्रतिनिधियों को डा. प्रदीप राव ने बताया छात्र संसद का स्वरूप

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के कुलसचिव डा. प्रदीप कुमार राव ने कहा कि किसी भी शिक्षण संस्थान को प्रतिमान बनाने में वहां के विद्यार्थियों की बड़ी भूमिका होती है। छात्र संसद के रूप में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय ने विद्यार्थियों की इसी भूमिका को सामने लाने की पहल की है। डा. राव रविवार को विश्वविद्यालय में आयोजित छात्र संसद कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय की परिकल्पना एक ऐसी व्यवस्था को जन्म देना है जो स्वचालित हो। जिसमे विद्यार्थी, शिक्षक, कर्मचारी एवं अधिकारी स्वतः संज्ञान लेते हुए एक ऐसे विश्वविद्यालय का निर्माण करें जो लोकार्थ की भावना से ओत-प्रोत होते हुए औरों के लिए अनुकरणीय हो। डा. राव ने छात्र पदाधिकारियों एवं प्रतिनिधियों के साथ संवाद स्थापित करते हुए छात्र संसद के स्वरूप और कार्य पर विस्तार से चर्चा की।

उन्होंने सामूहिकता एवं पारस्परिकता को छात्र संसद कार्यप्रणाली की धुरी बताया और छात्र प्रतिनिधियों में मानवीय मूल्यों के संवर्धन के साथ-साथ विश्वविद्यालय, समाज और राष्ट्रहित में उनकी उपयोगिता को रेखांकित किया। इस कार्यशाला में छात्र संसद के पदाधिकारियों के साथ कक्षा प्रतिनिधियों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। कार्यशाला के समन्वयक डा. विमल कुमार दूबे ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

शिक्षण संस्थान को प्रतिभावान बनाने में विद्यार्थियों की भूमिका: डॉ. राव

गोरखपुर। (स्पष्ट आवाज)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने कहा कि किसी भी शिक्षण संस्थान को प्रतिमान बनाने में वहां के विद्यार्थियों की बड़ी भूमिका होती है। छात्र संसद के रूप में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय ने विद्यार्थियों की इसी भूमिका को सामने लाने की पहल की है। डॉ. राव रविवार को विश्वविद्यालय में आयोजित छात्र संसद कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय की परिकल्पना एक ऐसी व्यवस्था को जन्म देना है जो स्वचालित हो। जिसमे विद्यार्थी, शिक्षक, कर्मचारी एवं अधिकारी स्वतः संज्ञान लेते हुए एक ऐसे विश्वविद्यालय का निर्माण करें जो लोकार्थ की भावना से ओत- प्रोत होते हुए औरों के लिए अनुकरणीय हो। डॉ. राव ने छात्र पदाधिकारियों एवं प्रतिनिधियों के साथ संवाद स्थापित करते हुए छात्र संसद का स्वरुप और कार्य, छात्र संसद की कार्य पद्धति एवं प्रतिनिधियों की भूमिका व हम-हमारा विश्वविद्यालय एवं छात्र संसद जैसे विषयों पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने सामूहिकता एवं पारस्परिकता को छात्र संसद कार्यप्रणाली की धुरी बताया और छात्र प्रतिनिधियों में मानवीय मूल्यों के संवर्धन के साथ-साथ विश्वविद्यालय, समाज और राष्ट्रहित में उनकी उपयोगिता को रेखांकित किया। इस कार्यशाला में छात्र संसद के पदाधिकारियों के साथ कक्षा प्रतिनिधियों ने बढ़चढ़कर हिस्सा लियाद्ध कार्यशाला के समन्वयक डॉ. विमल कुमार दूबे ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

छात्र संसद कार्यशाला आयोजित

गोरखपुर (एसएनबी)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा. प्रदीप कुमार राव ने कहा कि किसी भी शिक्षण संस्थान को प्रतिमान बनाने में वहां के छात्रों की बड़ी भूमिका होती है। छात्र संसद के रूप में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय ने छात्रों की इसी भूमिका को सामने लाने की पहल की है।

डा. राव रविवार को विश्वविद्यालय में आयोजित छात्र संसद कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय की परिकल्पना एक ऐसी व्यवस्था को जन्म देना है जो स्वचालित हो। जिसमे छात्र, शिक्षक, कर्मचारी एवं अधिकारी स्वतः संज्ञान लेते हुए एक ऐसे विश्वविद्यालय का निर्माण करें जो लोकार्थ की भावना से ओत- प्रोत होते हुए औरों के लिए अनुकरणीय हो। डा. राव ने छात्र पदाधिकारियों एवं प्रतिनिधियों के साथ संवाद स्थापित करते हुए छात्र संसद का स्वरुप और कार्य, छात्र संसद की कार्य पद्धति एवं प्रतिनिधियों की भूमिका व हम-हमारा विश्वविद्यालय एवं छात्र संसद जैसे विषयों पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने सामूहिकता एवं पारस्परिकता को छात्र संसद कार्यप्रणाली की धुरी बताया और छात्र प्रतिनिधियों में मानवीय मूल्यों के संवर्धन के साथ-साथ विश्वविद्यालय, समाज और राष्ट्रहित में उनकी उपयोगिता को रेखांकित किया। कार्यशाला में छात्र संसद के पदाधिकारियों के साथ कक्षा प्रतिनिधियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। अंत में कार्यशाला के समन्वयक डा. विमल कुमार दूबे ने आभार व्यक्त किया।

> ■ महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय की परिकल्पना एक ऐसी व्यवस्था को जन्म देना है जो स्वचालित हो : डा. प्रदीप

शिक्षण संस्थान को प्रतिमान बनाने में विद्यार्थियों की बड़ी भूमिका -डॉ. राव

गोरखपुर, 31 मार्च। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने कहा कि किसी भी शिक्षण संस्थान को प्रतिमान बनाने में वहां के विद्यार्थियों की बड़ी भूमिका होती है। छात्र संसद के रूप में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय ने विद्यार्थियों की इसी भूमिका को सामने लाने की पहल की है। डॉ. राव रविवार को विश्वविद्यालय में आयोजित छात्र संसद कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय की परिकल्पना एक ऐसी व्यवस्था को जन्म देना है जो स्वचालित हो। जिसमे विद्यार्थी, शिक्षक, कर्मचारी एवं अधिकारी स्वतः संज्ञान लेते हुए एक ऐसे विश्वविद्यालय का निर्माण करें जो लोकार्थ की भावना से ओत- प्रोत होते हुए औरों के लिए अनुकरणीय होद्ध डॉ. राव ने छात्र पदाधिकारियों एवं प्रतिनिधियों के साथ संवाद स्थापित करते हुए छात्र संसद का स्वरुप और कार्य, छात्र संसद की कार्य पद्धति एवं प्रतिनिधियों की भूमिका व हम-हमारा विश्वविद्यालय एवं छात्र संसद जैसे विषयों पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने सामूहिकता एवं पारस्परिकता को छात्र संसद कार्यप्रणाली की धुरी बताया और छात्र प्रतिनिधियों में मानवीय मूल्यों के संवर्धन के साथ-साथ विश्वविद्यालय, समाज और राष्ट्रहित में उनकी उपयोगिता को रेखांकित किया। इस कार्यशाला में छात्र संसद के पदाधिकारियों के साथ कक्षा प्रतिनिधियों ने बढ़चढ़कर हिस्सा लियाद्ध कार्यशाला के समन्वयक डॉ. विमल कुमार दूबे ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

निमार्णाधीन परिसर

01 निमार्णाधीन फॉर्मेसी संकाय (दृश्य-1)

02 निर्माणाधीन फार्मेसी संकाय (दृश्य-2)

03 निर्माणाधीन प्रेक्षागृह

04 निर्माणाधीन शिक्षक आवास

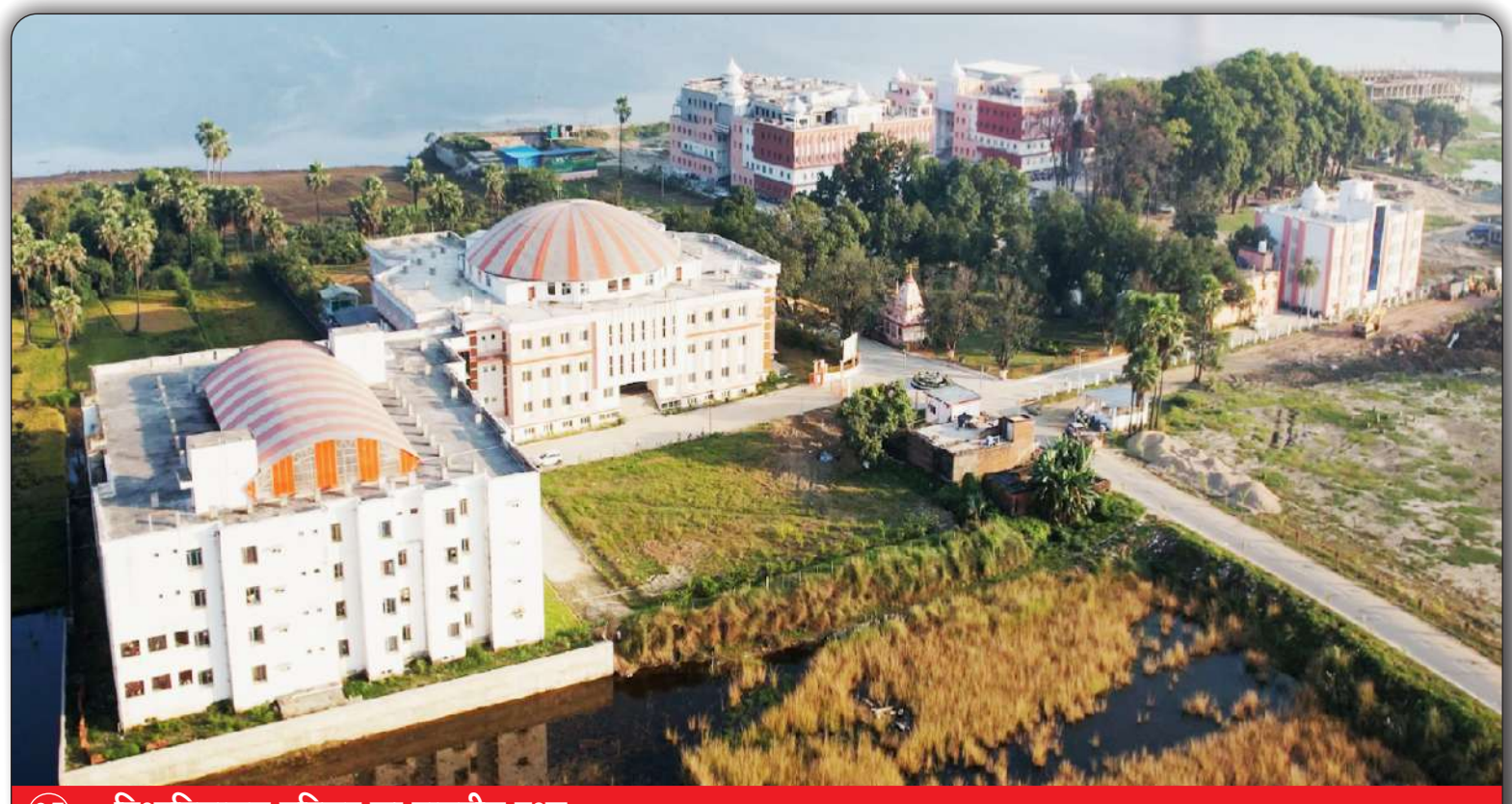

05 विश्वविद्यालय परिसर का वायवीय दृश्य

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

01 डॉ. प्रवीण कुमार त्रिपाठी

02 प्रो. नन्द बहादुर सिंह

03 प्रो. (डॉ.) भागवत ढकाल

04 प्रो. हर्ष कुमार सिन्हा

05 डॉ. हनुमान उपाध्याय

06 प्रो. सुधन पौडेल

07 श्री कृष्ण अनिरुद्ध गौतम

08 माननीय देवेन्द्र राज केण्डेल

09 श्रीमती पुष्पा भोषाल

10 ग्रामीण महिलाओं को सिलाई मशीन वितरित करते हुए विश्वविद्यालय के माननीय कुलाधिपति श्री योगी आदित्यनाथ जी महाराज

प्रधान सम्पादक
डॉ. विमल कुमार दूबे

सम्पादक
आचार्य साध्वीनन्दन पाण्डेय

संपादक मण्डल
श्री रोहित श्रीवास्तव, डॉ. प्रज्ञा सिंह, डॉ. अनुपमा ओझा, डॉ. कुलदीप सिंह एवं सुश्री स्वेता अल्बर्ट

ग्राफिक्स डिजाइनर: श्री शारदानन्द पाण्डेय

mguniversitygkp@mgug.ac.in
https://www.mgug.ac.in/
+91-9415266014, +91-9935904499, +91-9794299451
Arogya Dham, Balapar Road, Sonbarsa, Gorakhpur